

अनकंपा तत्वावर शासन सेवेत
नियुक्ती देण्यासंदर्भात
निर्गमित करण्यात आलेल्या
शासन निर्णय / परिपत्रक
यांचे एकत्रिकरण

संकलन

श्री.रा.जा.साळुंके, प्रथम लिपीक

जलसंपदा विभाग सोलापूर

मो.नं.9011714155

अनुकंपा तत्वावर शासन सेवेत नियुक्ती देण्यासंदर्भात निर्गमित करण्यात आलेल्या शासन निर्णय / परिपत्रक यांचे एकत्रिकरण

अनुक्रमणीका शासन निर्णय दिनांकानुसार

| शासन निर्णय क्रमांक व दिनांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---------------|
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १२१७/प्र.क्र.१०२/आठ, दि.२१/०९/२०१७ | ८ ते ३५ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दि.२६/१०/१९९४ | ३६ ते ४२ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९५/प्र.क्र.३४-अ/आठ, दि.२३/०८/१९९६ | ४३ ते ४६ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९५/प्र.क्र.३४-अ/आठ, दि.११/०९/१९९६ | ४७ ते ४८ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९६/प्र.क्र.६७/९६/आठ, दि.२०/१२/१९९६ | ४९ ते ५१ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दि.१२/०३/१९९७ | ५२ ते ५५ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९७/प्र.क्र.३२/आठ, दि.०८/०९/१९९७ | ५६ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९७/प्र.क्र.५०/९७/आठ, दि.०४/१०/१९९७ | ५७ ते ५८ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दि.२१/११/१९९७ | ५९ ते ६० |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०९८/प्र.क्र.५/९८/आठ, दि.१०/०३/१९९८ | ६१ ते ६२ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दि.२८/०३/२००१ | ६३ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०००/प्र.क्र.५/२००१/आठ, दि.०२/०५/२००१ | ६४ ते ६५ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०००/प्र.क्र.५९/२०००/आठ, दि.२४/०९/२००१ | ६६ ते ६८ |
| शासन निर्णय,सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १००१/प्र.क्र.५/२००२/आठ, दि.३०/०७/२००२ | ६९ ते ७० |

| शासन निर्णय क्रमांक व दिनांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---------------|
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १०००/प्र.क्र.५९/२०००/आठ, दि.२१/११/२००२ | ७१ ते ७२ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००१/प्र.क्र.५/२००२/आठ, दि.२२/०१/२००३ | ७३ ते ७४ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००३/प्र.क्र.२५/२००३/आठ, दि.१३/०६/२००३ | ७५ ते ६६ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००३/प्र.क्र.५१/२००३/आठ, दि.२९/१०/२००३ | ७७ ते ७८ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००३/प्र.क्र.५९/२००३/आठ, दि.३०/०१/२००४ | ७९ ते ८२ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ, दि.२२/०८/२००५ | ८३ ते ८६ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००६/प्र.क्र.१७४/०६/आठ, दि.१७/०७/२००७ | ८७ ते ८९ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००७/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दि.०१/०१/२००८ | ९० ते ९२ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अंकपा १००८/अनौ.१७/०८/प्र.क्र.३५/०८/ आठ, दि.३१/०३/२००८ | ९३ ते ९४ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००७/१२९५/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दि.२३/०४/२००८ | ९५ ते ९७ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००८/प्र.क्र.२४८/०८/आठ, दि.२०/०१/२००९ | ९८ ते १०० |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००८/११४२/प्र.क्र.१६६/०८/आठ, दि.१०/०७/२००९ | १०१ ते १०२ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००८/प्र.क्र.२४८/०८/आठ, दि.१३/११/२००९ | १०३ ते १०४ |
| शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १००९/८२२६/प्र.क्र.२०१/०९/ आठ, दि.०५/०२/२०१० | १०५ ते १०८ |
| शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १०१०/६७/प्र.क्र.४१/१०/आठ, दि.१५/०५/२०१० | १०९ ते १११ |
| शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अंकपा १०१०/प्र.क्र.२४४/आठ, दि.१३/१०/२०१० | ११२ ते ११४ |

| शासन निर्णय क्रमांक व दिनांक | पृष्ठ क्रमांक |
|--|---------------|
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०१०/प्र.क्र.३०८/आठ, दि.०६/१२/२०१० | ११५ ते ११६ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०१२/प्र.क्र.२०४/आठ, दि.१७/०९/२०१२ | ११७ ते ११८ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०१३/प्र.क्र.८/आठ, दि.२६/०२/२०१३ | ११९ ते १२२ |
| शासन पुरक पत्र, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०१४/प्र.क्र.३४/आठ, दि.०१/०३/२०१४ व ०२/०५/२०१४ | १२३ ते १२६ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०१४/प्र.क्र.१६४/आठ, दि.०१/०३/२०१४ | १२७ ते १३० |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १२१५/प्र.क्र.४७/आठ, दि.२८/१०/२०१५ | १३१ ते १३३ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १०१४/प्र.क्र.१५५/आठ, दि.१७/११/२०१६ | १३४ ते १३७ |
| शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा १२१७/प्र.क्र.४६/आठ, दि.०३/०५/२०१७ | १३८ ते १४० |

अनुकंपा तत्वावर शासन सेवेत नियुक्ती देण्यासंदर्भात निर्गमित करण्यात आलेल्या शासन निर्णय / परिपत्रक यांचे एकत्रिकरण

अनुक्रमणीका विषयवार व दिनांकानुसार

| विषय | दिनांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|------------|---------------|
| अनुकंपा तत्वावर शासन सेवेत नियुक्ती देण्यासंदर्भात निर्गमित करण्यात आलेल्या शासन निर्णय / परिपत्रक यांचे एकत्रिकरण | २१/०९/२०१७ | ८ ते ३५ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | २६/१०/१९९४ | ३६ते ४२ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | २३/०८/१९९६ | ४३ ते ४६ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | ११/०९/१९९६ | ४७ ते ४८ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या किंवा वैद्यकिय कारणास्तव सेवानिवृत्त झालेल्या शासकिय कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | २०/१२/१९९६ | ४९ ते ५१ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | १२/०३/१९९७ | ५२ ते ५५ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | ०८/०९/१९९७ | ५६ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | ०४/१०/१९९७ | ५७ ते ५८ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | २१/११/१९९७ | ५९ ते ६० |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | १०/०३/१९९८ | ६१ ते ६२ |
| शासकिय सेवेत अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | २८/०३/२००१ | ६३ |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | ०२/०५/२००१ | ६४ ते ६५ |

| विषय | दिनांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|------------|---------------|
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत (विहित संगणक ज्ञानाची अर्हता प्राप्त करण्याविषयी) | २४/०९/२००१ | ६६ ते ६८ |
| अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती (अनुकंपाची पदे भरण्याबाबत) | ३०/०७/२००२ | ६९ ते ७० |
| शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत (विहित संगणक ज्ञानाची अर्हता प्राप्त करण्याविषयी) | २१/११/२००२ | ७१ ते ७२ |
| अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती (अनुकंपाची पदे भरण्याबाबत) | २२/०१/२००३ | ७३ ते ७४ |
| शासकिय सेवेत अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | १३/०६/२००३ | ७५ ते ६६ |
| शासकिय सेवेत अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत | २९/१०/२००३ | ७७ ते ७८ |
| राज्यातील शासकीय / जिल्हा परिषद / पंचायत समित्या मधील वर्ग-३ व वर्ग-४ ची खुल्या प्रवर्गाती पदे भरणेबाबत | ३०/०१/२००४ | ७९ ते ८२ |
| राज्यशासन सेवेतील अनुकंपा नियुक्तीची योजना (प्रचलित कार्यपध्दती व योजनेच्या तरतुदीत सुधारणा करण्याबाबत) | २२/०८/२००५ | ८३ ते ८६ |
| नक्षलवाद्यांच्या हल्ल्यात जायबंदी / मृत्यू झालेल्या शासकीय सेवेतील व्यक्तींच्या कुटुंबियांना शासकिय सेवेत सामावून घेण्याबाबत (अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत) | १७/०७/२००७ | ८७ ते ८९ |
| राज्यशासन सेवेतील अनुकंपा नियुक्तीची योजना (प्रचलित कार्यपध्दती व योजनेच्या तरतुदीत सुधारणा करण्याबाबत) | ०१/०१/२००८ | ९० ते ९२ |
| शासन सेवेत दिवंगत झालेल्या कर्मचा-यांच्या कुटुंबियांचा अनुकंपा तत्वावर गट-क व गट-ड वरील पदावर नियुक्ती देण्याबाबत | ३१/०३/२००८ | ९३ ते ९४ |
| राज्यशासन सेवेतील अनुकंपा नियुक्तीची योजना (प्रचलित कार्यपध्दती व योजनेच्या तरतुदीत सुधारणा करण्याबाबत) | २३/०४/२००८ | ९५ ते ९७ |
| दि. २६/११/२००८ ते दि. २९/११/२००८ या कालावधीत मुंबई येथे आतंकवाद्यांच्या हल्ल्यात शहीर झालेल्या पोलीस सेवेतील व्यक्तींच्या कुटुंबियांपैकी एकास गट-ब किंवा गट-अ मधील पदावर शासन सेवेत सामावून घेण्याबाबत (अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत) | २०/०१/२००९ | ९८ ते १०० |

| विषय | दिनांक | पृष्ठ क्रमांक |
|--|---------------------------|---------------|
| अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत | १०/०७/२००९ | १०१ ते १०२ |
| दि. २६/११/२००८ ते दि. २९/११/२००८ या कालावधीत मुंबई येथे आतंकवाद्यांच्या हल्ल्यात शहीर झालेल्या पोलीस सेवेतील व्यक्तींच्या कुटूंबियांपैकी एकास गट-ब किंवा गट-अ मधील पदावर शासन सेवेत सामावून घेण्याबाबत (अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत) | १३/११/२००९ | १०३ ते १०४ |
| अनुकंपा नियुक्तीकरीता येणा-या अडचणीबाबत | ०५/०२/२०१० | १०५ ते १०८ |
| अनुकंपा नियुक्तीकरीता ठेवण्यात येणारी प्रतिक्षासूची वेबसाईटवर प्रसिध्द करणेबाबत | १५/०५/२०१० | १०९ ते १११ |
| मागावर्गीयांसाठी आरक्षित ठेवलेल्या पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देतांना करावयाच्या कार्यवाहीबाबत | १३/१०/२०१० | ११२ ते ११४ |
| शासकिय कर्मचा-यांच्या पात्र कुटूंबियांना अनुकंपा नियुक्ती देण्यासाठी कमाल वयोमर्यादेचा व टंकलेखन परिक्षा उत्तिर्ण होण्याचा निकष सुधारीत करण्याबाबत | ०६/१२/२०१० | ११५ ते ११६ |
| नक्षलवादी/आतंकवादी/दरोडेखोर/समाज विघातक/जीव धोक्यात घालून प्रत्यक्ष कर्तव्य बजावताना मृत्यूमुखी पडलेल्या अधिकारी/कर्मचा-यांच्या पात्र कुटूंबियास प्राधान्याने अनुकंपा नियुक्ती देण्याबात | १७/०९/२०१२ | ११७ ते ११८ |
| अनुकंपा नियुक्ती धोरणातील तरतूदीमध्ये सुधारणा – विविहित मुलीस अनुकंपा नियुक्तीस पात्र ठरविण्याबाबत | २६/०२/२०१३ | ११९ ते १२२ |
| अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेल्या पदांच्या मर्यादेत वाढ | ०१/०३/२०१४व ०२/०५/२०१४ | १२३ ते १२६ |
| अनुकंपा तत्वावर लिपिक-टंकलेखक पदावर नियुक्ती करतांना उमेदवाराने टंकलेखन अर्हता प्रमाणपत्र सादर करण्याच्या मुदतीमध्ये वाढ करणे व काही अधिकार मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागप्रमुखांना देणे | २०/०५/२०१५ | १२७ ते १३० |
| अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेल्या पदांच्या मर्यादेत वाढ | २८/१०/२०१५ | १३१ ते १३३ |
| अनुकंपा नियुक्ती धोरणातील तरतूदीमध्ये सुधारणा | १७/११/२०१६ | १३४ ते १३७ |
| अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेली प्रतिवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १०% ची मर्यादा चालू ठेवण्याबाबत | ०३/०५/२०१७ | १३८ ते १४० |

अनुकंपा तत्वावर शासन सेवेत नियुक्ती
देण्यासंदर्भात निर्गमित करण्यात आलेल्या
शासन निर्णय/परिपत्रक यांचे एकत्रिकरण

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक : अकंपा १२१७/प्र.क्र.१०२/आठ

हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा रोड,

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.

दिनांक : २१ सप्टेंबर, २०१७.

वाचा :

१. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २६.१०.१९९४
२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९५/प्र.क्र. ३४-अ/आठ, दिनांक २३.०८.१९९६
३. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९५/प्र.क्र. ३४-अ/आठ, दिनांक ११.०९.१९९६
४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९६/प्र.क्र.६७/९६/आठ, दिनांक २०.१२.१९९६
५. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक १२.०३.१९९७
६. शासन परिपत्रक, क्र. अकंपा-१०९७/प्र.क्र.१९/९७/आठ, दि. ०७.०६.१९९७
७. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९७/प्र.क्र.३२/ आठ, दिनांक ०८.०९.१९९७
८. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९७/प्र.क्र.५०/९७/आठ, दिनांक ०४.१०.१९९७
९. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९३/२३३५/ प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २१.११.१९९७
१०. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९८/प्र.क्र.५/९८/आठ, दिनांक १०.०३.१९९८
११. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०००/ प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दिनांक २८.०३.२००१
१२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०००/ प्र.क्र.५/२००१/आठ, दिनांक ०२.०५.२००१
१३. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०००/प्र.क्र.५९/२०००/आठ, दिनांक २४.०९.२००१
१४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००१/प्र.क्र.५/२००२/आठ, दिनांक ३०.०७.२००२
१५. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०००/प्र.क्र.५९/२०००/आठ, दिनांक २१.११.२००२

१६. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००१/प्र.क्र.५/२००२/आठ, दिनांक २२.०१.२००३
१७. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००३/प्र.क्र.२५/२००३/आठ, दिनांक १३.०६.२००३
१८. शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००३/प्र.क्र.५१/२००३/आठ, दिनांक २९.१०.२००३
१९. शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००३/प्र.क्र.५९/२००३/आठ, दिनांक ३०.०१.२००४
२०. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ, दिनांक २२.०८.२००५
२१. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००६/प्र.क्र.१७४/०६/आठ, दिनांक १७.०७.२००७
२२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००७/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दिनांक ०१.०१.२००८
२३. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००८/अनौ.१७/०८/प्र.क्र. ३५/०८/आठ, दिनांक ३१.०३.२००८
२४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००७/१२९५/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दिनांक २३.०४.२००८
२५. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००८/प्र.क्र.८७/०८/आठ, दिनांक ०६.११.२००८
२६. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००८/प्र.क्र.२४८/०८/आठ, दिनांक २०.०१.२००९
२७. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००८/११४२/प्र.क्र.१६६/०८/आठ, दिनांक १०.०७.२००९
२८. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००८/प्र.क्र.२४८/०८/आठ, दिनांक १३.११.२००९
२९. शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००९/८२२६/प्र.क्र.२०१/०९/आठ, दिनांक ०५.०२.२०१०
३०. शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१०/६७/प्र.क्र.४१/१०/आठ, दिनांक १५.०५.२०१०
३१. शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१०/प्र.क्र. २४४/आठ, दिनांक- १३.१०.२०१०
३२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१०/प्र.क्र.३०८/आठ, दिनांक ०६.१२.२०१०
३३. शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००९/५८२/प्र.क्र.७६/२००९/आठ, दिनांक ०५.०३.२०११

३४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१२/प्र.क्र.२०४/आठ, दिनांक १७.०९.२०१२
३५. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१३/प्र.क्र.८/आठ, दिनांक २६.०२.२०१३
३६. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.३४/आठ, दिनांक ०१.०३.२०१४
३७. शासन पूरक पत्र, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.३४/आठ, दिनांक ०२.०५.२०१४
३८. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.१६४/आठ, दिनांक २०.०५.२०१५
३९. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१२१५/प्र.क्र.४७/आठ, दिनांक २८.१०.२०१५
४०. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.१५५/आठ, दिनांक १७.११.२०१६
४१. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१२१७/प्र.क्र.४६/आठ, दिनांक ०३.०५.२०१७

प्रस्तावना :

शासकीय सेवेत असताना कर्मचारी/अधिकारी दिवंगत झाल्यास किंवा गंभीर आजार, अपघात यामुळे शासकीय सेवा करण्यास वैद्यकीय दृष्ट्या कायमचा असमर्थ ठरल्यामुळे रुग्णता सेवा निवृत्त झाल्यास त्याच्या कुटुंबावर ओढावण्या-या आर्थिक आपत्तीत कुटुंबियांना तातडीने मदत मिळण्याच्या उद्देशाने सन १९७६ साली प्रथमतः अनुकंपा नियुक्तीची योजना लागू केली. या योजनेमध्ये शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४ अन्वये अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीबाबतची सुधारित नियमावली विहित करण्यात आली व त्यामध्ये वेळोवेळी संदर्भाधीन शासन निर्णय/परिपत्रकांन्वये दुरुस्त्या करण्यात आल्या व नवीन तरतुदी समाविष्ट करण्यात आल्या. सदर तरतुदी एकत्रित स्वरूपात नसल्यामुळे अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीबाबतची कार्यवाही करताना नियुक्ती प्राधिकारी यांना अडचणी निर्माण होतात तसेच प्रकरणपरत्वे निर्णय घेताना विसंगती निर्माण होण्याची शक्यता असते. सदर बाब विचारात घेता संदर्भाधीन शासन निर्णय व शासन परिपत्रकांमधील सर्व महत्वाच्या तरतुदी एकत्रित करून त्या एकाच आदेशात नमूद केल्या तर कार्यवाही करताना सुलभ जाईल. त्यामुळे प्रशासकीय सोयीच्या दृष्टीने सर्व शासन निर्णय/शासन परिपत्रकांमधील एकत्रित तरतुदी उपलब्ध होण्याच्या दृष्टीने त्यांचे संकलन करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. यानुसार अनुकंपा नियुक्ती योजनेसंबंधी शासन निर्णय, सा.प्र.वि., दि. २६.१०.१९९४ व त्यानंतर वेळोवेळी निर्गमित करण्यात आलेल्या संदर्भाधीन सर्व शासन निर्णय/शासन परिपत्रकांचे एकत्रीकरण करून सर्वसमावेशक आदेश पुढीलप्रमाणे देण्यात येत आहेत:-

शासन निर्णय :

१. राज्य शासकीय कर्मचा-यांच्या पात्र वारसदारांना लागू असलेल्या अनुकंपा नियुक्ती योजनेसंबंधी निर्गमित करण्यात आलेल्या सर्व आदेशांचे अधिक्रमण करुन सुधारित आदेश दि. २६.१०.१९९४ रोजी निर्गमित केले आहेत. अनुकंपा नियुक्ती योजनेसंबंधी शासन निर्णय, सा.प्र.वि., दि. २६.१०.१९९४ व त्यानंतर वेळोवेळी निर्गमित करण्यात आलेल्या संदर्भाधीन सर्व निर्गमित झालेले शासन निर्णय/परिपत्रके यामधील महत्वाच्या एकत्रित तरतुदी सोबतच्या परिशिष्ट 'अ' नुसार असतील. संदर्भाधीन शासन निर्णय व परिपत्रकांमधील आदेशांचे एकत्रिकरण करतांना मूळ तरतुदी जश्याच्या तश्या घेण्यात आलेल्या आहेत. त्यामुळे अनुकंपा नियुक्ती देतांना काही अडचणी उदभवल्यास उपरोक्त संदर्भाधीन मूळ शासन निर्णय व परिपत्रकांचे अवलोकन करावे.
२. दिवंगत शासकीय कर्मचा-यांच्या कुटुंबियाने करावयाचा अर्ज व तत्संबंधीची माहिती सोबतच्या परिशिष्ट 'ब' नुसार असेल.
३. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, दि. २०.१२.१९९६ मध्ये नमूद केलेली अनुकंपा नियुक्तीसाठी गट-क मधील कार्यकारी पदांची यादी सोबतच्या परिशिष्ट 'क' नुसार असेल.
४. अनुकंपा नियुक्तीसाठी नियुक्ती प्राधिकारी यांनी ठेवावयाच्या प्रतीक्षासूचीचे प्रारूप परिशिष्ट 'ड' नुसार असेल.
५. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१७०९२११५०८४८५२०७ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने सांक्षाकित करुन काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

**Mukesh
Khullar**

Digitally signed by Mukesh Khullar
DN: c=IN, o=Government Of Maharashtra,
ou=GAD, postalCode=400032, st=Maharashtra,
2.5.4.20=6481e097db98eaae8b0580130544ebce
d12d1340cea24fcd0132235fb0c544a8,
cn=Mukesh Khullar
Date: 2017.09.21 14:58:35 +05'30'

(मुकेश खुल्लर)

अपर मुख्य सचिव (सेवा), महाराष्ट्र शासन

प्रत,

१. मा. राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
२. मा. मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
३. मा. मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
४. मा. विरोधी पक्षनेता, विधानपरिषद/विधानसभा, विधान भवन, मुंबई,
५. सर्व सन्माननीय संसद सदस्य,
६. विधान सभा सदस्य/विधान परिषद सदस्य.
७. मा. मुख्य सचिव,
८. सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
९. सर्व मंत्रालयीन विभाग,

१०. प्रबंधक मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
११. प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
१२. प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
१३. सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
१४. प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
१५. सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
१६. सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासन भवन, मुंबई,
१७. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१८. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-२, महाराष्ट्र, मुंबई,
१९. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
२०. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-२, महाराष्ट्र, मुंबई,
२१. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
२२. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
२३. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
२४. महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क संचालनालय, मुंबई, (२ प्रती प्रसिध्दीकरिता)
२५. सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
२६. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
२७. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
२८. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
२९. सामान्य प्रशासन विभाग/का.३९,(महाराष्ट्र शासनाच्या संकेतस्थळावर प्रसिध्दीकरिता)
३०. निवडनस्ती. (कार्यासन-८).

परिशिष्ट- 'अ'

(शासन निर्णय क्रमांक : अकंपा १२१७/प्र.क्र.१०२/आठ, दिनांक २१ सप्टेंबर, २०१७.)

(शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, दि. २६.१०.१९९४ व त्यानंतर वेळोवेळी निर्गमित केलेल्या शासन निर्णय/शासन परिपत्रकान्वये विहित केलेली अनुकंपा कारणास्तव शासकीय सेवेत नोकरी देण्याबाबतची एकत्रित नियमावली)

१. महाराष्ट्र राज्य शासनाच्या सर्व कार्यालयात अनुकंपा कारणास्तव करावयाच्या नेमणूकांना हे नियम लागू राहतील.
२. अनुकंपा नियुक्ती योजनेसंदर्भातील तरतुदी ह्या केवळ शासकीय कर्मचा-यांपूरत्याच सीमित आहेत. सदर तरतुदी ह्या जिल्हा परिषदा/ नगरपालिका / महानगरपालिका / महामंडळे / प्राधिकरणे / व्यापारी उपक्रम व इतर तत्सम आस्थापनावरील कर्मचा-यांना थेट लागू होणार नाहीत. त्यासाठी संबंधित प्रशासकीय विभागाने स्वतंत्रपणे निर्णय घेणे आवश्यक राहिल.
३. अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीबाबतच्या तरतुदी खालीलप्रमाणे आहेत:-

(१) अनुकंपा नियुक्ती योजनेचा लाभ खालील शासकीय कर्मचा-यांच्या पात्र कुटुंबियांना अनुज्ञेय राहिल:-

- (अ) शासकीय कर्मचाऱ्यांना (रुपांतरीत स्थायी व अस्थायी आस्थापनेवरील शासकीय कर्मचारी धरून) (शासन, निर्णय, दि. २६.१०.१९९४)
- (आ) सेवा नियमित केलेल्या परंतु अधिसंख्य पदावर कार्यरत असलेले कर्मचारी. (शासन निर्णय, दि. १०.७.२००९)

(२) शासकीय अधिकारी/कर्मचारी यांच्या पात्र नातेवाईकांना खालील नमूद परिस्थितीत अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती लागू राहिल:-

- (अ) शासकीय सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या गट-क व गट-ड संवर्गातील कर्मचा-यांच्या पात्र कुटुंबियांनाच अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती अनुज्ञेय राहिल. (शासन निर्णय, दि. २२.०८.२००५)
- (आ) गट अ/ब/क/ड मधील शासकीय अधिकारी अथवा कर्मचा-यास नक्षलवादी/ आतंकवादी/ दरोडेखोर/समाज विघातक यांच्या हल्यात/कारवाईत मृत्यू आल्यास अथवा शासन सेवेत कार्यरत असतांना स्वतःचा जीव धोक्यात घालून प्रत्यक्ष कर्तव्य बजावत असताना मृत्युमुखी पडल्यास अशा अधिका-यांच्या व कर्मचा-यांच्या कुटुंबियातील पात्र व्यक्तीस, अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देताना, त्यांचे नाव अनुकंपाधारकांच्या सामान्य प्रतीक्षासूचीमध्ये न घेता, त्यांची वेगळी यादी करून पद उपलब्ध असल्यास, रिक्त पदांच्या ५ टक्के मर्यादेची (१० टक्के- शासन निर्णय दि. १ मार्च, २०१४) अट शिथिल करून त्यांना सर्व प्राथम्याने अनुकंपा नियुक्ती देण्यात यावी. (शासन शुध्दीपत्रक दि. १७.०९.२०१२)

(इ) गट अ/ब/क/ड मधील जे शासकीय अधिकारी अथवा कर्मचारी नक्षलवादी/ आतंकवादी/ दरोडेखोर/समाजविघातक यांच्या हल्यात/कारवाईमध्ये कायमस्वरूपी जायबंदी झाले आहेत व त्यांनी स्वतःहून शासकीय सेवा सोडून देण्याची लेखी अनुमती दिली आहे अशा अधिकारी/कर्मचा-

यांच्या पात्र कुटुंबियातील एका व्यक्तीस अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेल्या ५ टक्के (१० टक्के-शासन निर्णय दि. १ मार्च, २०१४) मर्यादेमध्ये प्राधान्याने नियुक्ती देण्यात यावी. (शासन निर्णय, दिनांक १७.७.२००७)

(३) खालील दर्जाच्या पदावर अनुकंपा नियुक्ती देय राहिल :-

(अ) राज्य शासनांतर्गत कोणत्याही गट-क आणि गट-ड मधील सरळ सेवेच्या पदांवर त्या पदाच्या सेवाप्रवेश नियमातील विहित शैक्षणिक अर्हता असल्यास अशी नियुक्ती देता येईल.
(शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४ व दि. २८.०३.२००१)

(आ) ह्या नियमानुसार नियुक्ती मिळण्यासाठी महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाच्या स्पर्धा परीक्षेस बसण्याची आवश्यकता नाही तसेच सदर पदावर अनुकंपा नियुक्ती करण्यासाठी महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाचा सल्ला घेण्याची आवश्यकता असणार नाही. मात्र लोकसेवा आयोगाच्या कक्षेतील पोलीस उपनिरीक्षक, विक्रीकर निरीक्षक, मोटार वाहन उप निरीक्षक, रॅज वन अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता, सहायक वैद्यकीय अधिकारी, इ. गट-'क' मधील कार्यकारी (एक्झिक्युटीव) पदावर तसेच मंत्रालयातील सहायक पदावर नियुक्ती देता येणार नाही. तसेच निवडमंडळाचा सल्ला घेणे आवश्यक नाही. (शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४ व दि. २१.११.१९९७)

(इ) लोकसेवा आयोगाच्या कक्षेतील पदाखेरीज अन्य गट-'क' मधील कार्यकारी पदांवर नियुक्ती देण्यात यावी मात्र अशी नियुक्ती ही त्या पदांसाठी सेवा प्रवेश नियमानुसार सरळ सेवा भरतीची तरतुद आहे अशाच पदांवर देण्यात यावी. (उदाहरणादाखल काही कार्यकारी पदांची यादी-परिशिष्ट क) (शासन निर्णय, दि. २०.१२.१९९६)

(४) अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र कुटुंबिय:-

(अ) अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीसाठी खालील नमूद केलेले नातेवाईक पात्र राहतील व त्यापैकी एका पात्र नातेवाईकास नियुक्ती अनुज्ञेय राहिल.

(१) पती/पत्नी,

(२) मुलगा/मुलगी (अविवाहित/विवाहित), मृत्युपूर्वी कायदेशीररित्या दत्तक घेतलेला मुलगा/मुलगी (अविवाहित/विवाहित)

(३) दिवंगत शासकीय कर्मचा-याचा मुलगा हयात नसेल किंवा तो नियुक्तीसाठी पात्र नसेल तर त्याची सून

(४) घटस्फोटित मुलगी किंवा बहीण, परित्यक्ता मुलगी किंवा बहीण, विधवा मुलगी किंवा बहीण,

(५) केवळ दिवंगत अविवाहित शासकीय कर्मचा-यांच्या बाबतीत त्यांच्यावर सर्वस्वी अवलंबून असणारा भाऊ किंवा बहीण (शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४ व दि. १७.११.२०१६)

(आ) मृत अधिकारी/कर्मचा-यांच्या पति/पत्नी ने कोणाची अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती करावी याबाबत नामांकन देणे आवश्यक राहिल. मृत अधिकारी/कर्मचा-यांचे पती/पत्नी हयात नसल्यास त्यांच्या/तिच्या सर्व पात्र कुटुंबियांनी एकत्रित येऊन कोणाची नियुक्ती करावी याबाबत नामांकन करावे. (शासन निर्णय, दि. १७.०७.२००७)

(५) कुटुंबाची हलाखीची परिस्थिती

(अ) अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीकरिता मासिक उत्पन्नाची तसेच ठोक रकमेची मर्यादा यापुढे राहणार नाही. (शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४)

(आ) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देताना असे प्रस्ताव शासन सेवेतील रोजगारावर असलेली मर्यादा, या योजनेच्या मागील भूमिका लक्षात घेऊन जो कर्मचारी मृत झाला आहे त्याच्या कुटुंबियांना तात्काळ उदभवणा-या आर्थिक पेचप्रसंगावर मात करण्याच्या उद्देशाने विचारात घ्यावेत. (शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४)

(इ) दिवंगत शासकीय कर्मचा-याचा नातेवाईक पूर्वीच सेवेत असेल तथापि तो त्याच्या कुटुंबातील अन्य सदस्यांना आधार देत नसेल तर अशा प्रकरणात त्या कुटुंबाची आर्थिक परिस्थिती हलाकीची आहे किंवा कसे हे ठरविताना नियुक्ती प्राधिका-यांनी अत्याधिक दक्षता घ्यावी, जेणेकरून सेवेत असलेला सदस्य कुटुंबाचा उदरनिर्वाह करीत नाही या नांवाखाली अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीचा दुरुपयोग केला जाणार नाही.

यासंदर्भात नियुक्ती प्राधिका-याने मिळणा-या निवृत्तीवेतनाची रक्कम, कुटुंबातील व्यक्तींची संख्या, त्याची मालमत्ता/दायित्व, गंभीर आजारामुळे अथवा अपघातामुळे मृत झाला असल्यास त्यासाठी करण्यात आलेला वैद्यकीय खर्च, कुटुंबातील मिळवत्या व्यक्ती इत्यादी बाबी विचारात घेणे अपेक्षित आहे. (शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४)

(६) लहान कुटुंबांचे प्रमाणपत्र :-

दिनांक ३१ डिसेंबर २००१ नंतर तिसरे अपत्य झालेल्या कर्मचा-यांच्या कुटुंबियास अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीसाठी पात्र समजले जाणार नाही. (शासन निर्णय, दि. २८/३/२००१)

(७) योजनेची माहिती देण्याची जबाबदारी :-

(अ) आस्थापना अधिका-याने अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीच्या योजनेची माहिती (योजनेचा उद्देश, पात्र नातेवाईक, अर्ज करण्याची मुदत, शैक्षणिक अर्हता, टंकलेखन प्रमाणपत्र सादर करण्यास मुदत, अर्ज विहित नमून्यात भरणे इ. माहिती) शासकीय कर्मचा-याच्या मृत्यूनंतर १५ दिवसानंतर किंवा कुटुंबनिवृत्तीवेतनाची कागदपत्रे पाठविताना शासकीय कर्मचा-यांच्या कुटुंबियांना त्वरीत उपलब्ध करून देणे आवश्यक आहे. तसेच सदर माहिती मिळाल्याबाबत कुटुंबाकडून पोच घेणे आवश्यक आहे. (शासन निर्णय, दि. २३.०८.१९९६ व शासन परिपत्रक दि. ५.२.२०१०)

(ब) दिवंगत शासकीय कर्मचा-याचा पात्र वारसदार सज्जान नसेल तर तो सज्जान झाल्यानंतर एक वर्षाच्या आत अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी अर्ज करू शकेल मात्र तो सज्जान झाल्यावर त्याने असा अर्ज करणे अपेक्षित आहे हे देखील कुटुंबनिवृत्तीवेतन धारकाला कुटुंब निवृत्तीवेतनविषयक कागदपत्रांची पूर्तता करतेवेळी लेखी कळविणे संबंधित आस्थापना अधिका-यावर बंधनकारक राहिल. (शासन निर्णय, दि. २०.०५.२०१५)

(८) कुटुंबातील अन्य सदस्यांचा सांभाळ करण्याबाबतचे प्रतिज्ञापत्र:-

(अ) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यापूर्वी संबंधितांकडून कुटुंबातील अन्य व्यक्तींचा सांभाळ करण्याबाबत प्रतिज्ञापत्र घेण्यात यावे. (शासन निर्णय, दि. २३.०८.१९९६)

आ) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यापूर्वी संबंधितांकडून दिवंगत कर्मचा-यावर अवलंबून असलेल्या कुटुंबातील अन्य व्यक्तींचा सांभाळ करण्याबाबत प्रतिज्ञापत्र घेण्यात यावे. भविष्यामध्ये सदर प्रतिज्ञापत्राचे उल्लंघन झाल्याबाबतची तक्रार संबंधित कुटुंबातील सदस्यांनी केल्यास सदर तक्रारीची चौकशी संबंधित नियुक्ती प्राधिकारी/शिस्तभंगविषयक प्राधिका-याने करावी. चौकशीअंती अनुकंपा नियुक्तीधारकाने प्रतिज्ञापत्राचे उल्लंघन केल्याचे निष्पन्न झाल्यास त्याला सेवेतून काढून टाकण्याची देखील शिक्षा देता येईल. (शासन निर्णय, दि. १७.११.२०१६)

(९) कुटुंबातील इतर सदस्यांचे संमतीपत्र:-

अ) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती ही कुटुंबातील एकाच पात्र नातेवाईकास अनुज्ञेय असल्याने (शासन, निर्णय, दि. २६.१०.१९९४) कुटुंबातील इतर सदस्यांचे ना हरकत प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक आहे.

आ) ज्या शासकीय कर्मचा-यांना वैयक्तिक कायदानुसार एकापेक्षा जास्त लग्न करण्यास प्रतिबंध नसेल अशा कर्मचा-यांच्या एकापेक्षा जास्त पत्नी हयात असल्यास, ज्या पत्नीला किंवा तिच्या मुलाला/मुलीला अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती द्यायची आहे त्या व्यतिरिक्त अन्य पत्नीचे देखील ना हरकत प्रमाणपत्र घेणे आवश्यक आहे. (शासन निर्णय, दि. २३.०८.१९९६)

(१०) अर्ज करण्यासाठी मुदत:-

(अ) अनुकंपा नियुक्तीसाठी दिवंगत शासकीय कर्मचा-यांच्या कुटुंबातील पात्र नातेवाईकाने शासकीय अधिकारी/कर्मचारी दिवंगत झाल्याच्या दिनांकापासून एक वर्षाच्या मुदतीत संबंधित नियुक्ती प्राधिका-याकडे विहित नमून्यात परिपूर्ण अर्ज सादर करणे आवश्यक आहे. (शासन निर्णय, २२/८/२००५ व शासन परिपत्रक, दि. ०५.०२.२०१०)

(आ) सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या कर्मचा-यांच्या कुटुंबातील अज्ञान वारसदाराच्या बाबतीत एकाने सज्जान म्हणजे १८ वर्षांचा झाल्यावर एक वर्षाच्या आत अनुकंपा नियुक्तीसाठी परिपूर्ण अर्ज सादर करणे आवश्यक आहे. (शासन निर्णय, दि. ११/९/१९९६ व शासन परिपत्रक, दि. ०५.०२.२०१०)

(इ) पात्र वारसदारास विहित १ वर्षाच्या मुदतीनंतर २ वर्ष इतक्या कालावधिपर्यंत (मृत्यूच्या दिनांकापासून ३ वर्षापर्यंत) तसेच दिवंगत शासकीय कर्मचा-यांच्या अज्ञान वारसदाराच्या बाबतीत तो उमेदवार सज्जान झाल्यानंतर विहित १ वर्षाच्या मुदतीनंतर २ वर्षापर्यंत (सज्जान झाल्यानंतर ३ वर्षापर्यंत) अर्ज सादर करण्यास विलंब झाल्यास असा विलंब क्षमापित करण्याचे अधिकार संबंधित मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागाच्या विभाग प्रमुखांना देण्यात येत आहेत.

अनुकंपा नियुक्ती धोरणातील याशिवाय अन्य कोणत्याही अटी व शर्ती शिथिल करण्याचे अधिकार संबंधित मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागप्रमुखांना राहणार नाहीत. (शासन निर्णय, दि. २०.०५.२०१५)

(ई) जोपर्यंत अनुकंपा नियुक्तीकरीता आवश्यक असलेली सर्व कागदपत्रे उमेदवारांकडून प्राप्त होत नाहीत तोपर्यंत त्यांचे नांव प्रतीक्षासूचीमध्ये समाविष्ट करता येणार नाही. ज्यादिवशी संपूर्ण कागदपत्रे प्राप्त होतील त्यादिवशीच त्यांचे नाव प्रतीक्षासूचीमध्ये समाविष्ट करावे. (शासन परिपत्रक, दि. ५/२/२०१०)

(११) अनुकंपा नियुक्तीसाठी वयोमर्यादा:-

(अ) किमान वयोमर्यादा- १८ वर्ष (शासन निर्णय, दि. ११.०९.१९९६)

(आ) कमाल वयोमर्यादा- वयाच्या ४५ वर्षांपर्यंतच्याच उमेदवारांना अनुकंपा नियुक्ती अनुज्ञेय असेल. त्यामुळे प्रतीक्षा सूचीतील उमेदवारांना वयाच्या ४५ वर्षांपर्यंत नियुक्ती न मिळाल्यास त्यांची नावे वयाची ४५ वर्ष पूर्ण होताच आवश्यक ती नोंद घेऊन प्रतीक्षासूचीतून काढून टाकण्यात यावीत. (शासन निर्णय, २२.०८.२००५ व दि. ६.१२.२०१०)

(१२) अनुकंपा नियुक्तीसाठी शैक्षणिक अर्हता:-

(अ) पात्र नातेवाईकाची शैक्षणिक अर्हता व निम्न वयोमर्यादेनुसार त्याला गट-क किंवा गट-ड मधील पदावर अनुकंपा नियुक्ती अनुज्ञेय राहिल. (शासन निर्णय, दि. २६/१०/१९९४)

(आ) संबंधित पदांसाठी विहित शैक्षणिक पात्रता आणि निम्न वयोमर्यादा याबाबतच्या अटी या नेमणूकांसाठी कटाक्षाने पाळण्यात येतील. (शासन निर्णय, दि. २६/१०/१९९४)

(इ) तथापि, दिवंगत शासकीय कर्मचाऱ्याची पत्नी शैक्षणिक पात्रतेव्यतिरिक्त इतर अटी पूर्ण करित असल्यास तिच्या बाबतीत गट-ड मध्ये नेमणूकीसाठी शैक्षणिक अर्हतेची अट शिथिल करण्याचे अधिकार संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्याला असतील. (शासन निर्णय, दि. २६/१०/१९९४)

(१३) गट-क मधील लिपीक-टंकलेखक पदावर अनुकंपा नियुक्तीसाठी टंकलेखन प्रमाणपत्र सादर करण्यास मुदत:-

(अ) अनुकंपा तत्वावर लिपीक-टंकलेखक पदावर नियुक्त झालेल्या उमेदवारांना विहित वेगमर्यादेचे टंकलेखन अर्हता प्रमाणपत्र सादर करण्यासाठी शासन निर्णय, दि. ०६.१२.२०१० अन्वये ६ महिने असलेली मुदत वाढवून ती २ वर्ष इतकी करण्यात येत आहे.

अनुकंपा तत्वावर लिपीक-टंकलेखक पदावर नियुक्ती दिलेल्या व शासन निर्णयाच्या दिनांकापर्यंत नियुक्तीपासून २ वर्ष पूर्ण न झालेल्या उमेदवारांनाही सदर प्रमाणपत्र सादर करण्यासाठी उमेदवारांच्या नियुक्तीपासून २ वर्ष इतकी मुदत देण्यात येत आहे.

६ महिन्याच्या कालावधित सदर प्रमाणपत्र सादर न केल्याने ज्या उमेदवारांच्या लिपीक-टंकलेखक पदावरील सेवा समाप्त करण्यात आल्या आहेत त्यांनाही लिपीक-टंकलेखक पदावरील नियुक्तीच्या दिनांकापासून २ वर्षात सदर प्रमाणपत्र सादर करण्याची मुभा द्यावी. अशा उमेदवारांनी सदर प्रमाणपत्र सादर केल्यानंतर लिपीक-टंकलेखक पदावरील अनुपस्थित कालावधिचे कोणतेही वेतनविषयक लाभ न देता सेवा सातत्यासह लिपीक-टंकलेखक पदावर पुनःस्थापित करण्यात यावे. (शासन निर्णय, दि. २०.०५.२०१५)

(आ) कोणत्याही कारणास्तव दोन वर्षापेक्षा अधिक मुदतवाढ अनुज्ञेय असणार नाही. हा कालावधी संपताच नियुक्ती संपृष्टात आणावी. (शासन निर्णय, दि. २३/०८/१९९६)

(१४) अनुकंपा तत्वावर गट-क मधील लिपीक-टंकलेखक पदावर नियुक्ती मिळाल्यानंतर विहित मुदतीत टंकलेखन प्रमाणपत्र सादर न केल्यास अनुसरावयाची कार्यपध्दती:-

अनुकंपा तत्वावर गट-क मधील लिपीक-टंकलेखक पदावर नियुक्ती मिळाल्यानंतर टंकलेखनाची विहित वेगमर्यादेची परीक्षा पास होऊ शकले नाहीत म्हणून त्यांच्या सेवा संपृष्टात आणल्या आहेत, अशा उमेदवारांचा गट-ड मधील नियुक्तीसाठी पदांची उपलब्धता विचारात घेऊन नव्याने नियुक्ती देण्याबाबत विचार करण्यात यावा. मात्र अशा रीतीने गट-ड मधील पदावर नियुक्ती स्विकारल्यानंतर कुठल्याही परिस्थितीत गट-क मधील पदासाठी त्याचा विचार करता येणार नाही, ही बाब त्यांना नियुक्तीपूर्वी स्पष्ट करावी.

(शासन निर्णय, दि. ०८.०९.१९९७)

(१५) गट-क मधील लिपीक-टंकलेखक पदावर अनुकंपा नियुक्तीसाठी संगणक अर्हता प्रमाणपत्र सादर करणे :-

माहिती तंत्रज्ञान संचालनालय, महाराष्ट्र शासन यांच्याकडून शासन सेवेतील गट-क मधील (वाहन चालक वगळून) संबंधित पदाकरीता महाराष्ट्र नागरी सेवा (संगणक हाताळणी/व वापराबाबतचे ज्ञान आवश्यक ठरविण्याबाबत) नियम, १९९९ च्या नियम ३ अन्वये आवश्यक अर्हता म्हणून अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी उमेदवारांनी खालील 'अ' किंवा 'ब' प्रमाणे प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक राहिल.

अ) D.O.E.A.C.C. सोसायटीच्या अधिकृत 'C.C.C.' किंवा 'O' स्तर किंवा 'A' किंवा 'B' किंवा 'C' स्तर पैकी कोणतेही एक परीक्षा उत्तीर्ण झाल्याचे प्रमाणपत्र किंवा,

ब) महाराष्ट्र राज्य उच्च व तंत्र शिक्षण मंडळ, मुंबई यांच्याकडील अधिकृत MS-CIT परीक्षा उत्तीर्ण झाल्याचे प्रमाणपत्र

संगणक ज्ञानाची वरील किमान अर्हता अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीच्या वेळी धारण करित नसलेल्या उमेदवारांना सदर अर्हता गट-क मधील पदावर (वाहन चालक वगळून) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती झाल्याच्या दिनांकापासून दोन वर्षांच्या आत प्राप्त करणे आवश्यक राहिल. या दोन वर्षांच्या कालावधित संबंधितांनी विहित संगणक अर्हता प्राप्त केल्याचे प्रमाणपत्र नियुक्ती अधिका-यांना सादर

करावे, अन्यथा हा कालावधि संपताच उमेदवारांची अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती आपोआप संपृष्टात येईल, अशी स्पष्ट तरतूद उमेदवारांच्या नियुक्तीच्या आदेशात नियुक्ती प्राधिका-यांनी नमूद करावी. (शासन निर्णय, दि. २४.०९.२००१)

(१६) पद उपलब्धते अभावी गट-क मधील पदाऐवजी गट-ड मधील पदावर नियुक्ती देताना अनुसरावयाची कार्यपध्दती:-

गट-क मधील पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र असणा-या कर्मचा-याला पदाच्या उपलब्धतेअभावी गट-ड मधील पदांवर नियुक्ती दिल्यास पद उपलब्ध होताच गट-क मधील पदावर त्याला प्राधान्याने नियुक्ती देण्यात यावी. अशी नियुक्ती सरळसेवा नियुक्तीने भरण्यात येणा-या पदांवरील समजण्यात यावी. मात्र गट-ड मधील पदावर अनुकंपा योजनेन्वये नियुक्ती देण्याच्या आदेशात तसा स्पष्ट उल्लेख करण्यात यावा, तसे करण्यात आले तरच गट-क मधील पदावर नियुक्ती देता येईल. (शासन निर्णय, दि. २३.०८.१९९६)

(१७) अनुकंपा तत्वावर प्रतीक्षासूची ठेवण्याबाबतची कार्यवाही:-

(अ) अनुकंपा नियुक्तीसाठी जिल्हाधिकारी कार्यालय/सा.प्र.वि.१४-अ यांच्याकडील सामायिक प्रतीक्षासूचीबरोबरच संबंधित नियुक्ती प्राधिका-यांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्राकरिता गट-क व गट-ड करिता प्रतीक्षासूची ठेवण्याची दुहेरी प्रतीक्षासूचीची कार्यपध्दती अंमलात आणावी. (शासन निर्णय, २२.०८.२००५)

(आ) गट-क व गट-ड मधील पदांवरील नियुक्तीसाठी सक्षम नियुक्ती प्राधिकारी (कार्यालय किंवा विभाग प्रमुख इत्यादी) त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील उपलब्ध गट-क व गट-ड च्या रिक्त पदांवर पदांसाठी विहित अटी व शर्ती पूर्ण करणा-या उमेदवारांना त्यांच्याकडील प्रतीक्षासूचीतील क्रमानुसार नियुक्ती करू शकतील. मात्र उमेदवारांच्या नियुक्त्या केल्यानंतर त्या उमेदवारांची नावे जिल्हाधिकारी कार्यालयांकडील सामायिक प्रतीक्षासूचीतून वगळण्यासाठी संबंधित जिल्हाधिकारी कार्यालयांना लगेच कळवावीत. बृहन्मुंबईतील गट-क मधील नियुक्ती प्राधिकारी यांनी त्यांच्याकडील नियुक्त्यांबाबतची माहिती सा.प्र.वि./१४अ ला कळवावी. (शासन निर्णय, २२.०८.२००५ व शासन परिपत्रक दि. ५.२.२०१०)

(इ) अनुकंपाची प्रकरणे ज्या कार्यालयात/विभागात होतील त्या प्रकरणांच्या छाननीनंतर पात्र उमेदवारांची नावे संबंधित नियुक्ती अधिका-याकडील गट-क व गट-ड च्या प्रतीक्षासूचीत समाविष्ट करण्यात यावीत. त्याचप्रमाणे ज्या तारखेस अशी नावे कार्यालयाच्या प्रतीक्षासूचीवर घेण्यात येतील त्याच तारखेपासून त्यांची नावे संबंधित जिल्हाधिका-याकडील सामायिक प्रतीक्षासूचीत समाविष्ट करण्यासाठी जिल्हाधिका-यांकडे पाठवावीत. बृहन्मुंबईतील नियुक्ती प्राधिकारी यांनी त्यांच्याकडील गट-क च्या प्रतीक्षासूची/नियुक्त्यांबाबत सामान्य प्रशासन विभाग कार्यासन १४-अ यांना कळवावे. (शासन निर्णय, २२.०८.२००५)

- (ई) जिल्हाधिका-यांकडे/सामान्य प्रशासन विभागाकडे समन्वयाच्या कामासाठी ठेवलेल्या सामायिक प्रतीक्षासूचीत जिल्हातील विविध कार्यालयांकडून येणारी नवीन नावे मूळ कार्यालयांच्या प्रतीक्षासूचीत समाविष्ट केलेल्या दिनांकानुसार गट-क व गट-ड च्या सामायिक प्रतीक्षासूचीत समाविष्ट करावीत. (शासन निर्णय, २२.०८.२००५)
- (उ) ज्या कार्यालयात अनुकंपाधारक नियुक्तीच्या प्रतीक्षेत नाहीत, परंतु गट-क किंवा गट-ड मध्ये रिक्त पदे उपलब्ध आहेत. त्यांनी त्यांच्याकडे वर्षात रिक्त झालेल्या/होणा-या गट-क व गट-ड मधील पदांपैकी विहित केलेल्या ५ टक्के पदे (१० टक्के- शासन निर्णय दि. १.३.२०१४) अनुकंपा धारकांनी भरण्यासाठी जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडे मागणीपत्र पाठवावे. अशी मागणीपत्रे पाठविताना संबंधित कार्यालयाने त्यांच्याकडे संबंधित पदांवर नियुक्ती देण्यासाठी अनुकंपाधारक त्या कार्यालयास उपलब्ध नाहीत असे प्रमाणित करावे. (शासन निर्णय, २२.०८.२००५)
- (ऊ) सर्व जिल्हाधिकारी तसेच सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन-१४अ) यांनी प्रत्येक ६ महिन्यांनी जानेवारी आणि जुलै मध्ये त्यांच्याकडील सामायिक प्रतीक्षासूचीचा आढावा घेऊन दरम्यानच्या कालावधित नियुक्त्या मिळालेल्या उमेदवारांची नावे वगळून त्यांच्याकडील सामायिक प्रतीक्षासूची अद्ययावत करतील. यासाठी त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील सर्व कार्यालयातील प्रतीक्षासूच्यांचा आढावा घेऊन समन्वयाचे काम करतील. (शासन निर्णय, २२.०८.२००५)
- (ए) जिल्हाधिकारी कार्यालयांनी जिल्ह्यातील सर्व कार्यालयात उपलब्ध होणाऱ्या पदांवर नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांच्या मागणीनुसार सामायिक प्रतीक्षासूचीतील अनुकंपा धारकांची नियुक्तीसाठी शिफारस करावी. तसेच शिफारस प्राप्त झाल्यानंतर नियुक्ती करण्याची जबाबदारी संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्याची राहिल. (शासन परिपत्रक दि.०५.०२.२०१०)
- (ऐ) शासन निर्णय, दि. २२.०८.२००५ नुसार प्रतिवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या ५ टक्के (१० टक्के- शासन निर्णय दि. १.३.२०१४) पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरावयाची आहेत. नियुक्ती प्राधिका-यांकडे असलेल्या विभागाच्या/कार्यालयाच्या प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांसाठी अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी रिक्त जागा उपलब्ध असल्यास त्यानुसार नियुक्ती करावी. तसेच रिक्त पदांची माहिती वेळोवेळी संबंधित जिल्हाधिका-यांकडे सादर करावी.(शासन परिपत्रक दि.०५.०२.२०१०)
- (ओ) ज्या ठिकाणी विभागप्रमुख हा नियुक्ती प्राधिकारी असेल व त्याचे कार्यक्षेत्र एकापेक्षा अनेक जिल्हयांमध्ये असेल तर विभाग प्रमुखाने नियुक्ती प्राधिकारी या नात्याने त्याच्या अधिकार क्षेत्रातील जिल्हयातील कार्यालयांसाठी एकत्रित प्रतीक्षासूची ठेवावी. तसेच दिवंगत कर्मचारी ज्या जिल्हयातील कार्यालयामध्ये असेल त्या जिल्हयाच्या जिल्हाधिकाऱ्यांकडे सामाईक प्रतीक्षासूचीवर घेण्यास त्या दिवंगत कर्मचाऱ्याच्या वारसाचे नाव पाठविण्यात यावे.

उदा. एखाद्या प्रशासकीय विभागाचे नियंत्रणाखालील विभागप्रमुखाचे कार्यालय, अमरावती

येथे आहे. विभागप्रमुख हा गट क साठी नियुक्ती प्राधिकारी असून त्याचे अमरावती, अकोला, वाशिम, यवतमाळ, बुलढाणा या जिल्हयात कार्यक्षेत्र आहे. अशावेळी अनुकंपा नियुक्तीकरिता गट क साठी मूळ प्रतिक्षासूची नियुक्ती प्राधिकारी म्हणून अमरावती येथील विभाग प्रमुखांच्या कार्यालयात ठेवण्यात यावी व या प्रतीक्षासूचील सदर उमेदवारांची नावे सरसकट जिल्हाधिकारी अमरावती यांच्याकडे न पाठविता दिवंगत कर्मचारी हा ज्या जिल्हयातर्गत कार्यालयातील असेल त्या जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडे संबंधित उमेदवाराचे नाव त्याच्या सामायिक प्रतीक्षासूचीत दाखल करण्यासाठी पाठविण्यात यावे व अशा प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारास नियुक्ती दिल्यानंतर त्याचे नाव दोन्ही प्रतिक्षासूचीतून वगळण्यात यावे.

गट ड करीता नियुक्ती प्राधिकाऱ्याचे कार्यक्षेत्र एकापेक्षा अनेक जिल्हयात असल्यास वरीलप्रमाणेच कार्यपध्दती अनुसरण्यात यावी. (शासन परिपत्रक दि.०५.०२.२०१०)

(औ) सैनिक कल्याण विभाग, पुणे व सैनिकी सेवापूर्व शिक्षण संस्था, औरंगाबाद या कार्यालयातील पदे ही त्या पदांच्या सेवाप्रवेश नियमानुसार तसेच केंद्र शासनाच्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार केवळ माजी सैनिकांमधून भरण्याची तरतुद जाणीवपूर्वक करण्यात आली आहे. त्यामुळे दिवंगत शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयान्वये अस्तित्वात आलेल्या योजनेमध्ये सदर दोन्ही कार्यालयातील आस्थापनांचा अपवाद करण्यात या शासन निर्णयान्वये मंजुरी देण्यात येत आहे. त्या कार्यालयातील दिवंगत कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्ती देण्याची कार्यवाही दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयातील तरतुदीनुसार न करता, ही कार्यवाही यापूर्वी अस्तित्वात असलेल्या शासन निर्णयामधील (शासन निर्णय दि.१२ मार्च, १९९७) तरतुदीनुसार संबंधित जिल्हाधिकारी यांच्याकडूनच करण्यात यावी.

सैनिक कल्याण विभाग, पुणे व त्यांच्या अधिपत्याखालील जिल्हा सैनिक कल्याण कार्यालये तसेच सैनिकी सेवापूर्व शिक्षण संस्था, औरंगाबाद या कार्यालयातील गट-क व गट-ड मधील दिवंगत कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीबाबतचा अर्ज स्विकृत करणे, अर्जाची छाननी करणे व नियमांची पूर्तता होत असलेला अर्ज प्रतीक्षासूचीत समाविष्ट करण्याकरीता जिल्हाधिकारी कार्यालयास पाठविण्याबाबतची प्राथमिक कार्यवाही ही संबंधित कार्यालयांमार्फत करण्यात यावी. त्यानंतर सदर अर्जदाराचे नाव संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांनी त्यांच्याकडे ठेवण्यात आलेल्या सामायिक प्रतिक्षासूचीमध्ये योग्य ठिकाणी समाविष्ट करावे व या सामायिक प्रतीक्षासूचीनुसार ज्येष्ठतेने त्यांचा क्रम अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी आल्यास त्यांच्या जिल्हयातील कोणत्याही क्षेत्रीय कार्यालयात (अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी रिक्त पदे असल्यास) नियुक्ती देण्यासंदर्भातील कार्यवाही जिल्हाधिकारी कार्यालयामार्फतच करण्यात यावी. (शासन निर्णय दि.३१.३.२००८)

(१८) अनुकंपा नियुक्तीकरिता ठेवण्यात येणारी प्रतीक्षासूची वेबसाईटवर (संकेतस्थळावर) प्रसिध्द करण्याबाबत:-

सर्व जिल्हाधिकारी/नियुक्ती प्राधिकारी व सामान्य प्रशासन विभाग, का. १४अ, यांनी त्यांच्या कार्यालयातील अनुकंपा नियुक्तीसाठी प्रतीक्षासूचीवर (सामायिक/स्वतंत्र) असलेल्या उमेदवारांची नावे व इतर माहिती सोबत जोडलेल्या प्रपत्र 'ड' मधील नमून्यात कार्यालयाच्या वेबसाईटवर प्रसिध्द करावी व सदर माहिती ही प्रत्येक महिन्यास अद्ययावत करावी. (शासन परिपत्रक, दि. १५.०५.२०१०)

सर्व जिल्हाधिकारी व नियुक्ती प्राधिकारी व सामान्य प्रशासन विभाग, का. १४अ, यांनी प्रतीक्षासूचीतील उमेदवारांना महिन्याभरात अनुकंपा नियुक्ती दिलेल्या उमेदवारांची नावे व माहिती प्रत्येक महिन्याच्या अखेरीस कार्यालयाच्या वेबसाईटवर प्रसिध्द करावी व त्याची प्रत शासनास सामान्य प्रशासन विभाग, का. ८ कडे सादर करावी. (शासन परिपत्रक, दि. १५.०५.२०१०)

सर्व जिल्हाधिकारी व नियुक्ती प्राधिकारी व सामान्य प्रशासन विभाग, का. १४अ, यांनी अनुकंपा नियुक्तीबाबतची माहिती महिन्याच्या शेवटच्या दिवशी अद्यावत केली जाईल याची दक्षता घ्यावी. सर्व मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागांनी त्यांच्या अखत्यारातील मंत्रालय खुद्द व क्षेत्रीय नियुक्ती प्राधिका-यांकडून सदर सूचनांची अंमलबजावणी केली जाईल याची दक्षता घ्यावी. तसेच त्यांच्या अखत्यारातील नियुक्ती प्राधिका-यांच्या वेबसाईटचे पत्ते व दूरध्वनी क्रमांक कार्यासन क्र. ८, सामान्य प्रशासन विभाग यांच्याकडे पाठवावीत. (शासन परिपत्रक, दि. १५.०५.२०१०)

(१९) अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित पदांची मर्यादा:-

(अ) शासन निर्णय दि. २२.०८.२००५ अन्वये विहित करण्यात आलेल्या अनुकंपा नियुक्तीसाठी गट-क आणि गट-ड मध्ये प्रती वर्षी रिक्त होणा-या ५% मर्यादेमध्ये वाढ करून ती गट-क व गट-ड मधील प्रती वर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १०% इतकी करण्यात आली आहे. (शासन निर्णय, दि. ०१.०३.२०१४)

(आ) अनुकंपा तत्वावरील पदे सन २०१२ या भरती वर्षापासून गट-क आणि गट-ड मधील प्रती वर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १०% मर्यादेत भरण्याची कार्यवाही सर्व नियुक्ती प्राधिकारी यांनी तात्काळ करावी. (शासन पूरक पत्र, दि. ०२.०५.२०१४)

(इ) शासन निर्णय, दि. ०१.०३.२०१४ अन्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी प्रतीवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १०% ची असलेली मर्यादा दि. ०१.०३.२०१५ पासून पुढे २ वर्ष (दिनांक २८.०२.२०१७ पर्यंत) चालू होती.सदर १०% च्या मर्यादेस दि. ०१.०३.२०१७ पासून पुढे दोन वर्ष (दि. २८.०२.२०१९ पर्यंत) मुदतवाढ देण्यात आली आहे.

तथापि शासन निर्णय, वित्त विभाग दि. ०२.०६.२०१५ व दि. २३.०९.२०१५ अन्वये पदभरतीवर असलेले निर्बंध विचारात घेता, प्रस्तुत निर्बंध असेपर्यंत गट-क व गट-ड संवर्गातील एका वर्षात भरण्यास मान्यता असलेल्या रिक्त पदांच्या १०% पदे ही अनुकंपा नियुक्तीने भरण्यात यावीत. (शासन निर्णय, दि. २८.१०.२०१५ व दि. ०३.०५.२०१७)

(ई) निवासी आयुक्त, महाराष्ट्र सदन, नवी दिल्ली, ह्या कार्यालयात शासन सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या गट-क व गट-ड मधील कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत.

निवासी आयुक्त, महाराष्ट्र सदन, नवी दिल्ली हे कार्यालय नवी दिल्ली येथे असून त्या कार्यालयातील गट-क व गट-ड मधील एकूण पदांची ८९ ही संख्या लक्षात घेता त्या कार्यालयात प्रतिवर्षी १-२ पदेच रिक्त होतात. शासन निर्णय, दि.२२.८.२००५ नुसार अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेल्या ५% मर्यादेमुळे (१०% - शासन निर्णय दि. ०१.०३.२०१४) या कार्यालयात कधीच अनुकंपा नियुक्तीसाठी पद उपलब्ध होणार नाही व अनुकंपा नियुक्ती या कार्यालयात करणेही शक्य होणार नाही. ही बाब विचारात घेता निवासी आयुक्त, महाराष्ट्र सदन, नवी दिल्ली या आस्थापनेचा, अपवाद करून त्या कार्यालयातील दिवंगत कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्ती देण्याची कार्यवाही दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद १ (ओ) मध्ये विहित केलेली रिक्त पदांची ५% ची (१०% - शासन निर्णय दि. ०१.०३.२०१४) मर्यादा शिथिल करून त्या कार्यालयातच उपलब्ध होणाऱ्या गट-क किंवा गट-ड च्या पदावर निवासी आयुक्त यांचेकडूनच करण्यास या शासन निर्णयाद्वारे खास बाब म्हणून मान्यता देण्यात येत आहे. (शासन निर्णय, दि.६.११.२००८)

(उ) कार्यालयामध्ये रिक्त पदांची संख्या १० पेक्षा कमी असल्यास नियुक्ती प्राधिकारी यांनी अनुसरावयाची कार्यपध्दती:-

नियुक्ती प्राधिका-यांकडे त्याच्या नियंत्रणाखालील कार्यालयात गट-क व गट-ड मध्ये प्रतिवर्षी २० किंवा त्या पटीत किंवा त्यापेक्षा अधिक पदे रिक्त होत असतील, तर त्यांनी प्रचलित नियमाप्रमाणे ५% (१०% - शासन निर्णय, ०१.०३.२०१४) नुसार पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरावीत. मात्र ज्या नियुक्ती प्राधिका-यांकडे वर्षात १० पेक्षा कमी रिक्तपदे उपलब्ध होणार असतील, तर त्यांनी त्यावर्षी उपलब्ध होणा-या सदर रिक्त पदांची संख्या संबंधित जिल्हाधिका-यांना/बृहन्मुंबईच्या बाबतीत सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ) यांना कळवावी. तसेच रिक्त पदे उपलब्ध होणार नसल्यासही कळविण्याची कार्यवाही करावी. संबंधित जिल्हाधिका-यांनी त्यांच्या जिल्ह्यातील (गट-क व गट-ड) व सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ) यांनी (फक्त गट-क) बृहन्मुंबईतील अशा नियुक्ती प्राधिका-यांकडून प्राप्त झालेल्या रिक्त पदांची संख्या एकत्रित करून त्या एकूण रिक्त पदांच्या ५% (सध्या १०%, शासन निर्णय, ०१.०३.२०१४) पदांची परिगणना करून, त्यानुसार ती पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरण्यासाठी जिल्हाधिका-यांनी/ सामान्य प्रशासन विभागाने (कार्यासन १४-अ) त्यांच्याकडील सामायिक प्रतीक्षासूचीतील उमेदवारांच्या नावांची शिफारस जेष्ठतेनुसार नियुक्ती प्राधिका-यांना करण्याची कार्यवाही करावी. या नव्याने समाविष्ट केलेल्या तरतुदींचे पालन करण्याची जबाबदारी संबंधित जिल्हाधिका-यांची तसेच बृहन्मुंबईसाठी सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ) ची राहिल.

सदर तरतुदींची अंमलबजावणी करताना कॅलेंडर वर्षात (जानेवारी ते डिसेंबर) रिक्त झालेली पदे विचारात घ्यावीत व त्यानुसार सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ)/ जिल्हाधिकारी यांच्याकडून अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी विभाग/ कार्यालयात उपलब्ध असलेल्या पदांवर अनुकंपा नियुक्तीसाठीच्या उमेदवारांची शिफारस प्राप्त झाल्यावर सात दिवसांच्या आत नियुक्ती करण्याची जबाबदारी संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्याची राहिल. नियुक्ती केल्यानंतर तसे केल्याचे सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ)/ जिल्हाधिकारी यांना संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्याने विनाविलंब कळविणे बंधनकारक आहे.

त्याखेरीज बृहन्मुंबईतील गट-ड वर्गाच्या अनुकंपा नियुक्तीसाठी पद उपलब्ध नसेल तर अशा आस्थापनांच्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी अनुकंपा नियुक्ती योजनेखाली प्राप्त झालेली नावे वर नमुद केल्याप्रमाणे रिक्त पदांची माहिती जिल्हाधिकारी, मुंबई शहर, ओल्ड कस्टम हाऊस, मुंबई यांच्याकडे पाठवावीत. जिल्हाधिकारी, मुंबई शहर यांनी गट-ड करीता स्वतंत्र सामायिक प्रतीक्षासूची ठेऊन त्यामधून ज्येष्ठतेनुसार उमेदवारांच्या नावांची शिफारस ज्या ठिकाणी अनुकंपा नियुक्तीसाठी पद उपलब्ध आहे अशा आस्थापनांच्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना करावी. (शासन निर्णय, दि. ०१.०१.२००८)

(ऊ) अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी दिनांक २२.०८.२००५ पूर्वी प्रतीक्षासूचीत असलेल्या पात्र उमेदवारांना शासन सेवेत नियुक्ती देण्यासंदर्भात शासनाने खालीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे:-

१. शासकीय कार्यालयातील आस्थापनेवर गट-क व गट-ड मध्ये अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीकरिता तयार करण्यात आलेल्या प्रतीक्षासूचीमधील, दि.२२.८.२००५ पूर्वीच्या उमेदवारांना दि. २२.०८.२००५ च्या शासन निर्णयान्वये विहित केलेली रिक्त पदांच्या ५% ची मर्यादा (१०% - शासन निर्णय, ०१.०३.२०१४) लागू राहाणार नाही.
२. प्रतीक्षासूचीवर असलेल्या दि. २२.०८.२००५ पूर्वीच्या उमेदवारांना शासकीय कार्यालयात रिक्त असलेल्या/होणाऱ्या पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती, आदेशाच्या दिनांकापासून तीन वर्षात टप्प्याटप्प्याने देण्यात यावी. तीन वर्षात टप्प्या-टप्प्याने नियुक्ती करताना दि. २२.०८.२००५ पूर्वीच्या प्रतीक्षायादीतील उमेदवारांपैकी ५० % उमेदवारांची नियुक्ती पहिल्यावर्षी, २५% उमेदवारांची नियुक्ती दुसऱ्या वर्षी व उर्वरित २५% उमेदवारांची नियुक्ती तिसऱ्या वर्षी करण्यात यावी.
३. अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी उपरोक्त (अनुक्रमांक (ऊ) (१) व (२) मधील) आदेशाची अंमलबजावणी करताना दि. २२.०८.२००५ पूर्वीच्या उमेदवारांना तीन वर्षात टप्प्या-टप्प्याने नियुक्ती देण्याकरिता नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे तितकी पदे उपलब्ध नसल्यास, त्यांनी अशा उमेदवारांना, सामायिक प्रतीक्षासूचीतून अन्य कार्यालयात नियुक्ती देण्याची विनंती संबंधित जिल्हाधिकार्यांकडे करावी. बृहन्मुंबईतील गट-क च्या पदावरील नियुक्तीसंदर्भात अशी कार्यवाही बृहन्मुंबईतील नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी, सामान्य प्रशासन विभाग (का.क्र.१४-अ)

यांच्याकडे करावी व बृहन्मुंबईतील, गट ड च्या बाबतीत अशी कार्यवाही बृहन्मुंबईतील नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी जिल्हाधिकारी, मुंबई शहर यांच्याकडे करावी. जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभाग (का.१४-अ) यांना रिक्त पदावर अनुकंपा नियुक्तीकरिता शिफारस करणे शक्य व्हावे म्हणून सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील गट-क व गट-ड मधील रिक्त पदांची संख्या त्यांना कळवावी. ही प्रक्रिया संपूर्णपणे सुयोग्यरित्या पार पाडण्याची जबाबदारी संबंधित जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभाग, का.१४-अ यांची राहिल. त्यांनी ह्या संदर्भात वेळोवेळी आढावा घेऊन अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती योग्य रित्या होते, याची खात्री करावी. (शासन निर्णय, दि. २३.०४.२००८) (ए) दि. २२.०८.२००५ पूर्वी प्रतीक्षासूचीवर असलेल्या उमेदवारांपैकी ५०% उमेदवारांना पहिल्या वर्षी, २५% उमेदवारांना दुसऱ्या वर्षी व उर्वरीत २५% उमेदवारांना तिसऱ्या वर्षी शासन सेवेत अनुकंपा तत्वावर सामावून घ्यायचे आहे. ही कार्यवाही करताना प्रतीक्षासूची मध्ये उमेदवार आहेत, परंतु नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे नियुक्ती देण्यासाठी गट-क व गट-ड मध्ये सरळसेवेची पदे रिक्त नाहीत तसेच ज्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे रिक्त पदे आहेत, परंतु अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी दि २२.०८.२००५ पूर्वीचे उमेदवार प्रतीक्षासूचीवर नाहीत, अशी परिस्थिती केव्हा केव्हा उदभवते. परिणामी अशा वेळी अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देणे शक्य होत नाही. त्याचप्रमाणे जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडून सामायिक प्रतीक्षासूचीतून अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी जिल्ह्यांतील अन्य कार्यालयांकडे शिफारशी केल्यानंतरही त्या उमेदवारांना संबंधित कार्यालयात पद रिक्त असूनही नियुक्ती दिली जात नाही, असे काही जिल्हाधिकार्यांनी शासनाच्या निदर्शनास आणले आहे. अनुकंपा नियुक्ती संदर्भात शासनाने जो धोरणात्मक निर्णय दि.२३.४.२००८ च्या आदेशान्वये घेतला आहे, त्याची काटेकोर अंमलबजावणी करणे बंधनकारक असल्याने ज्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे/ज्यांच्या नियंत्रणाखालील कार्यालयामध्ये गट-क व गट-ड ची सरळसेवेची पदे रिक्त आहेत, त्यांनी जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडून अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी प्राप्त झालेल्या शिफारशीच्या अनुषंगाने विहित अटी व शर्ती पूर्ण करणाऱ्या व पूर्ण कागदपत्रे असणाऱ्या उमेदवारांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याची कार्यवाही विनाविलंब पूर्ण करावी. त्याचप्रमाणे या आदेशांची प्रभावीपणे अंमलबजावणी करण्याकरिता नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्यांच्या नियंत्रणाखालील कार्यालयांमध्ये सरळसेवेच्या गट-क व गट-ड च्या रिक्त पदांची माहिती संबंधित जिल्हाधिकार्यांना न चुकता वेळोवेळी कळवावी. तसेच, सरळसेवेने गट-क व गट-ड ची रिक्त पदे भरण्यासंदर्भात जाहिरात देण्यापूर्वी दि.१.१.२००८ व दि.२३.४.२००८ च्या शासन निर्णयाची अंमलबजावणी करण्याकरिता अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यात आल्याची खात्री करून उर्वरीत पदांकरिता जाहिरात देण्यापूर्वी संबंधित जिल्हाधिकारी यांची संमती मिळवणे आवश्यक राहिल.

जाहिरातीसाठी संमती मिळविण्याचा प्रस्ताव जिल्हाधिकाऱ्यांकडे पाठविताना नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्याच्या अखत्यारीतील कोणत्या जिल्ह्यात कोणत्या संवर्गाची किती पदे रिक्त आहेत याची माहिती त्या त्या जिल्हाधिकाऱ्यांना कळविणे आवश्यक राहिल. जाहिरात देण्याकरीता प्रस्ताव जिल्हाधिकाऱ्यांकडे प्राप्त झाल्यावर दि. २२.०८.२००५, दि.१.१.२००८ व दि.२३.४.२००८ च्या शासन निर्णयातील तरतुदींची पूर्तता करण्यासाठी आवश्यक असलेल्या उमेदवारांना अनुकंपा नियुक्तीकरीता त्यांच्या जिल्ह्यात रिक्त असलेली पदे भरण्याकरीता जिल्हाधिकारी शिफारस करतील व अशा शिफारशीनुसार अनुकंपा नियुक्ती देणे संबंधित विभाग प्रमुख/कार्यालय प्रमुखांना बंधनकारक राहिल. अनुकंपा नियुक्ती करिता जिल्हाधिकाऱ्यांच्या शिफारशीनुसार नियुक्ती केल्यानंतर/दिल्यानंतर जी रिक्त पदे उरतील ती पदे जाहिरातीद्वारे विहित मार्गाने व विहित कार्यपध्दतीने भरण्यासाठी, जिल्हाधिकारी संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना परवानगी/ ना हरकत प्रमाणपत्र देतील. (शासन परिपत्रक, ०५.०२.२०१०)

(२०) मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित ठेवलेल्या पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देताना करावयाच्या कार्यवाहीबाबत:-

अनुकंपा नियुक्ती देण्यासाठी वर्षभरात रिक्त होणाऱ्या पदांच्या ५ % (१०% - शासन निर्णय, ०१.०३.२०१४) पदे अनुज्ञेय असून, शासनाच्या दि. १३.०६.२००३ च्या शासन निर्णयान्वये अनुकंपा नियुक्ती करतांना मागासवर्ग/अमागासवर्ग अशा भेदाभेद न करता प्रतीक्षासूचीवरील ज्येष्ठतेनुसार नियुक्ती देण्याचे निदेश देण्यात आले आहेत. सामान्य प्रशासन विभागाच्या दि. २३.०४.२००८ च्या शासन निर्णयान्वये दि. २२.०८.२००५ पूर्वीच्या प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांना अनुकंपा नियुक्ती देण्यासाठी ५% (१०% - शासन निर्णय, ०१.०३.२०१४) अट नसल्याने, रिक्त पदांची माहिती पाठविणाऱ्या कार्यालयास, जिल्हाधिकाऱ्यांकडून प्रतीक्षासूचीवर उमेदवार उपलब्ध असल्यास रिक्त पदांइतक्याच उमेदवारांची शिफारस केली जाते. नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडून उपलब्ध सर्व रिक्त पदांची संख्या कळविली जात असल्याने त्यामध्ये काही पदे मागासवर्गीय प्रवर्गासाठी आरक्षित असण्याची शक्यता असते व अशा पदांसाठी जिल्हाधिकाऱ्यांकडून खुल्या प्रवर्गातील उमेदवारांची शिफारस केली गेल्यास नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांपुढे आरक्षित पदांवर खुल्या प्रवर्गातील उमेदवारांची नियुक्ती करणे नियमानुकूल होईल किंवा कसे, असा प्रश्न उद्भवत असल्याचे शासनाच्या निदर्शनास आले आहे. यासंदर्भात महाराष्ट्र राज्य लोकसेवा {अनुसूचित-जाती/अनुसूचित जमाती, निरधिसूचित जमाती (विमुक्त जाती), भटक्या जमाती, विशेष मागास प्रवर्ग आणि इतर मागासवर्गीयांसाठी आरक्षण अधिनियम, २००१ मधील कलम ४(१) मध्ये “अनुसूचित जाती/अनुसूचित जमाती, निरधिसूचित जमाती (विमुक्त जाती), भटक्या जमाती, विशेष मागास प्रवर्ग आणि इतर मागासवर्ग यांच्यासाठी राखून ठेवलेल्या जागा अशा जातीतील, जमातीतील, प्रवर्गातील किंवा वर्गातील नसलेल्या उमेदवारांद्वारे भरण्यात येणार नाहीत” अशी स्पष्ट तरतूद करण्यात आली आहे.

त्यामुळे वरील अधिनियमातील तरतूद तसेच अनुकंपा नियुक्ती देताना ती प्रतीक्षासूचीवरील जेष्ठताक्रमानुसारच देण्याची प्रचलित कार्यपध्दती इ. सर्व बाबींचा साकल्याने विचार करून आता अनुकंपा नियुक्तीसाठी असलेल्या प्रतीक्षासूचीवरील अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी उमेदवारांची शिफारस करताना जिल्हाधिकाऱ्यांनी तसेच नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी खालीलप्रमाणे कार्यवाही करावी, असे सूचित करण्यात येत आहे :-

- अ) मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित असलेल्या पदावर खुल्या प्रवर्गाच्या उमेदवाराची नियुक्ती करता येत नसल्याने, जिल्हाधिकाऱ्यांनी त्यांच्या अधिकार क्षेत्रातील नियुक्ती प्राधिकाऱ्याकडून रिक्त पदांची माहिती घेताना प्रत्येक रिक्त पद कोणत्या प्रवर्गासाठी आरक्षित आहे/अनारक्षित आहे याचीही माहिती घ्यावी. तदनंतर संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांनी/शिफारस करणाऱ्या सक्षम प्राधिकाऱ्यांनी अशा पदावर अनुकंपा उमेदवारांची शिफारस करतांना मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित असलेल्या रिक्त पदावर खुल्या प्रवर्गाच्या उमेदवाराची शिफारस केली जाणार नाही, याची दक्षता घ्यावी व असे आरक्षित पद आरक्षित प्रवर्गाचा उमेदवार उपलब्ध होईपर्यंत रिक्त ठेवावे.
- ब) प्रतीक्षासूचीत कनिष्ठ क्रमांकावर मागास प्रवर्गाचा उमेदवार असला तरी त्यास जेष्ठता क्रम डावलून खुल्या प्रवर्गाच्या जेष्ठ उमेदवारांना नियुक्ती देण्यापूर्वी आरक्षित पदावर नियुक्ती देता येणार नाही. खुल्या प्रवर्गाच्या उमेदवारांना नियुक्ती दिल्यानंतर जेव्हा आरक्षित प्रवर्गाच्या उमेदवाराचा प्रतीक्षासूचीतील जेष्ठतेनुसार नियुक्तीसाठी क्रम येईल तेव्हाच त्याची नियुक्ती आरक्षित पदावर करणे आवश्यक आहे. तथापि, मागासवर्गीय उमेदवारास प्रतीक्षासूचीवरील जेष्ठताक्रमानुसार अनुकंपा नियुक्ती देण्याच्यावेळी त्या उमेदवारांच्या मागासवर्ग प्रवर्गाचे पद उपलब्ध नसले तरी त्यांना खुल्या प्रवर्गाच्या उपलब्ध पदावर नियुक्ती देण्यात यावी.
- क) सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्यांच्या आस्थापनेवरील रिक्त पदांची माहिती जिल्हाधिकाऱ्यांना कळविताना त्यामधील आरक्षित पदे किती आहेत व ती कोणत्या प्रवर्गासाठी आरक्षित आहेत, याचा स्पष्ट उल्लेख करावा. त्याचप्रमाणे जिल्हाधिकाऱ्यांकडे त्यांच्या प्रतीक्षासूचीवर दाखल करण्यासाठी अनुकंपा उमेदवारांची नावे पाठविताना त्यांचा प्रवर्ग न चुकता नमूद करावा. (शासन परिपत्रक दि. १३.१०.२०१०)
- (२१) अनुकंपा तत्वावरील प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवाराचे निधन झाल्यास त्याऐवजी कुटुंबातील अन्य पात्र वारसदाराचा समावेश अनुकंपा नियुक्तीच्या प्रतीक्षासूचीत करणे:-

कर्मचा-याच्या मृत्यूनंतर त्याच्या पात्र कुटुंबियांचे नांव अनुकंपाधारकांच्या प्रतीक्षासूचीमध्ये घेतल्यानंतर त्याच्याऐवजी अन्य पात्र वारसदाराचे नाव प्रतीक्षासूचीमध्ये घेतले जात नाही. म्हणजेच प्रतीक्षासूचीमधील नाव बदलण्याची तरतूद सध्याच्या धोरणात नाही. परंतु प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवाराचेच निधन झाल्यास प्रतीक्षासूचीतील उमेदवाराऐवजी त्याच्या कुटुंबातील अन्य पात्र वारसदाराचे नाव अनुकंपाधारकांच्या प्रतीक्षासूचीमध्ये मूळ उमेदवाराच्या प्रतीक्षासूचीतील दिनांकाला

घेतले जाईल. मात्र नव्या उमेदवाराचे वय सदर दिनांकाला १८ वर्षापेक्षा जास्त असावे. जर नव्या उमेदवाराचे वय मूळ उमेदवाराच्या प्रतीक्षासूचीतील दिनांकास १८ वर्षापेक्षा कमी असेल तर, नव्या उमेदवाराचे नाव त्याला ज्या दिवशी १८ वर्ष पूर्ण होतील त्या दिनांकास घेण्यात यावे. (शासन निर्णय दि. २०.०५.२०१५)

(२२) दि. २६.११.२००८ ते दि. २९.११.२००८ या कालावधित मुंबई येथे आतंकवाद्यांच्या हल्ल्यांत शहीद झालेल्या पोलीस सेवेतील व्यक्तींच्या कुटुंबियांपैकी एकास गट-ब किंवा गट-अ मधील पदावर खास बाब म्हणून शासन सेवेत सामावून घेण्याबाबत:-

(अ) प्रचलित अनुकंपा नियुक्ती योजनेतील अटी व शर्ती तसेच पात्रतेचे निकष शिथिल करून एक खास बाब म्हणून दि. २६.११.२००८ ते २९.११.२००८ या कालावधित शहीद झालेल्या पोलीस अधिकारी/कर्मचा-यांच्या पात्र कुटुंबियांपैकी एकाच व्यक्तीस त्यांची शैक्षणिक पात्रता विचारात घेऊन गट-क व गट-ड प्रमाणेच शासन सेवेतील गट-ब किंवा गट-अ मधील सरळसेवेच्या कोट्यातील प्रथम टप्प्यावरील पदांवर नियुक्ती देण्यास शासन मान्यता देत आहे. प्रचलित अनुकंपा योजनेतील अटी व शर्ती शिथिल करून वरील पोलीस कर्मचा-यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यास दिलेली मान्यता ही तत्कालीन विशिष्ट परिस्थितीचे गांभीर्य लक्षात घेवून देण्यात आली आहे. त्यामुळे या प्रकरणी घेतलेला निर्णय पूर्वोदाहरण म्हणून धरता येणार नाही. (शासन निर्णय, दि. २०.०९.२००९)

(आ) अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती संदर्भातील इतर तरतूदी कायम राहतील. त्यामुळे शहीद झालेल्या अधिकारी/कर्मचा-यांच्या कुटुंबातील पात्र व्यक्ती सज्जान असल्यास त्यांनी पोलीस अधिकारी/कर्मचारी शहीद झाल्याच्या दिनांकापासून एका वर्षात अर्ज करणे आवश्यक राहिल. तसेच त्यांच्या पात्र कुटुंबियांपैकी कोणीही व्यक्ती सज्जान नसल्यास त्या कुटुंबियांमधील पात्र व्यक्तीने सज्जान झाल्यानंतर एका वर्षाच्या आत अर्ज करणे आवश्यक राहिल. तथापि पात्र कुटुंबियांतील ज्यांना गट-ब किंवा गट-अ पदावरील नियुक्तीकरिता अर्ज करावयाचा आहे, त्यांच्याबाबतीत अर्ज करण्यासाठी वयोमर्यादा २५ वर्षापर्यंत राहिल. (शासन निर्णय, दि. २०.०९.२००९ व दि. १३.११.२००९)

प्रस्तुत प्रकरणी अनुकंपातत्वावर प्राधान्याने नियुक्ती द्यावयाची असल्याने शासन निर्णय दि. २२ ऑगस्ट, २००५ मधील तरतूदीनुसार नियुक्ती करीता रिक्त होणाऱ्या पदांच्या ५% ची मर्यादा या प्रकरणी शिथिल करण्यात येत आहे. त्यामुळे अनुकंपा नियुक्तीसाठी अर्ज प्राप्त झाल्यानंतर विहित सर्व बाबींची पूर्तता झाल्यानंतर संबंधितांना प्राधान्याने नियुक्ती देण्यात यावी. तथापि, आयोगाच्या कक्षेतील गट-ब किंवा गट-अ पदावर नियुक्ती देण्यापूर्वी अशा प्रकरणी महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाची पूर्वमान्यता घेणे आवश्यक राहिल. अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासंदर्भातील संपूर्ण कार्यवाहीवर म्हणजेच अर्ज स्वीकृतीपासून ते नियुक्ती देईपर्यंतच्या कार्यवाहीवर नियंत्रण गृह विभागाचे राहिल. (शासन निर्णय दि. २०.०९.२००९)

(२३) सामान्य प्रशासन विभागाच्या अधिकार क्षेत्रातील अनुकंपा नियुक्ती योजनेशी संबंधित कोणताही धोरणात्मक निर्णय प्रशासकीय विभागांनी परस्पर न घेण्याबाबत:-

शासन सेवेत कार्यरत असताना दिवंगत झालेल्या गट-क व गट-ड मधील शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या पाल्यास त्यांच्या शैक्षणिक अर्हतेनुसार गट-क अथवा गट-ड पदावर अनुकंपा नियुक्ती देण्याची योजना व त्या योजनेत वेळोवेळी आवश्यक ते बदल करण्यासाठी धोरणात्मक निर्णय घेणे ही बाब सामान्य प्रशासन विभागाच्या अधिकार कक्षेतील आहे. या योजनेतील प्रचलित तरतूदीपेक्षा वेगळा अथवा त्या तरतूदींना अपवाद करणारा असा कोणताही निर्णय प्रशासकीय विभागांनी स्वतंत्रपणे घेणे अपेक्षित नाही. तथापि दि.२६ नोव्हेंबर, २००८ रोजी झालेल्या अतिरेकी हल्ल्यात शहीद झालेल्या पोलीस अधिकारी/कर्मचाऱ्यांचे वारसांना अनुकंपा नियुक्तीचा विशेष लाभ देण्याचा निर्णय घेताना त्याचप्रमाणे नक्षलवादी क्षेत्रात कार्यरत असतांना नक्षलवाद्यांच्या हल्ल्यात शहीद झालेल्या पोलीस अधिकारी/कर्मचाऱ्यांच्या वारसांना अनुकंपा नियुक्ती विषयक विशेष लाभ देण्याचा निर्णय घेताना महसूल व वन विभागाने व गृह विभागाने सामान्य प्रशासन विभागाशी सल्लामसलत न करता अथवा प्रस्ताव या विभागास न दाखविता परस्पर मंत्रिमंडळापुढे प्रस्ताव सादर करून स्वतंत्रपणे निर्णय घेतल्याचे आढळून आले आहे व अशात-हेने प्रशासकीय विभागांनी परस्पर प्रस्ताव सादर केल्यामुळे प्रस्तावाची सर्वांगीण बाजू मंत्रिमंडळासमोर/शासनासमोर विभागांकडून मांडली जात नाही ही वस्तुस्थिती आहे.

वस्तुतः कोणतीही नियुक्ती ही सेवाविषयक बाब असल्याने, अनुकंपा नियुक्तीसंदर्भात निर्णय घेताना सर्वकष विचार होणे आवश्यक असते व त्यासाठी सेवाविषयक नियम/तरतूदी, वेळोवेळी पारित झालेले न्याय निर्णय तसेच घेतलेल्या निर्णयाचा राज्य स्तरावरील सर्व सेवांवर होणारा परिणाम विचारात घेऊन निर्णय घ्यावा लागतो.

वर नमूद केल्यानुसार प्रशासकीय विभागांनी सामान्य प्रशासन विभागाशी सल्ला मसलत न करताच परस्पर शासनास प्रस्ताव सादर करताना वरील कोणत्याही बाबींचा विचार केलेला दिसून येत नाही. तसेच त्यामुळे प्रचलित कार्यपध्दतीचा व संकेतांचा भंग होऊन संबंधीत प्रशासकीय विभागाकडून त्यांचे कार्यकक्षांचे उल्लंघन होत आहे ही बाबही त्या विभागांनी विचारात घेतलेली नाही. त्यामुळे विहित कार्यपध्दती अनुसरून व सामान्य प्रशासन विभागाशी सल्ला मसलत न करता परस्पर घेतल्या गेलेल्या निर्णयामुळे त्यामध्ये काही त्रुटी राहून भविष्यात न्यायालयीन प्रकरणे उद्भवून त्यामुळे शासनाची अडचणीची परिस्थिती निर्माण होऊ शकते.

वरील सर्व परिस्थिती विचारात घेऊन, सर्व प्रशासकीय विभागांना असे निदेश देण्यात येत आहेत की, सामान्य प्रशासन विभागाच्या कार्यकक्षेतील “अनुकंपा नियुक्ती” या विषयाशी संबंधीत कोणताही प्रस्ताव मंत्रिमंडळापुढे आणण्यापूर्वी तो सामान्य प्रशासन विभागाला दाखविणे व अशा कोणत्याही प्रस्तावामध्ये सामान्य प्रशासन विभागाच्या अभिप्रायांचा समावेश मंत्रिमंडळ टिप्पणीमध्ये

करणे सर्व प्रशासकीय विभागांना याद्वारे बंधनकारक करण्यात येत आहे.(शासन परिपत्रक, दि. ०५.०३.२०११)

(२४) अनुकंपा नियुक्ती हा कर्मचाऱ्याच्या कुटुंबाचा “वारसा हक्क” नाही-

मा. सर्वोच्च न्यायालयाने दिलेल्या विविध निर्णयानुसार अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती हा कर्मचाऱ्याच्या कुटुंबाचा “वारसा हक्क” होत नाही. तसेच विशिष्ट कालावधी उलटून गेल्यावर अनुकंपा नियुक्ती अनुज्ञेय राहत नाही. (शासन निर्णय, दि. २२.०८.२००५)

(२५) अनुकंपा नियुक्तीबाबतच्या अटी व शर्ती शिथिल करण्याबाबत:-

शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४ अन्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी दिवंगत शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या विधवांना केवळ गट-ड मधील पदावर नियुक्ती करावयाची असल्यास शैक्षणिक अर्हता शिथिल करण्याबाबतची तरतुद आहे. याव्यतिरिक्त अन्य कोणतीही अट शिथिल करण्यास शासन सक्षम नाही असा स्पष्ट उल्लेख शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४ मध्ये करण्यात आला आहे.

अनुकंपा नियुक्तीबाबतच्या तरतुदी सुस्पष्ट असताना देखील ब-याच विभागांकडून कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्तीकरिता अटी शिथिल करण्याकरिता सातत्याने प्रस्ताव प्राप्त होत असतात. अटी व शर्ती शिथिल करण्याचे अधिकार शासनाला नसताना देखील अशा स्वरूपाचे प्रस्ताव विचारात घेण्यामुळे शासनाच्या आदेशांचे उल्लंघन होते आणि अनुकंपाच्या अटी शिथिलक्षम आहेत असा गैरसमज पसरतो. परंतु या अटी व शर्ती शिथिलक्षम नसल्याने ही सर्व प्रकरणे सामान्य प्रशासन विभागात अमान्य केली जातात. यास्तव नियमांना धरून नसलेली प्रकरणे/ शासन सक्षम नसलेली प्रकरणे विभागांनी सामान्य प्रशासन विभागाकडे सादर करून नयेत. केवळ गट-ड मधील नियुक्तीसाठी कर्मचाऱ्यांच्या विधवांना शैक्षणिक अर्हतेत जी शिथिलता दिली जाते ती वगळता अन्य कोणत्याही अटी व शर्ती शिथिल करण्याचे प्रस्ताव विभागांनी विचारात घेऊ नयेत.

अनुकंपा नियुक्तीबाबतचे प्रस्ताव विभाग/कार्यालयास प्राप्त झाल्यानंतर त्यांची संपूर्ण शहानिशा संबंधित कार्यालयांनी करून जर अटी व शर्तीची पूर्तता होत असेल तरच ते प्रस्ताव विचारात घ्यावेत अन्यथा ते प्रस्ताव त्यांच्या स्तरावर उचित उत्तर देऊन निकालात काढावेत. त्याकरीता प्रस्ताव सामान्य प्रशासन विभाग/शासनास सादर करण्याची आवश्यकता नाही. सर्व नियुक्ती अधिकारी/विभाग/कार्यालयांनी या सूचनांचे काटेकोरपणे पालन करावे.

(शासन परिपत्रक, दि. २९.१०.२००३)

(२६) अटी शिथिल करण्याचे अधिकार-

उपरोक्त अनुक्रमांक ३. (१२) (इ) मध्ये नमूद केलेल्या अटी व्यतिरिक्त कोणत्याही अटी शिथिल करण्याची शक्ती शासनाकडे राहणार नाही.

परिशिष्ट 'ब'

(शासन निर्णय क्रमांक : अकंपा १२१७/प्र.क्र.१०२/आठ, दिनांक २१ सप्टेंबर, २०१७.)

शासकीय सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या शासकीय कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नेमणूक देतेवेळी भरावयाचे प्रपत्र. (शासन निर्णय, दि. २६.१०.१९९४)

भाग-१

१. (अ) दिवंगत अधिकारी/कर्मचा-याचे नांव:-
(ब) कर्मचा-याचे पदनाम:-
(क) जन्म दिनांक:-
(ड) मृत्यूचा दिनांक/कायमस्वरूपी जायबंदी झाल्याचा दिनांक:-
(इ) नियत वयोमानानुसार सेवानिवृत्तीचा दिनांक:-
२. (अ) ज्या व्यक्तीस नियुक्ती द्यावयाची आहे त्या व्यक्तीचे नांव:-
(ब) त्याचे/तिचे कर्मचा-याशी नाते:-
(क) जन्म दिनांक:-
(ड) शैक्षणिक अर्हता:-
(इ) कुटुंबियांपैकी दुस-या कोणा कुटुंबियाला अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती दिली आहे काय ?:-
३. स्थावर मालमत्तेच्या उत्पन्नासह पुढील योजनांनुसार मिळालेली एकूण रक्कम:-
(अ) कुटुंब निवृत्तीवेतन-
(ब) स्थावर मालमत्तेपासूनचे वा इतर मासिक उत्पन्न-
(क) मृत्यू-नि-सेवानिवृत्ती उपदान-
(ड) भविष्यनिर्वाह निधीतील बचत-
(इ) ठेव संलग्न विमा योजना-
(फ) गट विमा योजना-
(ग) आयुर्विम्याची रक्कम-

एकूण रक्कम-

४. शासकीय कर्मचा-याच्या कुटुंबातील सर्व व्यक्तींचा तपशील (त्यापैकी कोणी नोकरी/व्यवसाय करीत असल्यास त्याचे मासिक उत्पन याबाबतची माहिती)

| अ.क्र. | नांव | शासकीय कर्मचा-याशी नाते व वय | नोकरी /व्यवसाय करीत असल्यास त्याचे मासिक उत्पन्न |
|--------|------|---------------------------------|--|
| (१) | (२) | (३) | (४) |
| १ | | | |
| २ | | | |
| ३ | | | |
| ४ | | | |

प्रतिज्ञापत्र

मी याद्वारे असे घोषित करतो/करते की, वर नमूद केलेल्या बाबी माझ्या समजुतीप्रमाणे ख-या आहेत. वरील बाबींपैकी एक बाब जरी भविष्यात खोटी किंवा चुकीची आढळली तर माझी नियुक्ती समाप्त करण्यात यावी.

दिनांक-

उमेदवाराची सही.

श्री./श्रीमती हे माझ्या परिचयाचे असून त्यांनी नमूद केलेल्या बाबी ख-या आहेत.

दिनांक:-

स्थायी शासकीय कर्मचा-याची सही व पत्ता

भाग-२

- १ (अ) ज्याला नियुक्ती द्यावयाची आहे त्या उमेदवाराचे नांव:-
 - (ब) त्याचे/तिचे शासकीय अधिकारी/कर्मचा-याशी नाते:-
 - (क) शैक्षणिक अर्हता, वय (जन्मतारीख), अनुभव (काही असल्यास):-
 - (ड) ज्या पदावर नियुक्ती द्यावयाची आहे ते पद व कार्यालयाचे नांव:-
२. उमेदवाराने अर्ज केल्याचा दिनांक:-
३. विभाग प्रमुख/विभागाची शिफारस:-
४. उमेदवाराचे प्रकरण सादर करण्यास उशीर झाला असल्यास त्यांचा खुलासा:-

मी उमेदवाराने नमूद केलेल्या भाग-१ मधील बाबी तपासल्या आहेत.

दिनांक-
ठिकाण-

आस्थापना अधिका-यांची सही,
नांव व पत्ता

परिशिष्ट - 'क'

(शासन निर्णय क्रमांक : अकंपा १२१७/प्र.क्र.१०२/आठ, दिनांक २१ सप्टेंबर, २०१७.)

(शासन निर्णय, क्र.अकंपा-१०९६/प्र.क्र.६७/९६/आठ, दि. २०.१२.१९९६ अन्वये निवड मंडळाच्या कक्षेतील रु. १२००/- व त्याहून अधिक वेतनश्रेणी असलेले संवर्ग कार्यकारी पदे) (वेतनश्रेणी- ५ व्या वेतन आयोगानुसार)

| | |
|-------------------------------|---------------|
| १. वरिष्ठ लिपीक | रु. १२००-२०४० |
| २. वरिष्ठ सहायक | रु. १४००-२३०० |
| ३.अल्पबचत अधिकारी | रु. १६४०-२००० |
| ४. वरिष्ठ समाजकल्याण निरीक्षक | रु. १६४०-२९०० |
| ५. रचना सहायक | रु. १४००-२३०० |
| ६. कनिष्ठ अभियंता | रु. १६४०-२९०० |
| ७. सांख्यिकी सहायक | रु. १२००-२००० |
| ८. दुय्यम निबंधक | रु. १२००-२०४० |
| ९. लेखापाल | रु. १६४०-२९०० |
| १०. सहकार अधिकारी | रु. १६४०-२९०० |
| ११. विस्तार अधिकारी(कृषि) | रु. १६००-२६६० |
| १२.लेखा परिक्षक | रु. १६४०-२९०० |
| १३. विस्तार अधिकारी (पंचायत) | रु. १४००-२३०० |
| १४. विस्तार अधिकारी (शिक्षण) | रु. १६४०-२९०० |

परिशिष्ट - 'ड'

(शासन निर्णय, क्र. अकंपा-१२१७/प्र.क्र.१०२/आठ, दि. २१ सप्टेंबर, २०१७)

अनुकंपा नियुक्तीसाठी जिल्हाधिकारी/सा.प्र.वि.-१४-अ आणि नियुक्ती प्राधिकारी यांनी ठेवावयाच्या
प्रतीक्षासूचीचा नमूना

(शासन परिपत्रक, दि. १५.०५.२०१०)

| अ.क्र. | प्रतीक्षासूची मधील उमेदवाराचे नाव व पत्ता | उमेदवाराशी संबंधित मूळ कार्यालयाचा पत्ता | प्रतीक्षासूची मधील क्रमांक | प्रतीक्षासूची मध्ये नाव दाखल झाल्याचा दिनांक | जन्मतारीख | शैक्षणिक अर्हता | मागासवर्गीय प्रवर्गाचे नावखुला/ नावखुला/ | नियुक्तीसाठी शिफारस केल्याचा दिनांक व क्रमांक | नियुक्तीसाठी शिफारस कोणत्या कार्यालयात केली |
|--------|--|---|----------------------------------|--|-----------|--------------------|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
| | | | | | | | | | |

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक अकंपा. १०९३/२३३५/प्र.क्र. ९०/९३/आठ,
मंळाठम, मुंबई ४०० ०३२, दिनांक २६ ऑक्टोबर १९९४

- याबाबत--(१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अकंपा. १०८४/१८०/सीआर-१५५/तिरा-अ, दिनांक ८ मार्च १९८५.
- (२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अकंपा. १०८८/९९२/प्र.क्र. १९९/आठ, दिनांक ६ ऑक्टोबर १९८९.
- (३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अकंपा. १०९०/६०५/प्र.क्र. ९०/आठ, दिनांक २८ जून १९९१.
- (४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अकंपा. १०९१/१६३१/प्र.क्र. ५०/९१/आठ, दिनांक ६ ऑक्टोबर १९९३.

शासन निर्णय

शासकीय सेवेत असताना बेपत्ता, दिवंगत झालेल्या किंवा क्षय/कॉरेम इत्यादी गंभीर आजारांमुळे मुदतपूर्व सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांस नेमणूक देण्यासंबंधीची अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीची योजना शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक एसआरएन. १०७६/१२, दिनांक २३ एप्रिल १९७६ अन्वये कार्यान्विता करण्यात आली व त्यात वेळोवेळी आवश्यकतेनुसार बदल करण्यात आले. अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसंबंधाने केले जातानाचे धोरण व विविध म्हायत्कीय/म्यायाधिकरणाने घागंभावात देण्यात आलेले निर्णय व या योजनेच्या अंमलबजावणीसंबंधाने आलेल्या प्रशासकीय अडथळी लक्षात घेऊन या योजनेचा पुनर्दिनांक करण्याचा निर्णय घेण्यात आला. त्यानुसार यापूर्वी अनुकंपा योजनेसंबंधी निर्णमित करण्यात झालेल्या सर्व आदेशांचे अधिकतम कऊन ही योजना सुधारित या आदेशाच्या दिनांकापासून अमलात आणण्यात यावी.

२. या योजनेचे नियम हे सोबतच्या परिशिष्टानुसार असतील.

३. मूल कुटुंबियांच्या व्यक्तींनी कराबयाचा अर्ज व तत्संबंधीची माहिती परिशिष्ट "ब" नुसार असेल.

४. सुधारित योजना अंमलात आल्यामुळे उगा प्रकरणी यापूर्वीच निर्णय देण्यात आले आहे, अशी प्रकरणे पुनर्दिनांकाचे वेळीच वेळू नयेत. मात्र १ जानेवारी १९८९ नंतर ज्यांचे निधन झाले आहे अशा कर्मचाऱ्यांचे कुटुंबीय, जर त्यांनी अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीसाठी यापूर्वी विहित मुदतीत अर्ज केले असतील व त्यांची विनंती त्यावेळच्या अधिकाऱ्यांसारखी राहिली असता अनुकंपा तत्वावर आली असले तर असे कुटुंबीय सुधारित योजनेच्या आधारे पूर्वीच्या अर्जाचा संदर्भ घेऊन मध्याने अर्ज देऊ शकतील. मात्र कार्यालयाने/विभागाने अशा प्रकरणी केरलपासणी करणे अभिप्रेत नाही.

५. हे आदेश वित्त विभागाच्या अनौपचारिक संदर्भ क्रमांक अनीस. ४३७/९४/सिवा-४, दिनांक २७ सप्टेंबर १९९४ अन्वये निर्णमित करण्यात येत आहेत.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

कांता भास्कर,
प्रधान सचिव (सेवा),
महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई ४०० ०३२.

मुख्य मंत्री यांचे सचिव.

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव.

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहायक.

*प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई.

*प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई.

*प्रबंधक, लोकन्यायशाखा व उच्च लोकन्यायशाखा यांचे कार्यालय, मुंबई.

*सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (१० जादा प्रतीसह).

*सचिव, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय, मुंबई.

*सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई.

महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व हक्कदारी), मुंबई.

महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा परीक्षा), मुंबई.

महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व हक्कदारी), नागपूर.

महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा परीक्षा), नागपूर.

अधिवान व लेखा अधिकारी, मुंबई.

निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.

मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखा), कोकण भवन, नवी मुंबई.

सर्व विभागीय आयुक्त.

सर्व जिल्हाधिकारी.

सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी.

सामान्य प्रशासन विभाग/कार्यासन-८.

सामान्य प्रशासन विभाग/कार्यासन १२ व १४-अ.

सर्व मंत्रालयीन विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग धरून).

निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख.

* पत्राने.

परिसिद्ध "अ"

शासन नियम, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंवा. १०९१/२११५/प्र. क्र. १०/११/आठ
दिनांक २९ ऑक्टोबर १९९४.

अनुकंपा कारणास्तव शासकीय सेवेत भोकरी वैध्याभाबतची मुधारित नियमावली

१. महाराष्ट्र राज्य शासनाच्या सर्व कार्यालयात अनुकंपा कारणास्तव करावयाच्या, नेमणुकांना हे नियम लागू राहतील.
२. आतील प्रकारांमध्ये मोडणाऱ्या शासकीय कर्मचाऱ्यांचे (रूपांतरित स्थायी व अस्थायी आस्थापनेवरील कर्मचारी वरून)
- ३ (अ) येथील मातेवाईक या नियमानुसार अनुकंपा कारणास्तव शासकीय सेवेत नेमणुकीसाठी पात्र असतील :-
 - (अ) शासकीय सेवेत असताना दिवंगत झालेले कर्मचारी,
 - (ब) सत्य, नर्करोग इत्यादी रोगीर आजारामुळे, सलग वैद्यकीय अधिकाऱ्यांच्या प्रमाणपत्रानुसार अकाली निवृत्त झालेले अधिकारी/कर्मचारी,
 - (क) मानसिक किंवा शारीरिक विकलांगता आल्याने, सलग वैद्यकीय अधिकाऱ्यांने पुढील सेवेसाठी अक्षम ठरविल्याने, अकाली निवृत्त करण्यात आलेले किंवा वरील कारणास्तव सेवेतून काढून टाकण्यात आलेले कर्मचारी,
 - (ड) शासकीय सेवेत कर्तव्य बजावत असताना अपघाताने अपंग झालेले परंतु महाराष्ट्र नागरी सेवा (निवृत्तिवेतन) नियम, १९८२ मधील नियम ७२ (३) अनुसार पदाची पद वेळ कळत नाही ते न स्वीकारता सेवानिवृत्ती स्वीकारणारे कर्मचारी.
३. (अ) दिवंगत/अकाली निवृत्त शासकीय कर्मचाऱ्यांची पत्नी/पत्नी, मुलगा किंवा अविवाहित मुलगी अथवा मातृपूर्यी/अकाली सेवानिवृत्ती पूर्वी कायदेशीर रीत्या बराच वेतलेला/वेतलेली मुलगा/अविवाहित मुलगी ही नियमानुसार नेमणुकास पात्र भविष्यार्थक मानण्यात येतील. याशिवाय अर्थ कुटुंबाची मातेवाईकास या योजनेचा फायदा मिळणार नाही.
 - (ब) सार नेमणूक शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या फक्त एकाच मातेवाईकास देता येईल.
४. (अ) अनुकंपा तत्वावर संबंधित नातलग्याची शैक्षणिक पात्रता व वयानुसार राज्य शासनांतर्गत कोणत्याही अट "क" व अट "ड" येथील सरळ सेवा प्रवेशाने भरल्या जाणाऱ्या पदावर नियुक्ती करता येईल. ह्या नियमानुसार नियुक्ती मिळण्यासाठी महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाच्या स्पर्धा परीक्षेत बसण्याची आवश्यकता नाही. तसेच वरील नियमानुसार सार पदावर नेमणूक करण्यासाठी महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाच्या सरळ सेवांची आवश्यकता नाही. मात्र, लोकसेवा आयोगाच्या कनिष्ठ पोलीस उप निरीक्षक, विशेष निरीक्षक, मोटार वाहन उप निरीक्षक, रेंज वन अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता, सहायक वैद्यकीय अधिकारी इत्यादी अट "क" मधील कर्मचारी (एक्झिझिटिव्ह) पदावर तसेच मंत्रालयातील सहायक पदावर नियुक्ती देता येणार नाही.
 - (ब) संबंधित पदासाठी विहित शैक्षणिक पात्रता आणि निम्न वयोमर्यादा याबाबतच्या अटी या नेमणुकांसाठी कट्टामाने पाळण्यात येतील. परंतु उच्च वयोमर्यादेची अट राहणार नाही.
 - (क) तपासि, दिवंगत/अकाली निवृत्त कर्मचाऱ्यांची पत्नी शैक्षणिक पात्रतेव्यतिरिक्त इतर अटी पूर्ण करित असल्यास तिच्या बाबतीत अट "क" मध्ये नेमणुकीसाठी शैक्षणिक पात्रतेची अट शिथिल करता येईल.
५. (अ) अनुकंपा कारणास्तव नेमणुकीसाठीचा अर्ज शासकीय कर्मचारी दिवंगत/अकाली निवृत्त झालेल्या दिवसापासून ५ वर्षांचे मुदतीत करणे आवश्यक असेल.
 - (ब) दिवंगत/अकाली निवृत्त कर्मचारी ज्या कार्यालयात काम करित होता, त्या कार्यालयातील संबंधित नियुक्ती प्राधिकारी या नियमानुसार नेमणूक देण्यास सक्षम राहिल. त्यासाठी त्याने निव्वळ समितीचा सल्ला घेणे आवश्यक नाही. मात्र, मातेवाईकाने सार प्राधिकार्यांकडे उपरनिर्दिष्ट मुदतीत नेमणुकीसाठी अर्ज करणे आवश्यक राहिल.
६. (अ) संबंधित कार्यालयात आवश्यक पद उपलब्ध नसेल तर कार्यालय प्रमुखाने त्या जिल्हातील/विभागातील इतर कार्यालयाच्या नियुक्ती प्राधिकार्यांकडे संपर्क साधावा व ज्या कार्यालयात आवश्यक पद उपलब्ध असेल त्या कार्यालयामध्ये नियुक्तीसाठी विचार करावा.
 - (ब) जे कार्यालय प्रमुख/विभाग प्रमुख त्यांच्या कार्यालयात/विभागात उपलब्ध असलेल्या पदाची माहिती या माहितीची विचारणा करणाऱ्या कार्यालय प्रमुखास/विभाग प्रमुखास देणार नाहीत, अशा कार्यालय प्रमुख/विभाग प्रमुखाविषय शिस्तभंगाची कारवाई करण्यात येईल.
 - (क) सर्व कार्यालय प्रमुखांनी/विभाग प्रमुखांनी त्यांच्या कार्यालयात/विभागात अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती करता आलेल्या एकूण अर्जांची संख्या प्रत्येकास नियुक्ती देण्यात आलेल्या उमेदवारांनी संख्या, तसेच अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीकरिता संबंधित कार्यालयात/विभागात नियुक्ती केलेल्या प्रतिष्ठा यादीवर असलेल्या उमेदवारांची माहिती होयतच्या "क" विवरणामुळे संबंधित प्रशासकीय विभागांकडे धर ६ महिन्यांनी पाठविणे बंधनकारक राहिल. या नियमानुसार असा ३१ डिसेंबर १९९३ ची स्थिती दर्शविणाऱ्या सहामाही अहवाल १५ जानेवारी १९९५ पर्यंत पाठवावा.
७. (अ) अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीकरिता मासिक उत्पन्नाची तसेच टोक रकमेची मर्यादा घाबुडे राहणार नाही.
 - (ब) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देताना असे प्रस्ताव शासन सेवेतील रोजगारावर असलेली मर्यादा, या योजनेच्या मागील भूमिका लक्षात घेऊन जो कर्मचारी मृत झाला त्याच्या कुटुंबियांना तात्काळ उच्चकक्षाच्या आर्थिक योजनेच्या अहवालाने तिथारत घ्यावेत.

एखाद्या कुटुंबात मृत कर्मचाऱ्याचा नातेवाईक पूर्वापार सेवेत असेल, तथापि तो त्याच्या कुटुंबातील अन्य सदस्यांना आहार देत नसेल तर अशा प्रकरणात त्या कुटुंबाची आर्थिक परिस्थिती हलाखीची आहे किंवा कसे हे ठरविताना नियुक्ती अधिकाऱ्याने अत्याधिक दक्षता घ्यावी, जेणेकरून सेवेत असलेला सदस्य कुटुंबाचा जबरजिबाद करित नाही या नावाखाली अनुदाना तत्वावधील नियुक्तीचा सुव्यवहार केला जाणार नाही.

या संदर्भात नियुक्ती अधिकाऱ्याने मिळणाऱ्या निवृत्तिवेतनाची रक्कम, कुटुंबातील व्यक्तींची संख्या, त्याची आत्मभत्ता, बायल, रंभीर भाजारातून किंवा अपघातातून मृत झाला असल्यास त्यासाठी करण्यात आलेला वैयक्तिक खर्च, कुटुंबातील मिळवल्या व्यक्ती इत्यादी बाबी विचारात घेणे अपेक्षित आहे.

८. उपरोक्त ४(क) व्यतिरिक्त कोणत्याही अटी विधिल करण्याची सक्ती नासनाफळे राहणार नाही.

परिसिद्ध " ब "

शासकीय सेवेत असताना विभागत झालेल्या/वेद्यकीय कारणास्तव मुदतपूर्व सेवानिवृत्त झालेल्या शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तरबावर नेमणूक हेतूनेची तरबावयाचे प्रपत्र

भाग-१

१. (अ) विभाग/वेद्यकीय कारणास्तव/वैद्यकीय सेवानिवृत्त कर्मचाऱ्याचे नाव
(ब) कर्मचाऱ्याचे पत्तण
(क) जन्म दिनांक
(ड) मृत्यूचा/वेद्यकीय कारणासाठी अफाळी सेवानिवृत्तीचा दिनांक
(इ) निवृत्त वकीमानानुसार सेवानिवृत्तीचा दिनांक
२. (अ) ज्या व्यक्तीस नियुक्ती घाबयाची आहे त्या व्यक्तीचे नाव
(ब) त्याचे/तिचे कर्मचाऱ्याची नाते
(क) जन्म दिनांक
(ड) शैक्षणिक अर्हता
(इ) कुटुंबियांपैकी कुसऱ्या योगा कुटुंबियाला अनुकंपा तरबावर नियुक्ती दिली आहे काय ?
३. स्थावर मासमसेच्या उत्पासासह पुढील योजनांनुसार निवृत्तीची एकूण रक्कम—
(अ) कुटुंब नियुक्तिसवेतम
(ब) स्थावर मासमसेपासुमचे वा इतर मासिक उत्पन्न
(क) मृत्यू-नि-सेवानिवृत्ती उपदान
(ड) गवियनिर्वाह निधीतील बचत
(इ) टैव संलग्न विमा योजना
(फ) गट विमा योजना
(ग) सामुहिकरुधी रक्कम
एकूण रक्कम
४. शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबातील सर्व व्यक्तींचा संपत्तीक (स्थावकी कौणी नोकरी/व्यवसाय करीत असल्यास त्यांचे मासिक उत्पन्न याबाबतची माहिती).

| अनुक्रमांक (१) | नाव (२) | शासकीय कर्मचाऱ्यांची नाते व मय (३) | नोकरी/व्यवसाय करीत असल्यास त्यांचे मासिक उत्पन्न (४) |
|-------------------|------------|--|--|
| १ | | | |
| २ | | | |
| ३ | | | |
| ४ | | | |
| ५ | | | |
| ६ | | | |

प्रतिज्ञापत्र

मी याद्वारे असे घोषित करतो/करते की, वर नमूद केलेल्या बाबी माझ्या समजूतीप्रमाणे सच्चा आहेत. वरील बाबींची एक बाब जर अविश्वस्त होती किंवा चुकीची आढळली तर माझी नियुक्ती समाप्त करण्यात यावी.

दिनांक : उभेवयाची सही.

श्री./श्रीमती हे माझ्या परिचयाचे असून त्यांनी नमूद केलेल्या

बाबी सच्चा आहेत. दिनांक : स्थावकी शासकीय कर्मचाऱ्याची सही, नाव व पत्ता.

नाम-१

१. (अ) ज्याला नियुक्ती घाबरावी आहे त्या उमेदवाराचे नाव
 - (ब) त्याचे/तिचे नालकीय क्रमांकाच्याची नावे
 - (क) शैक्षणिक अर्हता, वय (अल्पतारीख), अनुभव (काही असल्यास)
 - (ख) ज्या पदावर नियुक्ती घाबरावी आहे ते पद व कार्यालयाचे नाव
२. उमेदवाराचे अर्ज केव्याचा विनांक
 ३. विनांक प्रमुख/विभागाची विषयवस्त
 ४. उमेदवाराचे प्रकरण सादर करण्यास उशीर झाला असल्यास त्याचा खुलासा
- ही उमेदवाराचे नमुद केलेल्या नाम-१ मधीक बाबी तपासल्या आहेत

दिनांक :

भास्यापना अधिकाऱ्याची लही,
नाम व पत्ता

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, कसंबा अक्षांश. १०१२/२३२५/प्र.क. ९०/९३/८, विलांक २६ ऑक्टोबर १९९४ मध्ये प्रशासकीय विभागांना सादर करावयाचा सहभागी तपशील

विभाग/कार्यालयाचे नाव

| अनुक्रमांक | वर्गीकृत सहभागीत प्रत्येक प्रसक्त्या अर्जांची संख्या | नवीन अर्जांची संख्या | एकूण (२+३) | नियुक्ती दिवेच्या अर्जांची संख्या | नियुक्ती नाकारलेल्या अर्जांची संख्या | एकूण प्रत्येकित | क्षेत्र |
|------------|--|----------------------|------------|-----------------------------------|--------------------------------------|-----------------|---------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) |

महाराष्ट्र शासन,

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन निर्णय, क्रमांक: अकंपा-1095/प्र.क्र.34-अ/आठ,
मंत्रालय, मुंबई-400 032, दिनांक 23 ऑगस्ट, 1996.

- वाच :** - (1) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-1092/1597/प्र.क्र.44/आठ, दिनांक 16 ऑक्टोबर, 1993.
- (2) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-1092/2335/प्र.क्र.90/93/आठ, दिनांक 26 ऑक्टोबर, 1994.

शासन निर्णय

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-1093/2335/प्र.क्र.90/93/आठ, दि. 26 ऑक्टोबर, 1994 च्या शासन निर्णयानुसार अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीची सुधारित योजना कार्यान्वित केली आहे. या योजनेमध्ये काही बदल करण्याबाबत विविध विभागांकडून आग्रह धरण्यात येत होता. त्यावर, साकड्याने विचार करून सदर योजनेमध्ये पुढीलप्रमाणे बदल करण्यात येत आहेत :-

2. उपरोक्त शासन निर्णयातील परिशिष्ट 'अ' मधील -

- (अ) नियम 2 (ब) नुसार वट 'क'/'ड' मधील कर्मचा-यांच्या बाबतीत, त्यांच्या वयस अनुक्रमे किमान 55 वर्षे / 57 वर्षे पूर्ण होण्यापूर्वी वैद्यकीय कारणास्तव सेवानिवृत्ति घ्यावी लागलेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांसच या योजनेअंतर्गत लाभसाठी पात्र समजण्यात यावे.
- (ब) नियम 3 (अ) नुसार अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र नातेवाईकांमध्ये पुढील नातेवाईकांचा समावेश करण्यात यावा.
- (1) मृत शासकीय कर्मचा-याचा/वैद्यकीय कारणास्तव सेवानिवृत्त होणा-या शासकीय कर्मचा-याचा मुलगा हयात नसेल व त्याच्या कुटुंबातील पात्र नातेवाईकांव्यतिरिक्त अन्य कोणीही अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र नसेल तर त्याची सून.
- (2) केवळ अविवाहीत शासकीय कर्मचा-यांच्या बाबतीत त्यांच्यावर सर्वस्वी अवलंबून असणारा भाऊ किंवा अविवाहीत बहीण.

उपरोक्त योजनेअंतर्गत नियुक्ती देण्यापूर्वी संबंधितांकडून कुटुंबातील अन्य व्यक्तींचा सांभाळ करण्याबाबत प्रतिज्ञापत्र घेण्यात यावे.

3. ज्या शासकीय कर्मचा-यांना वैयक्तिक कायदानुसार एकापेक्षा जास्त लग्न करण्यास प्रतिबंध नसेल अशा कर्मचा-यांच्या एकापेक्षा जास्त पत्नी हयात असल्यास, ज्या पत्नीला किंवा तिच्या मुलाला/अविवाहीत मुलीला अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती द्यायची आहे त्या व्यतिरिक्त अन्य पत्नीचे ना-हरकत प्रमाणपत्र घेणे आवश्यक आहे.

4. गट 'क' मधील पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र असणा-या कर्मचा-याला पदाच्या उपलब्धते अभावी गट 'ड' मधील पदांवर नियुक्ती दिल्यास पद उपलब्ध होताच गट 'क' मधील पदांवर त्याला प्राधान्याने नियुक्ती देण्यात यावी. अशी नियुक्ती सरळसेवा नियुक्तीने भरण्यात येणा-या पदांवरील समजण्यात यावी. मात्र गट 'ड' मधील पदांवर अनुकंपा योजनेअन्वये नियुक्ती देण्याच्या आदेशात तसा स्पष्ट उल्लेख करण्यात यावा, तसे करण्यात आले असेल तरच गट 'क' मधील पदांवर नियुक्ती देता येईल.

5. अनुकंपा तत्वावर लिपिक-टंकलेखाक पदांवर नियुक्ती देण्यात आलेल्या उमेदवारांना टंकलेखानाचे विहित वेगवेगळ्या वेळी शासकीय वाणिज्य प्रमाणपत्र प्राप्त करून घेण्यास 2 वर्षांची मुदत, पुढील अटींच्या अधिनस्त देण्यात यावी.

- (अ) विहित कालावधीत हे प्रमाणपत्र सादर न केल्यास नियुक्ती संपुष्टात आणण्यात येईल, अशी अट नियुक्ती आदेशातच नमूद करण्यात यावी.
- (ब) दिनांक 16 ऑक्टोबर, 1993 नंतर नियुक्त करण्यात आलेल्या कर्मचा-यांनाच ही सवलत अनुज्ञेय राहिल.
- (क) दिनांक 16 ऑक्टोबर, 1993 च्या आदेशानुसार ज्या लिपिक-टंकलेखाकांच्या नियुक्त्या 11 महिन्यांत विहित टंकलेखान प्रमाणपत्र सादर न केल्याने संपुष्टात आणल्या गेल्या आहेत, त्यांनी आवश्यक प्रमाणपत्र प्राप्त केले असल्यास त्यांना पुनःनियुक्ती देण्यात यावी.
- (ड) दिनांक 16 ऑक्टोबर, 1993 नंतर ज्या लिपिक-टंकलेखाकांनी टंकलेखानाचे प्रमाणपत्र 11 महिन्यांत प्राप्त केलेले नाही, तथापि, त्यांच्या नियुक्त्या पुढे चालू ठेवण्यात आलेल्या आहेत अशा कर्मचा-यांनी टंकलेखानाचे विहित वेगवेगळ्या वेळी शासकीय वाणिज्य प्रमाणपत्र नियुक्तीच्या दिनांकापासून 2 वर्षांत प्राप्त करणे आवश्यक आहे. ज्यांच्या बाबतीत हा कालावधी यापूर्वीच संपुष्टात आला आहे त्यांच्या सेवा समाप्त करण्यात याव्यात.
- (इ) कोणत्याही कारणास्तव दोन वर्षांपेक्षा अधिक मुदतवाढ अनुज्ञेय असणार नाही. हा कालावधी संपताच नियुक्ती संपुष्टात आणायची.

6. मृत/विद्यकीय कारणास्तव अकाली सेवानिवृत्त होणा-या शासकीय कर्मचा-यांच्या नसलेल्या काला अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीच्या योजनेची माहिती देण्याची जबाबदारी संबंधीत आस्थापना अधिका-यांची राहिल. आस्थापना अधिका-याने अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीच्या योजनेची माहिती शासकीय कर्मचा-यांच्या मृत्यूनंतर 15 दिवसांनंतर किंवा कुटुंब निवृत्तिवेतनाची कामदपत्रे पाठविताना शासकीय कर्मचा-यांच्या कुटुंबियांना त्वरित उपलब्ध करून द्यावी. (सोबत नमुना माहितीसाठी).

7. यापूर्वीची प्रकरणे पूर्वीच्या नियमानुसार निकालात काढण्यात आली आहेत अशा प्रकरणांची पुनःतपासणी या आदेशानुसार करण्याची आवश्यकता नाही. तथापि, प्रलंबित प्रकरणे निकालात काढताना उपरोक्त तरतुदी विचारात घेऊन कार्यवाही करण्यात यावी.

गहाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

य. मा. जोशी,

उप सचिव, गहाराष्ट्र शासन.

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई-400 032,

मुख्य मंत्री यांचे सचिव,

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव,
सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहायक,

- * प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
- * प्रबंधक, अपील शाखा उच्च न्यायालय, मुंबई,
- * प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
- * सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (10 जादा प्रतीसह),
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई,
महालेखापाल, महाराष्ट्र-1 (लेखा व हक्कदारी), मुंबई,
महालेखापाल, महाराष्ट्र-1 (लेखा परीक्षा), मुंबई,
महालेखापाल, महाराष्ट्र-2 (लेखा व हक्कदारी), नागपूर,
महालेखापाल, महाराष्ट्र-2 (लेखा परीक्षा), नागपूर,
अभिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त, ..
सर्व जिल्हाधिकारी,
सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
सामान्य प्रशासन विभाग/कार्यासन 12, 13-अ व 14-अ,
सर्व मंत्रालयीन विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग धरून),
नियंत्रणरत्ना मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख. 45

अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्तीच्या योजनेची वैशिष्ट्ये

1. उद्देश :- मृत शासकीय/विद्यकीय कारणास्तव अकाली सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचा-याच्या कुटुंबियांना त्वरित आर्थिक आधार मिळणे.
2. पात्र नातेवाईक :-
 - (अ) पती/पत्नी, मुलगा, अविवाहित मुलगी.
 - (ब) अविवाहित शासकीय कर्मचा-यांच्या बाबतीत सर्वस्वी अवलंबून असणारा अविवाहित भाऊ अथवा बहीण.
 - (क) मृत शासकीय कर्मचा-याचा मुलगा ह्यात नसेल तर त्याची सून.
3. अर्ज करण्याची गुदत :- मृत्युच्या/अकाली सेवानिवृत्तीच्या दिनांकापासून 5 वर्षे.
4. शैक्षणिक अर्हता :-
 - (अ) त्या-त्या पदाच्या सेवाप्रवेश नियमानुसार तथापि विद्यवेच्या बाबतीत गट 'ड' मधील नियुक्तीकरीता शिक्षितक्षम.
 - (ब) लिपिक-टंकलेखक पदावरील नियुक्तीकरीता टंकलेखनाचे प्रमाणपत्र प्राप्त करून घेण्यास 2-वर्षांची सवलत.
5. अर्ज :- शक्यतो विहित प्रपत्रात करणे.

शासकीय सेवेत असताना दिवंग/अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वा निधुक्ती देण्याबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय क्र. : अकंपा-१०२५/प्र. क्र. ३४-अ/आठ,
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२,
दिनांक : ११ सप्टेंबर, १९९६

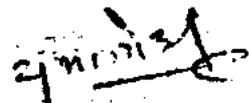
- वाचा : १] शासन निर्णय, सा. प्र. वि. क्रमांक अकंपा-१०२३/२३३५/प्र. क्र. २०/२३/आठ, दिनांक २६. १०. १९९४
- २] शासन निर्णय, सा. प्र. वि. क्रमांक अकंपा-१०२५/प्र. क्र. ३४-अ/आठ, दिनांक २३. ८. १९९६

शासन निर्णय
=====

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अकंपा-१०२३/२३३५/प्र. क्र. २०/२३/आठ, दिनांक २६. १०. १९९४ नुसार अनुकंपा तत्वावर निधुक्तीची सुधारित योजना कार्यान्वित करण्यात आली आहे. या शासन निर्णयासोबत, परिशिष्ट "अ" मधील नियम ५-अ उालो पुढील परंतुक समाविष्ट करण्यात यावे.

" सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या किंवा दुर्घट व्याधोमुळे अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या कुटुंबातील अज्ञान वारसदारांच्या बाबतीत एकाने स्थान मंडळी, १८ वर्गाचा झाल्यावर एक वर्गाच्या आत या योजनेउालो नोकरोंसाठी अर्ज करावा." हे आदेश १ मार्च, १९९६ पासून अमलात येतील.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,


[य. मा. जोशी]
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन.

राज्य

राज्यपालांचे सचिव, राजमघन, मलबार डिम, मुंबई ४०० ०३२,

मुख्यमंत्री यांचे सचिव

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वोय सहाय्यक

- * प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई
- * प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
- * प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
- * सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, मुंबई, . . . मुंबई
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई [१० जादा प्रतिसह]
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई,

महालेखापाल, महाराष्ट्र - १ [लेखा व डकदारो], मुंबई,

महालेखापाल, महाराष्ट्र - १ [लेखा परोक्षा], मुंबई

महालेखापाल, महाराष्ट्र - २ [लेखा व डकदारो], नागपूर

महालेखापाल, महाराष्ट्र - २ [लेखा परोक्षा], नागपूर,

अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,

निवासी लेखा परोक्षा अधिकारी, मुंबई,

मुख्य लेखा परोक्षक [निवासी लेखे], कोकण भवन, नवी मुंबई,

सर्व विभागीय आयुक्त

सर्व जिल्हाधिकारी

सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी

सामान्य प्रशासन विभाग / कार्यासन क्र. ८

सामान्य प्रशासन विभाग कार्यासन क्र. १२ व १४-अ

सर्व मंत्रालयाने विभाग [सामान्य प्रशासन विभाग धरून],

निरनिराळ्या मंत्रालयाने विभागाच्या निष्केणाडालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख.

शासकीय सेवेत असतांना दिवंगत झालेल्या किंदा
वैधकीय कारणास्तव सेवानिवृत्त झालेल्या शासकीय
कर्मचा-यांच्या नातेवाईकास अनुकंपा तत्वावर
नियुक्ती देण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक अकंपा-१०२६/प्र. क्र. ६७/२६/आठ,
मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२,
दिनांक: २० डिसेंबर, १९९६.

- वाचा :-
- १] शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-१०२३/२३३५/
प्र. क्र. १०/९३, /आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४.
 - २] शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-१०२५/प्र. क्र. ३४-अ
आठ, दिनांक २३ ऑक्टोबर, १९९६.
 - ३] शासन शुध्दीपत्र, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-१०२५/
प्र. क्र. ३४-अ/आठ, दिनांक १९ सप्टेंबर, १९९६
 - ४] शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-१०२५/
प्र. क्र. ३४-अ/आठ, दिनांक २४ सप्टेंबर, १९९६.

शासन निर्णय

अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती संदर्भात ह्या काही निर्बंध असल्यामुळे
उमेदवारांच्या शैक्षणिक पात्रतेनुसार त्यांना कार्यकारी पदावर नियुक्त्या देण्यांत
अडचणी उद्भवत असल्याचे शासनाच्या निदर्शनास आले आहे. यासंबंधी सुस्पष्ट
आंतर काळपणाचा प्रस्ताव काही काळ शासनाच्या विचाराधीन होता. याबाबत
सर्वोच्च विचार करून शासन असे आदेश देत आहे की, लोकसेवा आयोगाच्या
कोटेशन परीक्षेज अन्य गट "क" मधील कार्यकारी पदांवर अनुकंपा तत्वावर
नियुक्ती देण्यात यावी. [उदाहरणदाखल काही पदांची यादी सोबत
जोडली आहे.] मात्र अशी नियुक्ती ही त्या पदांसाठी सेवा प्रदेश नियमानुसार
सरळ सेवा भरतीची तरतूद आहे अशाच पदांवर देण्यांत यावी.

२. वरील आदेश, आदेशाच्या दिनांकापासून अंमलात येतील. तथापि यापूर्वी
गट "क" मधील कार्यकारी पदांवर या योजनेंतर्गत काही नियुक्त्या केल्या असल्यास

त्या बाधित होणार नाहीत.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

Handwritten signature

[य. मा. जोशी]

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

*
*
*
*
*
*
*

राज्यपालाचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई-४०० ०३२.

मुख्यमंत्री यांचे सचिव

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहाय्यक

प्रबंधक, मूळ न्यायशाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई

प्रबंधक, अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई

प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई

सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई [१० जादा प्रतीसह]

सचिव, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय, मुंबई

सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद, सचिवालय, मुंबई.

महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ [लेखा व हक्कदारी], मुंबई,

महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ [लेखा परीक्षा], मुंबई,

महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ [लेखा व हक्कदारी], नागपूर,

महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ [लेखा परीक्षा], नागपूर,

अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,

मुख्य लेखा परीक्षक [निवासी लेखे], कोकण भवन, नवी मुंबई,

सर्व विभागीय आयुक्त,

सर्व जिल्हाधिकारी

सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

सामान्य प्रशासन विभाग / कार्यासन क्र. ८,

सामान्य प्रशासन विभाग / कार्यासन क्र. १२ व १४-अ,

सर्व मंत्रालयीन विभाग [सामान्य प्रशासन विभाग धरून]

निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागाच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख.

पत्राने.

निवड मंडळाच्या कक्षतील रु. १२००/- व त्याहून अधिक वेतनप्रेणी असलेले
संवर्ग [कार्यकारी पदे]

| | |
|-------------------------------|-----------------|
| १] वरिष्ठ लिपिक | रु. १२०० - २०४० |
| २] वरिष्ठ सहाय्यक | रु. १४०० - २३०० |
| ३] अल्पवयस अधिकारी | रु. १६४० - २७०० |
| ४] वरिष्ठ समाजकल्याण निरिक्षक | रु. १६४० - २२०० |
| ५] रचना सहाय्यक | रु. १४०० - २३०० |
| ६] कनिष्ठ अभियंता | रु. १६४० - २२०० |
| ७] सांख्यिकी सहाय्यक | रु. १२०० - २००० |
| ८] दुय्यम निबंधक | रु. १२०० - २०४० |
| ९] लेखापाल | रु. १६४० - २२०० |
| १०] सहकार अधिकारी | रु. १६४० - २२०० |
| ११] विस्तार अधिकारी [कृषि] | रु. १६०० - २६६० |
| १२] लेखा परीक्षक | रु. १६४० - २२०० |
| १३] विस्तार अधिकारी [पंचायत] | रु. १४०० - २३०० |
| १४] विस्तार अधिकारी [शिक्षण] | रु. १६४० - २२०० |

शासकीय सेवेत असताना दिवंगत/अकाली
सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या
नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर
नियुक्ती देण्याबाबत...

महाराष्ट्र शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक:अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.१०/९३/आठ,
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२
दिनांक:- १२ मार्च, १९९७

वाचा:- १] शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१०९३/२३३५/
प्र.क्र.१०/९३, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४.

शासन निर्णय

शासनाने अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याच्या योजनेत सुधारणा करून सुधारित योजना दिनांक २६ ऑक्टोबर, ९४ च्या शासन निर्णयान्वये कार्यान्वित केली आहे. त्यानुसार नियुक्त्या करताना काही ठिकाणी अशा रितीने नियुक्तीसाठी पात्र उमेदवारांची प्रतिष्ठा यादी ठेवावी लागत असल्याचे शासनाच्या निदर्शनास आले आहे. त्यामुळे अशा नियुक्त्यांस विलंब होऊन बरेच उमेदवार उच्च न्यायालय, लोकायुक्त यांचेकडे तातडीने नियुक्ती मिळावी यासाठी याचिका/निवेदने दाखल करीत असल्याचे आढळून आले आहे. या संदर्भात सखोल विचार करून असा निर्णय घेण्यात आला आहे की, विभागात/कार्यालयात ठेवण्यात येणा-या प्रतिष्ठा सूचीनुसार अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यात होणारा विलंब, जिल्हास्तरावर अशा उमेदवारांची संयुक्त यादी ठेवल्यास बराच कमी होईल. जिल्हास्तरावर विविध कार्यालयात उपलब्ध पदे यासाठी विचारात घेतली गेल्यास उमेदवारांना न्याय तत्वावर जागा उपलब्ध होऊ शकतील. या पार्श्वभूमीवर सदरील योजना राबविण्याबाबत वरील शासन निर्णयान्वये सोबत जोडण्यात आलेल्या परिशिष्ट "अ" मधील नियमावलीतील नियम ६ रद्द करण्यात येऊन खालीलप्रमाणे सुधारीत नियम त्या जागी समाविष्ट करण्यात यावा.

नियम क्रमांक ६ : अ] प्रत्येक जिल्ह्यातील विभाग/कार्यालयात अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी येणा-या सर्व अर्जांची जेष्ठतेच्या दिनांकांनुसार यादी जिल्हाधिकारी कार्यालयाने ठेवावी. तसे करताना

[कृ.मा.प.]

कार्यकारी कार्यालय
रत्नागिरी.
18 MAR 1997
शाला ११४३
श. लि. नि. २३६०. जिल्हाधिकारी

...२...

गट-क व गट-ड मधील पदांसाठी स्वतंत्र यादी ठेवण्यात यावी.

ब] बृहन्मुंबईतील लोकसेवा आयोगाच्या कार्यक्षेत्रातील लिपिक कर्मीय पदांची यादी सामान्य प्रशासन विभागात संकलित करण्यात यावी गट-ड मधील पदांबाबत संबंधित नियुक्ती प्राधिका-यांनी प्रचलित कार्यपध्दतीनुसार योग्य ती कार्यवाही करावी.

संबंधित विभागांनी/कार्यालयांनी त्यांच्या कार्यालयातील रिक्त पदे तसेच सेवाप्रवेश नियमानुसार, ही पदे भरण्यासंबंधातील तरतुदीनुसार वस्तुस्थितीबाबतची माहिती यथास्थिती सामान्य प्रशासन विभाग/जिल्हाधिकारी यांच्याकडे पाठवावी. तसे करताना ज्या कार्यालयातील कर्मचारी/अधिकारी यांचे पद ज्या कारणास्तव रिक्त होईल त्याचा तपशिल तसेच या योजनेंतर्गत जो नातेवाईक यासाठी अर्ज करील त्याचा तपशिल पाठवावा.

अशी माहिती संकलित करून सामान्य प्रशासन विभाग/जिल्हाधिकारी यांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील उपलब्ध पदांवर जेष्ठतेनुसार नियुक्तीसाठी वाटप करण्याबाबतची कार्यवाही करावी.

सामान्य प्रशासन विभाग/जिल्हाधिकारी यांच्याकडून अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी विभाग/कार्यालयांत उपलब्ध असलेल्या पदांवर उमेदवारांचे वाटप केल्यानंतर सात दिवसांचे आत नियुक्ती करण्याची जबाबदारी संबंधित नियुक्ती प्राधिका-याची राहिल. तसे केल्याचे सामान्य प्रशासन विभाग/जिल्हाधिकारी यांना विनाविलंब कळविण्यांत यावे.

क] सर्व कार्यालय विभाग प्रमुखांनी त्यांच्या कार्यालयात/विभागात अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती करत आलेल्या स्कूण अर्जांची संख्या तसेच अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीकरता संबंधित कार्यालयात/विभागात नियुक्ती केलेल्या उमेदवारांची माहिती सोबतच्या "क" विवरणपत्रात सामान्य प्रशासन विभाग व जिल्हाधिकारी यांचेकडे दर ६ महिन्यांनी पाठविणे बंधनकारक राहिल. या नियमानुसार असा ३१ डिसेंबर, १९९६ ची स्थिती दर्शविणारा

...३/-

④

- १०० -
- १५ -

..३..

सहामाही अहवाल ३१ मार्च, १७ पर्यन्त पाठवावा व यापुढील सहामाहि
अहवाल त्या ^{त्या} वर्षाच्या १५ जानेवारी, व १५ जुलै पर्यन्त पाठवावा.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

(रवि भूषण बुध्दिराजा)
[रवि भूषण बुध्दिराजा]
सचिव [सेवा]
महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

राज्यपालाचे सचिव, राजभवन मलबार हिल, मुंबई-४०० ०३२.

मुख्य मंत्री यांचे सचिव.

सर्व मंत्री यांचे सचिव.

अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीच्या योजनेची वैशिष्ट्ये

1. उद्देश :- मृत शासकीय/विद्यकीय कारणास्तव अकाली सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचा-याच्या कुटुंबियांना त्वरित आर्थिक आधार मिळणे.
2. पात्र नातेवाईक :- (अ) पती/पत्नी, मुलगा, अविवाहित मुलगी.
(ब) अविवाहित शासकीय कर्मचा-यांच्या बाबतीत सर्वस्वी अवलंबून असणारा अविवाहित भाऊ अथवा बहीण.
(क) मृत शासकीय कर्मचा-याचा मुलगा हयात नसेल तर त्याची सून.
3. अर्ज करण्याची मुदत :- मृत्युच्या/अकाली सेवानिवृत्तीच्या दिनांकापासून 5 वर्षे.
4. शैक्षणिक अर्हता :- (अ) त्या त्या पदाच्या सेवाप्रवेश नियमानुसार तथापि विद्येच्या बाबतीत गट 'ड' मधील नियुक्तीकरीता शिथिलक्षम.
(ब) लिपिक-टंकलेखाक पदावरील नियुक्तीकरीता टंकलेखनाचे प्रमाणपत्र प्राप्त करून घेण्यास 2 वर्षांची सवलत.
5. अर्ज :- शक्यतो विहित प्रपत्रात करणे.

उपरोक्त माहिती मिळाल्याबाबत कुटुंबियांकडून पोच घेणे आवश्यक आहे.

35
शासकीय सेवेत अस्ताना दिग्गता, अकाली रोवांगयूर
आलेल्या कर्षका-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा
तत्त्वावर नियुक्ती देण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन निर्णय क्रमांक अकंपा-1097/प्र.क्र. 32/आठ,
गंजालय, मुंबई 400 032, दिनांक 8 सप्टेंबर 1997.

नाचा : शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-1095/प्र.क्र. 34-अ/आठ, दिनांक
23 ऑगस्ट 1996.

शासन निर्णय : शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-1095/प्र.क्र. 34-अ/आठ, दिनांक 23
ऑगस्ट 1996 नुसार लिपिक-टंकलेखक पदावर अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्ती करिता टंकलेखनाचे विहित वेगमर्यादेचे
शासकीय वाणिज्य प्रमाणपत्र प्राप्त करून घेण्यास दोन वर्षांची मुदत देण्यात आलेली आहे. काही उमेदवारांना
टंकलेखनाचे विहित वेगमर्यादेचे शासकीय वाणिज्य प्रमाणपत्र दोन वर्षांच्या मुदतीत प्राप्त करून घेणे शक्य होत नाही.
अशा उमेदवारांची नियुक्ती, टंकलेखनाचे विहित वेगमर्यादेचे शासकीय वाणिज्य प्रमाणपत्र उपरोक्त मुदतीत प्राप्त न
केल्याने संपुष्टात आणण्यात येते.

2. लिपिक-टंकलेखक पदावरील नियुक्ती टंकलेखनाच्या वेगमर्यादेच्या प्रमाणपत्राअभावी संपुष्टात आणण्यात
आलेल्या उमेदवारांच्या कुटुंबास आर्थिक हलाखीत राहणे लागू नये या उद्देशाने त्यांचा गट "ड" मधील पदासाठी विचार
करावा काय याबाबतचा प्रश्न शासनाच्या विचाराधीन होता. याबाबत असा निर्णय घेण्यात आलेला आहे की, "जे
लिपिक-टंकलेखक नियुक्तीनंतर टंकलेखनाची विहित वेग मर्यादेची परीक्षा पास होऊ शकले नाहीत म्हणून त्यांच्या सेवा
संपुष्टात आणल्या आहेत, अशा उमेदवारांचा गट "ड" मधील नियुक्तीसाठी पदांची उपलब्धता विचारात घेऊन नव्याने
नियुक्ती देण्याबाबत विचार करण्यात यावा. मात्र अशा रीतीने गट "ड" मधील पदावर नियुक्ती स्वीकारल्यानंतर
कुठल्याही परिस्थितीत गट "क" मधील पदासाठी त्यांचा विचार करता येणार नाही, ही बाब त्यांना नियुक्तीपूर्वी स्पष्ट
करावी.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

ग. मा. जोशी,

राज सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रति

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई.

मुख्य मंत्री यांचे सचिव,

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहाय्यक.

- * प्रबंधक, मूल न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई.
- * प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई.
- * प्रबंधक, लोक आयुक्त व सगळे लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई.
- * सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, मुंबई.

(कृ. मा. प.)

पमु रोटा साप्रवि-एच 984(1000-9-97)

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन परिपत्रक क्रमांक अंकपा-1097/प्र.क्र.50/97/आठ,

मंत्रालय, मुंबई 400 032, दिनांक 4 ऑक्टोबर 1997.

- वाचा :- (1) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अंकपा-1093/2335/प्र.क्र.90/93/आठ, दिनांक 26 ऑक्टोबर 1994.
- (2) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अंकपा-1093/2235/प्र.क्र.90/93/आठ, दिनांक 12 मार्च 1997.
- (3) शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अंकपा-1097/प्र.क्र.19/97/आठ, दिनांक 7 जून 1997.

शासन परिपत्रक :- शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अंकपा-1093/2335/प्र.क्र.90/93/आठ, दिनांक 12 मार्च 1997 नुसार बृहन्मुंबई वगळता, प्रत्येक जिल्ह्यातील विभाग/कार्यालयात अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्तीसाठी येणा-या सर्व अर्जांची ज्येष्ठतेच्या दिनांकानुसार यादी जिल्हाधिकारी कार्यालयाने ठेवावयाची आहे. शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अंकपा-1097/प्र.क्र.19/97/आठ, दिनांक 7 जून 1997 च्या शासन परिपत्रकातील तरतुदीनुसार बृहन्मुंबईतील लोकसेवा आयोगाच्या कार्यक्षेत्रातील लिपिक-टंकलेखकांची अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्तीची एकत्रित यादी सामान्य प्रशासन विभाग, कार्यासन 14-अ मध्ये ठेवावयाची आहे.

2. अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्तीसाठी प्राप्त होणा-या अर्जांची प्राथमिक छाननी शासकीय कर्मचारी ज्या कार्यालयात/विभागात कार्यरत होता त्या कार्यालयाने/विभागाने करणे आवश्यक आहे. मात्र प्रतिनियुक्तीवरील शासकीय कर्मचारी/अधिकारी यांच्या बाबतीत अशी छाननी मूळ विभागाने करणे आवश्यक आहे. तथापि असे निदर्शनास आले आहे की, संबंधित कार्यालय/विभाग अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्तीसाठी प्राप्त झालेल्या अर्जांची छाननी योग्य रीतीने करित नाहीत व असे अर्ज जिल्हाधिकारी कार्यालय/सामान्य प्रशासन विभागाकडे पाठविण्याची कार्यवाही करतात. त्याबाबत योग्य ती दक्षता घेणे आवश्यक आहे.

3. अनुकंपा तत्त्वावर नोकरी देण्याबाबत शासनाने वेळोवेळी निर्गमित केलेले आदेश लक्षात घेऊन अनुकंपा कारणास्तव नोकरीसाठी प्राप्त झालेल्या अर्जांची तपासणी संबंधित आस्थापना अधिका-याने करावी. संबंधित उमेदवार अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्तीसाठी पात्र ठरतो किंवा कसे याबाबत तपासणी करून केवळ नियुक्तीस पात्र अर्ज आपल्या शिफारशीसह आस्थापना अधिका-याने जिल्हाधिकारी कार्यालय/सामान्य प्रशासन विभाग यांचेकडे पाठवावेत.

4. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अंकपा-1093/2335/प्र.क्र.90/93/आठ, दिनांक 26 ऑक्टोबर 1994 च्या शासन निर्णयाच्या परिशिष्ट "अ" मधील नियम 7 (ब) मध्ये नमूद केलेल्या बाबीसंबंधी पूर्तता होत असल्याची काळजी असे अर्ज शिफारस करणा-या अधिका-यांनी घ्यावी.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

य. मा. जोशी,

सह सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रति

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई,
मुख्य मंत्री यांचे सचिव,

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव,
सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहाय्यक,

- * प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
- * प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
- * प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-1 (लेखा व हक्कदारी), मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-1 (लेखा परीक्षा), मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-2 (लेखा व हक्कदारी), नागपूर,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-2 (लेखा परीक्षा), नागपूर,
- अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
- निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
- मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
- सर्व, विभागीय आयुक्त,
- सर्व, जिल्हाधिकारी,
- सर्व, जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
- सामान्य प्रशासन विभाग कार्यासन क्रमांक 12, 13, 13-अ, 14-अ, 19, 28, 28-अ, 34, 34-अ, 37,
- सर्व मंत्रालयीन विभाग,
- निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या निरनिराळ्यातील सर्व विभाग व कार्यालय प्रमुख,

शासकीय सेवेत असताना, दिवंगत/अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्ती देण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन निर्णय क्रमांक अकंपा-1093/2335/प्र.क्र. 90/93/आठ,

मंत्रालय, मुंबई 400 032, दिनांक 21 नोव्हेंबर 1997.

- वाचा :- (1) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-1093/2335/प्र.क्र.90/93/आठ, दिनांक 26 ऑक्टोबर 1994.
- (2) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्रमांक अकंपा-1093/2335/प्र.क्र.90/93/आठ, दिनांक 12 मार्च 1997.

शासन निर्णय :- शासनाने अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्ती देण्याच्या योजनेत सुधारणा करून सुधारित योजना दिनांक 26 ऑक्टोबर 1994 च्या शासन निर्णयान्वये कार्यान्वित केली आहे. या शासन निर्णयासोबत जोडण्यात आलेल्या परिशिष्ट "अ" मधील नियम 6 हा दिनांक 12 मार्च 1997 च्या शासन निर्णयान्वये रद्द करण्यात येऊन त्याऐवजी आता सुधारित तरतूद करण्यात आली आहे. ही तरतूद विचारात घेऊन दिनांक 26 ऑक्टोबर 1994 च्या शासन निर्णयासोबत जोडलेल्या परिशिष्ट "अ" मधील नियम 5 (ब) मध्ये सुधारणा करणे अनिवार्य ठरले आहे. त्यानुसार नियम 5 (ब) मध्ये खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात येत आहे.

2. नियम 5 (ब) - दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त कर्मचारी ज्या कार्यालयात काम करीत होता तिथे त्याच्या नातेवाईकाने अनुकंपा नियुक्तीसाठी अर्ज करावा. संबंधित कार्यालयाने त्याची छाननी करून सर्व नियमांची पूर्तता होत असलेले अर्जच केवळ जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभागाकडे आपल्या शिफारशीसह पाठवावेत. पदाच्या उपलब्धतेनुसार अर्जदारांची नवे रिक्त पद असलेल्या कार्यालयाकडे जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभाग प्रतीक्षा सूची-नुसार नियुक्तीसाठी पाठवतील. अशी नावे प्राप्त झाल्यानंतर संबंधित नियुक्ती अधिका-यांनी त्यांच्या नियुक्तीचे आदेश निर्गमित करावेत. त्यासाठी त्यांनी निवड मंडळ/आयोग यांचा सल्ला घेणे आवश्यक नाही.

3. नियम 7 (ब) - सध्याच्या नियम 7 (ब) मधील तरतुदीखाली पुढील वाक्य समाविष्ट करण्यात यावे :-

ही तरतूद वैद्यकीय कारणास्तव अकाली सेवानिवृत्त होणा-या शासकीय कर्मचारी/अधिकारी यांना देखील लागू राहिल. ही तरतूद दिनांक 26 ऑक्टोबर 1994 पासून लागू राहिल.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

रवि. भू. बुध्दिराजा,

प्रधान सचिव (सेवा), महाराष्ट्र शासन.

प्रति

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई,

मुख्य मंत्री यांचे सचिव,

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव,

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहाय्यक,

* प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,

* प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,

* प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,

* सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, मुंबई,

* सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (10 जादा प्रतीसह),

- * सचिव, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-1 (लेखा व हक्कदारी), मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-1 (लेखा परीक्षा), मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-2 (लेखा व हक्कदारी), नागपूर,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-2 (लेखा परीक्षा), नागपूर,
- अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
- निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
- मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
- सर्व विभागीय आयुक्त,
- सर्व जिल्हाधिकारी,
- सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
- सामान्य प्रशासन विभाग/कार्यासन 12, 13-अ व 14-अ, 28, 28-अ, 31, 34, 38,
- सर्व मंत्रालयीन विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग धरून),
- निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,

शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अमाती,
सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकांम
अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय क्रमांक: अकंपा-१०९८/प्र. क्र. ५/९८/आठ,
मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२.
दिनांक: - १०, मार्च-१९९८.

वाचा: - १] शासन निर्णय, सा. प्र. वि. क्रमांक: अकंपा-१०९५/प्र. क्र. ३७-अ/आठ,
दि. २३ ऑगस्ट-१९९६.

२] शासन निर्णय, सा. प्र. वि. क्रमांक: अकंपा-१०९७/प्र. क्र. ३२/आठ,
दिनांक ८ सप्टेंबर-१९९७.

शासन निर्णय

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९५/प्र. क्र. ३७/
आठ, दिनांक २३ ऑगस्ट-१९९६ नुसार लिपिक-टंकलेखक पदावर अनुकंपा तत्वावर
नियुक्ती दिल्यानंतर टंकलेखनाचे विहित वेगमयदिये शासकीय वाणिज्य प्रमाणपत्र
प्राप्त करून घेण्यास दोन वर्षांची मुदत देण्यात आलेली आहे. अशा प्रकारे दोन
वर्षांच्या मुदतीत टंकलेखनाचे प्रमाणपत्र प्राप्त न करणा-या उमेदवारांची नियुक्ती
संपुष्टात आणण्यात येते. तथापि, मृत शासकीय कर्मचा-यांच्या विधवेच्या बाबतीत
दोन वर्षांत टंकलेखनाचे प्रमाणपत्र प्राप्त करून घेणे कौटुंबिक जबाबदारीमुळे शक्य होत
नाही. अशा वेळेस मुदतवाढ देण्याची दिनांती संबंधित विधवेकडून करण्यात येते. तसे
प्रस्ताव विविध विभागांकडून प्राप्त होतात. या संदर्भात सर्वसम्यक विचार करून
आता असे आदेश देण्यात येत आहेत की, मृत शासकीय कर्मचा-यांच्या विधवेच्या
बाबतीत टंकलेखनाचे विहित वेगमयदिये प्रमाणपत्र प्राप्त करून घेण्यास मूळ
नियुक्तीच्या दिनांकापासून दोन वर्षांनंतर एक वर्षांची मुदतवाढ खालील अटींच्या
अधिनस्त देण्यात यावी,

अ] संबंधित कर्मचा-याने दोन वर्षांत टंकलेखनाच्या परीक्षेसाठी उपलब्ध
चार संधीपैकी किमान तीन संधींचा लाभ घेतलेला असणे आवश्यक
आहे,

ब] उपरोक्त सवलत मृत शासकीय कर्मचा-यांच्या केवळ विधवा कर्मचा-यांस
लागू राहिल. कुठल्याही परिस्थितीत त्या पुढील कालावधीस मुदतवाढ
मिळणार नाही.

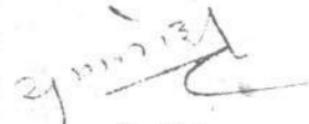
क] तसेच ही सवलत वैधकीय कारणास्तव अमाती सेवानिवृत्त कर्मचा-यां
कर्मचा-यांच्या पत्नीस देखील लागू राहिल.

237
RHC
23/3/98
RHC

ड] या वाढीव कालावधीत देखील टंकलेखनाची परीक्षा उत्तीर्ण न होऊ शकणा-या ~~कर्मचा~~ कर्मचा-यांच्या सेवा समाप्त करण्यात याव्यात, तसा उल्लेख मुदतवाढीच्या आदेशातच करण्यात यावा.

२. वरील अटीत बसणा-या प्रस्तावांच्या बाबतीत अशी मुदत वाढ देण्याचे प्राधिकार संबंधित प्रशासकीय विभागांना देण्यात येत आहेत. त्यासाठी सामान्य प्रशासन विभागाकडे संदर्भ करण्याची आवश्यकता नाही.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नमूदाने.


[य. मा. जोशी]

सह सचिव, महाराष्ट्र शासन.

- १२५ - १९

शासकीय सेवेत अनुकंपा तत्त्वावर
नियुक्ती देण्याबाबत

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग .

शासन निर्णय क्रमांक अंकपा. १०००/प्र. क्र. २०/२०००/आठ

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२, दिनांक २८ मार्च २००१.

- चा. - (१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अंकपा. १०९३/२३३५/प्र. क्र. ९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर १९९४.
(२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अंकपा. १०९५/प्र. क्र. ३४-अ/आठ, दिनांक २३ ऑगस्ट १९९६.
(३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक अंकपा. १०९३/२३३५/प्र. क्र. ९०/९३/आठ, दिनांक १२ मार्च १९९७.
(४) शासन परिपत्रक, नगर विकास विभाग, क्रमांक बीसीसी. १०८६/५४४/सीआर-६३/८६/न. वि. १०, दिनांक ६ मे १९८६.
(५) शासन परिपत्रक, नगर विकास विभाग, क्रमांक : संकीर्ण. २९९२/१९९९/प्र. क्र. १६४/९२/न. वि. ६, दिनांक ५ नोव्हेंबर १९९२.

शासन निर्णय

शासन सेवेत असताना दिवंगत/अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्ती देण्यासंबंधीच्या योजनेचे सुधारित नियम संदर्भाधीन क्रमांक (१) येथील दिनांक २६ ऑक्टोबर १९९४ च्या शासन निर्णयान्वये विहित करण्यात आलेले आहेत. त्यात संदर्भाधीन क्रमांक (२) व (३), येथील दिनांक २३ ऑगस्ट १९९६ आणि दिनांक १२ मार्च १९९७ च्या शासन निर्णयान्वये केलेल्या सुधारणांचा पुनर्विचार करण्याचे शासनाच्या विचाराधीन होते. याबाबत विचार करून आता शासन खालीलप्रमाणे निदेश देत आहे :-

(अ) संदर्भाधीन क्रमांक (३) येथील दिनांक १२ मार्च १९९७ च्या शासन निर्णयानुसार विहित केलेली राज्यात जिल्हाधिकार्यांनी आणि मुंबईत सामान्य प्रशासन विभागात एकत्रित प्रतिक्षासूची ठेवण्याची प्रचलित कार्यपद्धती यापुढे देखील तशीच चालू ठेवण्यात येत आहे.

(ब) संदर्भाधीन दिनांक २६ ऑक्टोबर १९९४ च्या शासन निर्णयतील परिच्छेद २ (ब), (क), (ड) रद्द करून त्याऐवजी खालीलप्रमाणे सुधारित तरतूद २ (ब) येथे समाविष्ट करण्यात येत आहे :-

“ वयाची ५० वर्षे पूर्ण होण्यापूर्वीच जे कर्मचारी कर्करोग, पक्षाघात किंवा अपघातामुळे सेवेसाठी कायमचे असमर्थ होतील केवळ त्यांच्याच कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र समजण्यात यावे.”

या सुधारित तरतुदीच्या समावेशामुळे संदर्भाधीन क्रमांक (२) येथील दिनांक २३ ऑगस्ट १९९६ च्या शासन निर्णयतील परिच्छेद २ (अ) येथील तरतूद वगळण्यात आल्याचे समजण्यात यावे.

(क) गट “ क ” व “ ड ” मधील जी रिक्त पदे भरण्यास शासनाने मंजुरी दिली आहे केवळ अशाच पदांवर अनुकंपा तत्त्वावर नियुक्ती करण्यात याव्यात.

(ड) अनुकंपा तत्त्वावरील गट “ क ” व “ ड ” मधील पदांवर करण्यात येणाऱ्या नियुक्ती यापुढे शासनाच्या पूर्वमन्यतेशिवाय करण्यात येऊ नयेत.

(इ) दिनांक ३१ डिसेंबर २००१ नंतर तिसरे अपत्य झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांस अनुकंपा तत्त्वावरील नियुक्तीसाठी पात्र समजले जाणार नाही.

(फ) अनुकंपा तत्त्वावरील नियुक्तीचा लाभ, सेवेत असताना दिवंगत किंवा वरील (ब) प्रमाणे अकाली निवृत्त केवळ गट “ क ” व “ ड ” मधील कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना गट “ क ” व “ ड ” मधील पदांवर नियुक्तीसाठी अनुज्ञेय राहिल.

२. अनुकंपा तत्त्वावरील नियुक्तीसंबंधातील वरील सुधारित तरतुदी सदर आदेश निर्गमित झाल्याच्या दिनांकापासून अंमलात येतील. सर्व जिल्हाधिकार्यांनी तसेच सर्व नियुक्ती अधिकार्यांनी त्यांचेकडील अनुकंपा नियुक्तीसंबंधीची प्रकरणे हाताळताना उपरोक्त रिक्त निदेशांचे काटेकोरपणे पालन होत आहे याची खात्री करावी.

४. शासनाने आदेश देत आहे की, संदर्भाधीन क्रमांक (४) व (५) येथील नगरविकास विभागाच्या अनुक्रमे दिनांक ६ मे १९८६ आणि दिनांक ५ नोव्हेंबर १९९२ च्या शासनपरिपत्रकातील तरतुदीनुसार नगरपालिका/महानगरपालिकांमध्ये सफाई कर्मचाऱ्यांना लाड समितीच्या शिफारशीनुसार नियुक्ती देण्याची सध्याची पद्धत यापुढेही चालू ठेवण्यात यावी.

क्र. १०००/प्र. क्र. २०/२०००/आठ
२८-०३-२००१
नगर विकास विभाग
मुंबई

महाराष्ट्रचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

प्रकाश लोखंडे,

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन.

शासकीय सेवेत असताना दिवंगत, अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत.....

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन निर्णय, क्रमांक: अकंपा-१०००/प्र.क्र.५/२००१/आठ,

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.

दिनांक : २ मे, २००१.

- वाचा :- (१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४.
- (२) शासन निर्णय, क्रमांक: अकंपा-१०९५/प्र.क्र.३४-अ/आठ, दिनांक २३ ऑगस्ट, १९९६.
- (३) शासन निर्णय, क्रमांक: अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१.

शासन निर्णय

संदर्भाधीन क्र.२ येथील दिनांक २३ ऑगस्ट, १९९६ च्या शासन निर्णयामधील परि.२ (ब)(१) अन्वये अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र नातेवाईकांमध्ये खालील प्रमाणे नातेवाईकाचा समावेश करण्यात आला होता :-

"दिवंगत शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या/वैद्यकीय कारणास्तव सेवानिवृत्त होणाऱ्या शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या मुलगा ह्यात नसेल व त्या कुटुंबातील पात्र नातेवाईकां व्यतिरिक्त अन्य कोणीही अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र नसेल तर त्याची सूत्र"

शासनाने आता पुनर्विचारांती उपरोक्त तरतूदीमध्ये सुधारणा करण्याचा निर्णय घेतला असून सुधारित तरतूद खालील प्रमाणे असेल :-

"मृत शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या/वैद्यकीय कारणास्तव सेवानिवृत्त होणाऱ्या शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबातील पात्र नातेवाईकांपैकी अन्य कोणीही अनुकंपा तत्वावर

नियुक्तीसाठी पात्र नसेल तर त्याची सुन"

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

Prakash Lokhande

(प्रकाश लोखंडे)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई ४०० ०३२,

मुख्यमंत्री यांचे सचिव,

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव,

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहायक,

- * प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
- * प्रबंधक, अपील शाखा उच्च न्यायालय, मुंबई,
- * प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
- * सचिव, राज्य-निवडणूक आयोग, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (१० जादा प्रतीसह),
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व हक्कदारी), मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा परीक्षा), मुंबई
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व हक्कदारी), नागपूर,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा परीक्षा), नागपूर,
- अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
- निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
- मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
- सर्व विभागीय आयुक्त,
- सर्व जिल्हाधिकारी,
- सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
- सामान्य प्रशासन विभाग/कार्यासन १२, १३-अ व १४-अ,
- सर्व मंत्रालयीन विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग धरून),
- निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख.

Gr-20040406/01636001-0100

शासकीय सेवेत असतांना दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत विहित संगणक ज्ञानाची अर्हता प्राप्त करण्याविषयी

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक :- अकंपा-१०००/प्र.क्र.५९/२०००आठ,

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२

दिनांक:- २४ सप्टेंबर, २००१

घाचा :- (१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१०९३/२३३५/ प्र.क्र.९०/९३ /आठ, दिनांक २९ ऑक्टोबर, १९९४

(२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१

(३) शासन अधिसूचना, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : सेप्रनि-१०९८/प्र.क्र.७/९८/बारा, दिनांक २५ जानेवारी, १९९९

(४) शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : सेप्रनि-१०९८/प्र.क्र.७/९८/बारा, दिनांक ३ मे, २०००

(५) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : प्रशिक्षण-१०००/१४३/एकोणचाळीस, दिनांक १० जुलै, २०००

(६) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : प्रशिक्षण-२००१/प्र.क्र.६१/२००१/एकोणचाळीस, दिनांक ७ ऑगस्ट, २००१

शासन निर्णय

शासकीय सेवेत असतांना दिवंगत / अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांस अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याची सुधारित योजना, संदर्भाधीन नमूद केलेल्या दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४ च्या शासन निर्णयान्वये कार्यान्वित करून दिनांक २८ मार्च, २००१ च्या शासन निर्णयान्वये त्यात काही सुधारणा करण्यात आल्या आहेत.

२. शासन सेवेतील पदांवर नियुक्तीसाठी संगणक हाताळणे / वापरबाबतचे ज्ञान आवश्यक असल्याची तरतूद संदर्भाधीन क्रमांक ३ येथील दिनांक २५ जानेवारी, १९९९ रोजीच्या अधिसूचनेद्वारे विहित केली आहे. सदर तरतूद अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती बाबत सुध्दा लागू आहे. तथापि, अनुकंपा तत्वावर देण्यात येणारी नियुक्ती ही अन्य नियुक्तीपेक्षा अत्यंत वेगळ्या परिस्थितीत दिली जात असल्यामुळे अशा नियुक्त्याबाबत संगणक अर्हता प्राप्त करण्यासाठी काही सबलत देण्याचे शासनाच्या विचाराधीन होते. त्यानुसार माहिती तंत्रज्ञान संचालनालयाशी विचारविनिमय करून शासन आता पुढीलप्रमाणे आदेश देत आहे :-

माहिती तंत्रज्ञान संचालनालय, महाराष्ट्र शासन यांचेकडून शासन सेवेतील गट 'क' मधील (ग्रहणचालक वगळून) संबंधित पदांकरिता महाराष्ट्र नागरी सेवा (संगणक हाताळणी / व

वापराबाबतचे ज्ञान आवश्यक ठरविण्याबाबत) नियम १९९९ च्या नियम ३ अन्वये आवश्यक अर्हता म्हणून अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी... उमेदवारांनी खालील 'अ' किंवा 'ब' प्रमाणे प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक राहिल.

अ) D.O.E.A.C.C. सोसायटीच्या अधिकृत 'C.C.C.' किंवा 'O' स्तर किंवा 'A' स्तर किंवा 'B' स्तर किंवा 'C' स्तर पैकी कोणतीही एक परीक्षा उत्तीर्ण झाल्याचे प्रमाणपत्र किंवा,

ब) महाराष्ट्र राज्य उच्च व तंत्र शिक्षण मंडळ, मुंबई यांचे कडील अधिकृत MS-CIT परीक्षा उत्तीर्ण झाल्याचे प्रमाणपत्र.

३. संगणक ज्ञानाची वरील किमान अर्हता अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीचे वेळी धारण करित नसलेल्या उमेदवारांना सदर अर्हता गट 'क' मधील पदांवर (वाहनचालक वगळून) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती झाल्याच्या दिनांकापासून दोन वर्षांचे आत प्राप्त करणे आवश्यक राहिल. या दोन वर्षांच्या कालावधीत संबंधितांनी विहित संगणक अर्हता प्राप्त केल्याचे प्रमाणपत्र नियुक्ती अधिकाऱ्यांना सादर करावे, अन्यथा हा कालावधी संपताच उमेदवारांची अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती आपोआप संपुष्टात येईल अशी स्पष्ट तरतूद उमेदवारांच्या नियुक्तीच्या आदेशात नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी नमूद करावी.

४. यापूर्वी ज्या उमेदवारांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यात आली आहे परंतु ज्यांनी संगणक ज्ञानाची अर्हता प्राप्त केलेली नाही, अशा गट 'क' मधील (वाहनचालक वगळून) कर्मचाऱ्यांबाबत या विभागाच्या संदर्भाधीन दिनांक ३ मे, २००० च्या शासन निर्णयामधील परिच्छेद ३, दिनांक १० जुलै, २००० च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद २०, आणि दिनांक ७ ऑगस्ट, २००१ च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद क्रमांक १, २ व ३ अनुसार त्यांनी दिनांक ३१ डिसेंबर, २००२ पर्यंत संगणक हाताळणी वापराबाबतचे प्रशिक्षण पूर्ण करून त्यासंदर्भातील प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक राहिल, अन्यथा त्यांच्या सेवा समाप्त करण्यात येतील.

५. सदर आदेश दिनांक १ जानेवारी, २००१ पासून अंमलात आल्याचे समजण्यात यावे.

६. सर्व नियुक्ती अधिकाऱ्यांनी गट 'क' मधील (वाहनचालक वगळता) पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती करताना वरील निदेशांचे कटाक्षाने पालन करावे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने

Santosh

(प्रकाश लोखंडे)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन मलवार बिल्डिंग, मुंबई - ४०० ०३२.

मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव.

उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव.

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव.

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहायक.

* प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई (पत्राने)

* प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई (पत्राने)

- * प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई (पत्राने)
- * प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई (पत्राने)
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (१० जादा प्रतीसह) (पत्राने)
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई. (पत्राने)
- सर्व अपर मुख्य सचिव / प्रधान सचिव / सचिव.
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व हक्कदारी), मुंबई.
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-१, (लेखा व परीक्षा), मुंबई.
- महालेखापाल महाराष्ट्र-२ (लेखा व हक्कदारी), नागपूर.
- महालेखापाल महाराष्ट्र-२ (लेखा व परीक्षा), नागपूर.
- अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई.
- निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.
- मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे) कोकण भवन, नवी मुंबई.
- सर्व विभागीय आयुक्त.
- सर्व जिल्हाधिकारी.
- सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
- सामान्य प्रशासन विभाग / कार्यासन १२, १३, १३-अ, १४-अ, १९, २८, २८-अ, ३४, ३४-अ, ३७
- सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने
- सर्व मंत्रालयीन विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग धरून)
- निर्गमनकठ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख
- निवड नसती कार्यासन आठ

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक:अकंपा-१००१/प्र.क्र.५/२००२/आठ,
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.
दिनांक :- ३० जुलै, २००१.

- संदर्भ :- (१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०९३/२३३५/
प्र.क्र.१०/१३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४,
(२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०९३/२३३५/
प्र.क्र.१०/१३/आठ, दिनांक १२ मार्च, १९९७,
(३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/
२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१,
(४) शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्रमांक:असंक-१००१/प्र.क्र.२९/२००१/
वित्तीय सुधारणा, दिनांक १० सप्टेंबर, २००१.

शासन निर्णय

शासन सेवेत असतांना दिवंगत/अव्याली सेवाशिवृत झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांस
अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासंबंधी योजनेच्या अटी व शर्ती उपरोक्त क्र.१, २ व ३ येथील शासन
निर्णयान्वये विहित करण्यात आलेल्या आहेत. या नियुक्त्यासाठी आरक्षणसंबंधीचे नियम लागू
करण्यात आलेले नाहीत. मात्र अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीने भरण्याच्या एकत्रित प्रतिष्ठाप्यातील
मागासवर्गीय उमेदवारांना, त्यांचा एकत्रित यादीवरील अनुक्रमांक डाखून अनुशोधांतर्गत रिक्त असलेली
पदे भरण्याचा प्रश्न शासनाच्या विचाराधीन होता.

२. संबंधीत क्र.४ येथील वित्त विभागाच्या शासन निर्णयातील परिच्छेद-३ (३.२) मध्ये अनुसूचित
जाती, अनुसूचित जमाती, इतर मागासवर्ग आणि विभूक्त जाती व भटक्या जमाती या सामाजिक
घटकांना सेवाप्रवेशासाठी असलेल्या आरक्षणानुसार अनुशोधांतर्गत असलेली पदे ६ महिन्यांपेक्षा जास्त
कालावधीसाठी रिक्त राहिली तरी ती खपत होणार नाहीत आणि सधर पदे भरण्यासाठी उच्चस्तरीय
सधिय समितीच्या मान्यतेची आवश्यकता नाही, अशी विविक्त तरतूद देली आहे. त्यानुसार
मागासवर्गीयांकरिता आरक्षित असलेली अनुशोधाची पदे बापुडे गट-क व गट-ड मधील अनुकंपा
तत्वावरील नियुक्तीसाठीच्या जिल्हाधिकार्यांकडील/सामान्य प्रशासन विभागातील एकत्रित प्रतिष्ठा
यादीतील त्या प्रवर्गाचे उमेदवारांच्या नियुक्तीने भरण्यास यादारे शासन मंजूरी देण्यात येत आहे.

४. संबंधित विभागाने /कार्यालयांनी त्यांच्या कार्यालयातील मागासवर्गीयांच्या अनुशोधांतर्गत रिक्त
पदांची माहिती यथास्थिती सामान्य प्रशासन विभाग/जिल्हाधिकारी यांचेकडे पाठवून संबंधित प्रवर्गाच्या
उमेदवारांची मागणी करावी. अशी आरक्षित पदे भरण्यासाठी मागणी प्राप्त होताच
जिल्हाधिकार्यांनी/सामान्य प्रशासन विभागाने त्यांचेकडील अनुकंपा नियुक्तीच्या प्रतिष्ठा यादीतील
संबंधित प्रवर्गाच्या उमेदवारांची परस्पर ज्येष्ठतेनुसार त्या कार्यालयास नियुक्तीसाठी शिफारस करावी.

मात्र अशा नियुक्त्या संबंधित कर्मचाऱ्यांच्या जाती प्रमाणपत्र वैधतेच्या अधीन असतील. "जातीप्रमाणपत्र नंतर अवैध सिद्ध झाले तर कर्मचाऱ्यास सेवेतून तत्काळ कमी केले जाईल", अशी स्पष्ट अट नियुक्ती अधिकाऱ्यांनी संबंधितांच्या नियुक्ती आदेशात समाविष्ट करावी.

५. सदर नियुक्त्या भविष्यात वेळोवेळी विहित करण्यात येणाऱ्या कर्मचाऱ्यांचा भविष्य निर्वाह निधी, सेवानिवृत्ती वेतन इत्यादि बाबत शासन जे जे आदेश किंवा अटी निश्चित करेल त्या सर्व संघारता यापुढे अनुकंपा तत्वावर नियुक्त होणाऱ्या सर्व उमेदवारांसाठी लागू राहतील.

६. सदर अनुकंपा तत्वावर नियुक्त्या करण्यापूर्वी शासनाची मान्यता घेणे आवश्यक राहिल.

७. सदर शासन निर्णय, वित्त विभाग,अनीपचारिक संघर्ष क्र.३४९/२००२/व्यव-४, दिनांक २३/३/२००२ अन्वये दिलेल्या त्या विभागाच्या सहमतीने निर्गमित करण्यात येत आहेत.

महाराष्ट्रचे राज्यपाल यांचे आदेशानुसार व नांवाने,

प्रकाश लोखंडे
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

पति.

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, नवमहाराष्ट्र, मुंबई.

उप मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

सर्व मंत्री यांचे कार्यालय सचिव,

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वयं सहायक,

- प्रत्येक मंडळ कार्यालय, राज्य न्यायालय, मुंबई.
- प्रत्येक अर्जात कोर्टाच्या न्यायालय, मुंबई.
- प्रत्येक लोक सेवा आयोग व उप लोक सेवा आयोग यांचे कार्यालय, मुंबई.
- सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई.
- सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई.

सर्व उच्च न्याय सचिवालय सचिवालय,

महाराष्ट्र न्याय, महाराष्ट्र-१ (सेवा व प्रशासकीय), मुंबई.

महाराष्ट्र न्याय, महाराष्ट्र-१ (सेवा व प्रशासकीय), मुंबई.

महाराष्ट्र न्याय, महाराष्ट्र-२ (सेवा व प्रशासकीय), मुंबई.

महाराष्ट्र न्याय, महाराष्ट्र-२ (सेवा व प्रशासकीय), मुंबई.

अभियंता व सेवा अधिकारी, मुंबई.

निवृत्ती सेवा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.

मुख्य सेवा परीक्षा (निवृत्ती सेवा) कोटेशन यंत्र, मुंबई.

सर्व विभागीय कार्यालय.

सर्व निवृत्ती अधिकारी.

सर्व निवृत्ती परीक्षा व सर्व परीक्षा अधिकारी.

संयुक्त प्रशासन विभाग/संयुक्त १०, १३, १३-अ व १४-अ, १६, १६-अ, १४-अ, १४-अ, १६.

सर्व भौतिकीय विभाग (संयुक्त प्रशासन विभाग व अन्य).

निवृत्ती सेवा व भौतिकीय विभागाच्या नियंत्रणखालील सर्व विभाग व सर्व परीक्षा व प्रशासकीय विभाग.

संयुक्त प्रशासन विभागातील सर्व कार्यालये.

निवृत्ती सेवा व अन्य.

पत्राने.

— x — x — x —

शासकीय सेवेत असतांना दिवंगत/अकाली सेवानिवृत्त झालेल्या कर्मचा-यांच्या नातेवाईकास अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत.
विहित संगणक ज्ञानाची अर्हता प्राप्त करण्याविषयी

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक : अकंपा- १०००/प्र.क्र. ५९/२०००/आठ

मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२.

दिनांक : २१ नोव्हेंबर, २००२.

- वाचा: १) सामान्य प्रशासन विभाग, शासन निर्णय क्रमांक अकंपा- १०००/प्र.क्र. ५९/२०००/आठ, दिनांक २४-९-२००१.
- २) सामान्य प्रशासन विभाग, शासन निर्णय क्रमांक प्रशिक्षण- २०००/प्र.क्र. ५/२००१/३९, दिनांक २०-७-२००२

शासन निर्णय

संदर्भाधीन क्रमांक १ येथील शासन निर्णयातील परिच्छेद ३ अनुसार दिनांक २४-९-२००१ नंतर अनुकंपा तत्वावर गट 'क' मधील पदावर (वाहनचालक वगळून) नियुक्त झालेल्या/होणा-या उमेदवारांनी नियुक्तीच्या दिनांकापासून दोन वर्षांच्या आत विहित संगणक ज्ञानाची अर्हता प्राप्त करणे आवश्यक करण्यात आले आहे. सदर अट यापुढे देखील तशीच कायम राहिल.

२. सामान्य प्रशासन विभाग/कार्यासन- ३९ च्या वरील क्रमांक २ येथील शासन निर्णयाच्या अनुषंगाने सामान्य प्रशासन विभाग, शासन निर्णय दिनांक २४-९-२००१ मधील परिच्छेद ४ मध्ये खालीलप्रमाणे बदल करण्यात येत आहे.

दिनांक २४-९-२००१ रोजी किंवा त्यापूर्वी ज्या उमेदवारांना गट 'क' मधील पदांवर (वाहनचालक वगळून) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यात आलेली आहे त्यांना संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील दिनांक २० जुलै, २००२ च्या शासन निर्णयाच्या परिच्छेद १ मध्ये नमूद केलेल्या विविध माध्यमाद्वारे संगणक हाताळणी/वापराबाबतचे ज्ञान प्राप्त करून महाराष्ट्र राज्य तंत्र शिक्षण मंडळाच्या एम.एस- सी.आय.टी परीक्षा देवून व आणि ती परीक्षा उत्तीर्ण करून शासनास प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक आहे. त्यांनी

रेटा/एच-९४६(४,०००-११-०२)

[कृ. मा. प]

संगणक हाताळणी वापराबाबतचे प्रशिक्षण पूर्ण करून त्यासंदर्भातील प्रमाणपत्र सादर करण्याची संदर्भाधीन क्रमांक १ येथील दिनांक २४-९-२००१ च्या शासन निर्णयान्वये विहित केलेली मुदत आता दिनांक ३१ डिसेंबर, २००२ ऐवजी दिनांक २० जुलै, २००३ पर्यंत वाढविण्यात येत आहे.

३. सर्व नियुक्ती अधिका-यांनी वरील निदेशांचे कटाक्षाने पालन करावे.

महाराष्ट्र राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने

प्रकाश लोखंडे
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन मलबार हिल, मुंबई .

मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव.

उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव.

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहायक.

- * प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई .
- * प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई.
- * प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई.
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग , मुंबई.
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई.
- सर्व अपर मुख्य सचिव / प्रधान सचिव / सचिव.
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व हक्कदारी), मुंबई.
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-१, (लेखा व परीक्षा), मुंबई.
- महालेखापाल महाराष्ट्र-२ (लेखा व हक्कदारी), नागपूर.
- महालेखापाल महाराष्ट्र-२ (लेखा व परीक्षा), नागपूर.
- अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई.
- निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.
- मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे) कोकण भवन , नवी मुंबई.
- सर्व विभागीय आयुक्त.
- सर्व जिल्हाधिकारी.
- सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
- सामान्य प्रशासन विभाग /कार्यासन १२, १३-अ, १४-अ, १९ २८, २८-अ, ३४, ३४-अ, ३७
- सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने
- सर्व मंत्रालयीन विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग धरून)
- निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख
- निवड नस्ती/कार्यासन आठ
- * पत्राने

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक. अकंपा-१००१/प्र. क्र. ५/२००३/आठ,
मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२
दिनांक : २२ जानेवारी, २००३.

- संदर्भ:- (१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक. अकंपा-१०१३/२३३५/
प्र. क्र. ९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४.
(२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक. अकंपा-१०१३/२३३५/
प्र. क्र. ९०/९३/आठ, दिनांक १२ मार्च, १९९७.
(३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक. अकंपा-१०००/प्र. क्र. २०/
२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१.
(४) शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्रमांक. असंक-१००१/प्र. क्र. २२/२००१/
वित्तीय सुधारणा, दिनांक १० सप्टेंबर, २००१.
(५) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक. अकंपा-१००१/प्र. क्र. ५/
२००२/आठ, दिनांक ३० जुलै, २००२.
(६) शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्रमांक. असंक-१००१/प्र. क्र. २९(भाग-३)/
२००२/वित्तीय सुधारणा, दिनांक ९ जानेवारी, २००३.

शासन निर्णय

संदर्भाधीन क्रमांक:४ येथील वित्त विभागाच्या शासन निर्णय, दिनांक १० सप्टेंबर, २००१ च्या परिच्छेद ३.२ मधील तरतुदीच्या अनुषंगाने गट 'क' व 'ड' मधील मागासवर्गीय उमेदवारांची रिक्त पदे अनुकंपा तत्यावरील नियुक्तीसाठी जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभाग यांचेकडील एकत्रित प्रशिक्षा सूचीतून भरण्याबाबत संदर्भाधीन क्रमांक ५ येथील दिनांक ३० जुलै, २००२ च्या शासन निर्णयाद्वारे आदेशित करण्यात आलेले आहे. सदर शासन निर्णयातील परिच्छेद ६ मधील खालील अट शासन निर्णयातून वगळण्यात येत आहे:-

" सदर अनुकंपा तत्यावर नियुक्त्या करण्यापूर्वी शासनाची मान्यता घेणे आवश्यक राहिल. "

२. संदर्भाधीन दिनांक ३० जुलै, २००२ च्या आदेशातील वरील अट त्या आदेशातून वगळण्यात आल्यामुळे मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित पदांकरिता प्राप्त होणाऱ्या मागणीपत्राचे संदर्भात जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभागाच्या शिफारशी विचारात घेवून संबंधित नियुक्ती प्राधिकार्यांनी शिफारस केलेल्या मागासवर्गीय उमेदवारांना गट 'क' व 'ड' मधील पदांवर परस्पर नियुक्ती देण्यास प्रत्ययाद राहणार नाही. मात्र असे मागणीपत्र पाठविण्यापूर्वी संबंधित नियुक्ती अधिकाऱ्यांनी संदर्भाधीन क्रमांक ६ येथील वित्त विभागाच्या दिनांक ९ जानेवारी, २००३ च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे अतिरिक्त संवर्ग कक्षाकडे कर्मचारी उपलब्ध भरल्याबाबतचे "बाह्यकत प्रमाणपत्र" प्राप्त करणे आवश्यक राहिल.

३. सदर शासन निर्णय वित्त विभागाच्या अनौपचारिक संदर्भ क्रमांक १/२००३, दि.सु.दिनांक ९ जानेवारी, २००३ अन्वये दिलेल्या सहमतीनुसार निर्गमित करण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांचे आदेशानुसार व नादाने,

प्रकाश सोखंडे
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन मलबार हिल, मुंबई - ४०० ०३२.

मुख्य मंत्री यांचे सचिव.

सर्व मंत्री यांचे खाजगी सचिव.

सर्व राज्यमंत्री यांचे स्वीय सहायक.

- * प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई
- * प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई
- * प्रबंधक, लोकआयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई .
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग , मुंबई.
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानपरिषद सचिवालय, मुंबई.
महालेखापाल, महाराष्ट्र -१ (लेखा व हक्कदारी), मुंबई.
महालेखापाल, महाराष्ट्र-१, (लेखा परीक्षा), मुंबई.
महालेखापाल महाराष्ट्र-२ (लेखा व हक्कदारी), नागपूर.
महालेखापाल महाराष्ट्र-२ (लेखा परीक्षा), नागपूर.
अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई.
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे) कोकण भवन , नवी मुंबई.
सर्व विभागीय आयुक्त.
पोलीस महासंचालक, महाराष्ट्र राज्य
पोलीस आयुक्त, मुंबई,
गृह विभाग (पोल- ५ ब) (पोल- ५ अ)
सर्व जिल्हाधिकारी.
सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
सामान्य प्रशासन विभाग /कार्यासन १२ व १४-अ.
सर्व मंत्रालयीन विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग धरून)
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.

* पत्राने

शासकीय सेवेत अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याबाबत**महाराष्ट्र शासन**

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन निर्णय, क्रमांक:अकंपा-१००३/प्र.क्र.२५/२००३/आठ,

मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२

दिनांक: १३ जून, २००३.

- संदर्भ:- (१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०९३/२३३५/
प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४,
- (२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०९३/२३३५/
प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक १२ मार्च, १९९७,
- (३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/
२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१,
- (४) शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्रमांक:असंक-१००१/प्र.क्र.२९/२००१/
वित्तीय सुधारणा, दिनांक १० सप्टेंबर, २००१
- (५) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१००१/प्र.क्र.५
२००२/आठ, दिनांक ३० जुलै, २००२
- (६) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१००१/प्र.क्र.५/२००२/आठ,
दिनांक: २२ जानेवारी, २००३
- (७) शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:एसआरव्ही-२००३/प्र.क्र.३/०३/१२
दिनांक: १० मार्च, २००३

शासन निर्णय

मागासवर्गीयांसाठी राखीव ठेवलेली पदे/मागासवर्गीयांचा अनुशेष भरून काढण्याच्या धोरणाचा एक भाग म्हणून गट 'क' व 'ड' मधील शासकीय सेवेतील अनुशेषांच्या पदांवर अनुकंपा तत्वावरिल नियुक्तीसाठी ठेवण्यात आलेल्या एकत्रित प्रतिष्ठासूचीतील संबंधित मागासवर्ग प्रवर्गांच्या उमेदवारांची नियुक्ती करण्याबाबतचे निदेश संदर्भाधीन क्रमांक-५ व ६ येथील अनुक्रमे दिनांक ३० जुलै, २००२ व २२ जानेवारी, २००३ चे शासन निर्णयाव्दारे देण्यात आले होते.

संदर्भाधीन क्रमांक-४ येथील वित्त विभागाच्या दिनांक १० सप्टेंबर, २००१ च्या शासन निर्णयातील निदेशानुसार कार्यालयातील/विभागातील सर्व पदांचा आढावा पूर्ण होऊन आकृतिबंधास उच्चस्तर सचिव समितीची मान्यता मिळाल्यावर, त्याबाबतचे आदेश निर्गमित झाल्याशिवाय त्या त्या आस्थापनेवरील पदे भरण्यावर निर्बंध घालण्यात आलेले आहेत. सदर निर्बंध अद्यापही कायम आहेत. वर नमूद केलेल्या संदर्भाधीन क्रमांक-५ व ६ येथील शासन निर्णयामुळे अनुकंपा तत्वावरिल एकत्रित प्रतिष्ठासूचीतील मागासवर्गीय उमेदवारांची राखीव पदांवर नियुक्तीसाठी शिफारस होत असली तरी आकृतिबंध निश्चित झाल्याशिवाय खुल्या प्रवर्गातील उमेदवारांची नियुक्ती करणे शक्य होत नाही. या सर्व परिस्थितीचा विचार करून शासन आता खालीलप्रमाणे सुधारित आदेश देत आहे:-

१) संदर्भाधीन क्रमांक- ५ व ६ येथील दिनांक ३० जुलै, २००२ आणि २२ जानेवारी, २००३ चे शासन निर्णय आता रद्द करण्यात येत आहेत. त्याऐवजी शासन असे आदेशित करित आहे की, ज्या विभागांच्या/कार्यालयांच्या पदांचा आढावा पूर्ण झालेला आहे आणि उच्चस्तर सचिव समितीने आकृतिबंध मान्य केलेला आहे त्या विभागातील/कार्यालयातील गट 'क' व 'ड' च्या एकूण पदसंख्येपैकी ५ टक्के एवढी पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरता येतील.

२) ही ५ टक्के पदे भरतांना ती संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील दिनांक १२ मार्च, १९९७ च्या शासन निर्णयाव्दारे विहित केलेल्या कार्यपध्दतीनुसार संबंधित एकत्रित प्रतिष्ठासूचीतील क्रमानुसार शिफारशी करून भरण्यात यावीत. ही ५ टक्के पदे भरतांना मागासवर्गीय किंवा अमागासवर्गीय असा मेदानेद न करता प्रतिष्ठासूचीतील क्रमानुसारच भरण्यात यावीत.

३) वरीलप्रमाणे मंजूर आकृतिबंधाच्या अनुषंगाने गट 'क' व 'ड' ची एकूण ५ टक्के पदे भरण्यास शासनाने मान्यता दिली असल्याने संदर्भाधीन क्रमांक-३ येथील दिनांक २८ मार्च, २००१ च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद

१(ड) मध्ये नमूद करण्यात आल्याप्रमाणे अशा नियुक्त्या करण्यापूर्वी 'शासनाची पूर्व मान्यता घेण्याची' आवश्यकता राहणार नाही. त्यामुळे सदर अट रद्द करण्यात येत आहे..

३. मुंबई उच्च न्यायालयाच्या औरंगाबाद खंडपीठाने याधिका क्रमांक:४/२००० आणि ८३/२००३ चे संदर्भात दिनांक २८ फेब्रुवारी,२००३ रोजी दिलेल्या निर्णयानुसार रोजगार हमी योजनेतील सर्व हजेरी सहाय्यकांचे नियोजन विभागाच्या शासन निर्णय, क्रमांक-हसका-१३१४/प्र.क्र.१८५/रोहयो-३,दिनांक १ डिसेंबर,१५ च्या आदेशानुसार शासन/जिल्हा परिषद/पंचायत समित्यांच्या सेवेतील वर्ग-३ व वर्ग-४ च्या पदावरील समावेशान पूर्ण होईपर्यंत तांत्रिक व शिक्षण सेवक/सहायक शिक्षक ही पदे वगळून वर्ग ३ व ४ मधील अन्य पदे भरण्यास जी स्थगिती दिलेली आहे; ती स्थगिती उठल्यावर/शिथिल झाल्यावर वरीलप्रमाणे अनुकंपा तत्वावरील नियुक्त्या करता येतील. तथापि, जोपर्यंत ही स्थगिती शिथिल होत नाही तोपर्यंत संदर्भाधीन क्रमांक-७ येथील दिनांक १० मार्च,२००३ चे वर्ग-३ व ४ मधील अतांत्रिक पदे भरण्यावरील स्थगितीचे आदेश यापुढेही अमलात राहतील.

४. सदर शासन निर्णय,वित्त विभागाच्या अनीपधारीक संदर्भ क्रमांक:४०१/०३/विसू-१,दिनांक ९ मे,२००३ अन्वये दिलेल्या सहमतीनुसार निर्गमित करण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांचे आदेशानुसार व नावाने

प्रकाश मोहंते
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई,
मुख्य मंत्री यांचे प्रधान सचिव,
उप मुख्य मंत्री यांचे प्रधान सचिव,
सर्व मंत्री/राज्य मंत्री यांचे खाजगी सचिव,
* प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मूळ शाखा, मुंबई,
* प्रबंधक, उच्च न्यायालय, अपील शाखा, मुंबई,
* प्रबंधक, लोकायुक्त व उप लोकायुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
* सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,
* सचिव, महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
* सचिव, महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय (विधान परिषद) मुंबई,
* राज्य निवडणूक आयोग, राज्य निवडणूक आयोग, मधील प्रशासकीय भवन, मंत्रालयासमोर, मुंबई,
महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा), महाराष्ट्र, मुंबई,
महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा), महाराष्ट्र, नागपूर,
महालेखापाल-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
महालेखापाल-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, नागपूर,
शासनाचे सर्व अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
अधिवान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखा) कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त,
सर्व जिल्हाधिकारी,
सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
सर्व मंत्रालयीन विभाग,
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.

* पत्राने.

एच-३४४(५०००-६-०३)१अ.

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन परिपत्रक, क्रमांक:अकंपा-१००३/प्र.क्र. ५१/२००३/आठ,

मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२

दिनांक : २९ ऑक्टोबर, २००३

- संदर्भ :- १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४.
- २) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक १२ मार्च, १९९७.
- ३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१.
- ४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:अकंपा-१००३/प्र.क्र.२५/२००३/आठ, दिनांक १३ जून, २००३

परिपत्रक

शासन सेवेत असतांना दिवंगत/सक्षम वैद्यकीय प्राधिकाऱ्याच्या प्रमाणपत्राच्या आधारे रुग्णता संचालित गट 'क' व 'ड' च्या कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना काही अटी व शर्तीच्याअधीन राहून अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासंबंधी संदर्भाधीन १ ते ४ मधील शासन निर्णयात सविस्तर सूचना देण्यात आलेल्या आहेत.

२. अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीसाठी उमेदवारांना प्रचलित तरतुदीनुसार कमाल वयोमर्यादेची अट दिहित करण्यात आलेली नाही. त्याशिवाय केवळ कर्मचाऱ्यांच्या विषयांना केवळ गट 'ड' मधील पदावर नियुक्ती करावयाची असल्यास शैक्षणिक अर्हतेची अट शिथिल करण्याची तरतूद संदर्भाधीन क्रमांक १ येथील दिनांक २६-१०-१९९४ च्या शासन निर्णयात केलेली आहे. या व्यतिरिक्त अनुकंपा नियुक्तीसाठी कोणत्याही अटी व शर्ती शिथिल करण्यात आलेल्या नाहीत. सदर दिनांक २६-१०-१९९४ च्या शासन निर्णयात अनुकंपा नियुक्तीकरिता इतर कोणतीही अट शिथिल करण्यास शासन सक्षम नाही असा स्पष्ट उल्लेख केलेला आहे.

३. शासन निर्णयातील सदर तरतुदी खुस्पष्ट असतांना देखील बऱ्याच विभागांकडून कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्तीकरिता वर नमूद केलेल्या अटीव्यतिरिक्त इतर अटी शिथिल करण्याकरिता सातत्याने प्रस्ताव प्राप्त होत असतात. अटी व शर्ती शिथिल करण्याचे अधिकार शासनाला असतांना देखील अशा स्वरूपाचे प्रस्ताव विचारात घेण्यामुळे शासनाच्या आदेशांचे उल्लंघन होते आणि अनुकंपाच्या अटी शिथिलक्षम आहेत असा गैरसमज पसरतो. परंतु या अटी व शर्ती शिथिलक्षम असल्याने ही सर्व प्रकरणे सामान्य प्रशासन विभागात असून केली जातात. नियमांना धरून नसलेली प्रकरणे/शासन संचालन संचाली प्रकरणे यास्तव विभागांनी सामान्य प्रशासन विभागाकडे सादर करू नयेत. केवळ गट 'ड' मधील नियुक्तीसाठी कर्मचाऱ्यांच्या विषयांना शैक्षणिक अर्हतेत जी शिथिलता दिली आहे ती बगळता अन्य कोणत्याही अटी व शर्ती शिथिल करण्याचे कोणतेही प्रस्ताव विभागांनी विचारात घेऊ नयेत अशा सूचना या परिपत्रकाद्वारे सर्व नियुक्ती अधिकाऱ्यांना देण्यात येत आहेत.

क. ग. घ.

सेवा/एच-८७१(०,०००-१०-०३)

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन परिपत्रक क्र.अकंपा-१००३/प्र.क्र.५९/२००३/आठ,

मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२

दिनांक: ३० जानेवारी, २००४

- वाचा:- १) शासन निर्णय, नियोजन विभाग, क्रमांक: हसका-१३९४/प्र.क्र.१८५/
रोहयो-३, दि. १ डिसेंबर, १९९५
- २) शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्र: असंक-१००१/प्र.क्र.२९/२००१/वित्तीय सुधारणा,
दि. १० सप्टेंबर, २००१
- ३) शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र: एसआरव्ही-२००३/प्र.क्र.३/
२००३/१२, दि. १० मार्च, २००३
- ४) शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. एसआरव्ही-२००३/प्र.क्र.३/
२००३/१२, दि. १ ऑगस्ट, २००३
- ५) शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. एसआरव्ही-२००३/प्र.क्र.३/
२००३/१२, दि. ३० ऑक्टोबर, २००३
- ६) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र.अकंपा-१००३/प्र.क्र.२५/
२००३/आठ, दि. १३ जून, २००३
- ७) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र: संकीर्ण-१००३/प्र.क्र.९६/२००३/१३-अ,
दि. १९ नोव्हेंबर, २००३.
- ८) शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. एसआरव्ही-२००३/प्र.क्र.३/
२००३/१२, दि. २ डिसेंबर, २००३

परिपत्रक

मा. उच्च न्यायालय खंडपीठ औरंगाबाद यांनी एलपीए-८३/२००३ मध्ये दिलेल्या निर्देशानुसार संदर्भाधीन क्रमांक ३ येथील दिनांक १० मार्च, २००३ च्या परिपत्रकानुसार राज्यातील हजेरी सहाय्यकांचे शासकीय, जिल्हा परिषद तसेच पंचायत समित्यांतील पदांवर समावेशन पूर्ण होईपर्यंत वर्ग-३ व वर्ग-४ ची अतांत्रिक पदे भरण्यास स्थगिती देण्यात आली होती. हजेरी सहाय्यकांचे असे समावेशन संदर्भाधीन क्रमांक १ येथील नियोजन विभागाच्या दिनांक १ डिसेंबर, १९९५ च्या शासन निर्णयातील तरतुदीनुसार करावयाचे होते.

संदर्भाधीन क्रमांक ४ येथील दिनांक १ ऑगस्ट, २००३ च्या परिपत्रकान्वये मा. उच्च न्यायालय खंडपीठ औरंगाबाद यांच्या निदेशानुसार मागासवर्गीयांचा अनुशेष भरून काढण्याकरिता मागासवर्गीय हजेरी सहाय्यकांनंतर अनुकंपा, स्वातंत्र्य सैनिकांचे पाल्य, प्रकल्पग्रस्त, अंशकालीन कर्मचारी यांच्या सूचीतील मागासवर्गीय उमेदवारांच्या नियुक्त्या करण्याबाबत निदेश देण्यात आले होते.

तद्नंतर संदर्भाधीन क्रमांक ५ येथील दिनांक ३० ऑक्टोबर, २००३ च्या परिपत्रकाद्वारे रोजगार हमी योजनेतील खुल्या तसेच मागासवर्गीय हजेरी सहाय्यकांचे शासन, जिल्हा परिषदा तसेच पंचायत समित्यांच्या सेवेतील वर्ग-३ व वर्ग-४ चे पदांवर समावेशन करण्यासंबंधी सुस्पष्ट सूचना देण्यात आलेल्या

आहेत. मागासवर्गीय सर्व हजेरी सहाय्यकांचे समावेशन झाल्याची माहिती उपलब्ध झाली असून, खुल्या प्रवर्गातील हजेरी सहाय्यकांचे समावेशन करण्याची प्रक्रिया अद्याप चालू आहे.

२. मुंबई उच्च न्यायालयाच्या औरंगाबाद खंडपीठाने दिलेल्या निर्देशानुसार सर्व हजेरी सहाय्यकांचे समावेशन पूर्ण होईपर्यंत खुल्या प्रवर्गातील इतर कर्मचाऱ्यांच्या नियुक्त्या करता येत नसल्याने शासकीय कार्यालये/जिल्हा परिषद तसेच पंचायत समित्यांतील सर्व नियुक्ती अधिकाऱ्यांनी पदांच्या आढाव्यानंतर उच्चस्तर सचिव समितीने तयार केलेल्या आकृतिबंधातील वर्ग-३ व वर्ग-४ ची रिक्त पदे प्राथम्याने हजेरी सहाय्यकांच्या समावेशनाने भरणे आवश्यक आहे. याप्रकारे मागासवर्गीय तसेच खुल्या प्रवर्गातील सर्व हजेरी सहाय्यकांचे शासकीय/जिल्हा परिषद तसेच पंचायत समित्यातील वर्ग-३ व वर्ग-४ मधील पदांवर समावेशन पूर्ण झाल्यावर खुल्या प्रवर्गातील वर्ग-३ व वर्ग-४ ची पदे भरण्यासंबंधी शासन खालीलप्रमाणे निर्देश देत आहे:-

१) संदर्भाधीन क्रमांक ५ येथील दिनांक ३० ऑक्टोबर, २००३ च्या परिपत्रकानुसार दिलेल्या सूचनांचे पालन करून खुल्या तसेच मागासवर्गीय सर्व हजेरी सहाय्यकांचे समावेशन झाल्यानंतर संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील वित्त विभागाच्या दिनांक १० सप्टेंबर, २००९ च्या आदेशानुसार पदांचा आढावा होवून उच्चस्तर सचिव समितीने मंजूर केलेल्या आकृतिबंधाच्या मर्यादेतील वर्ग-३ व वर्ग-४ ची खुल्या प्रवर्गातील रिक्त पदे प्रथम वित्त विभागाच्या अतिरिक्त संवर्गातील कर्मचाऱ्यांच्या नियुक्तीने भरण्यात यावीत.

२) अतिरिक्त संवर्गात पात्र व योग्य उमेदवार उपलब्ध नसल्याचे ना हरकत प्रमाणपत्र वित्त विभागाकडून प्राप्त झाल्यानंतर खुल्या प्रवर्गातील उर्वरित रिक्त पदे खाली नमूद केलेल्या प्राथम्य क्रमानुसार त्या त्या प्रवर्गाच्या उमेदवारांमधून विहित कार्यपध्दतीचे पालन करून भरता येतील.

- अ) अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीच्या प्रतीक्षा सूचीतील उमेदवार
- ब) जनगणना कर्मचारी
- क) अंशकालीन पदवीधर कर्मचारी
- ड) प्रकल्पग्रस्त.

वरील प्राथम्य क्रमानुसार अर्हता व पात्रता धारण करणाऱ्या उमेदवारांची भरती करतांना त्या त्या प्रवर्गासाठी शासनाने वेळोवेळी निर्गमित केलेल्या सूचनांचे पालन कटाक्षाने करावे तसेच त्यासाठी विहित केलेल्या कार्यपध्दतीचा अवलंब करावा. त्यानुसार संबंधित नियुक्ती अधिकाऱ्यांनी संबंधित जिल्हा/अधिकाऱ्यांकडे/सक्षम प्राधिकाऱ्यांकडे उमेदवारांची सुस्पष्ट मागणी नोंदवावी आणि उमेदवार उपलब्ध होताच त्यांची तातडीने नियुक्ती करावी.

३. हजेरी सहाय्यक आणि त्यानंतर अतिरिक्त संवर्गातील उमेदवारांनंतर अनुकंपा तत्वावरील उमेदवारांच्या प्राथम्याने नियुक्त्या करावयाच्या असल्याने संदर्भाधीन क्रमांक ६ येथील दिनांक १३ जून, २००३ च्या शासन निर्णयातील अनुकंपा धारकांच्या नियुक्तीकरिता जी ५ टक्के पदाची मर्यादा विहित केली होती ती मर्यादा आता रद्द करण्यात येत आहे. त्यामुळे उपलब्ध रिक्त पदे अनुकंपा तत्वावरील उमेदवारांच्या नियुक्तीने भरण्यास कोणतीही मर्यादा राहणार नाही.

४. संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील वित्त विभागाच्या दिनांक १० सप्टेंबर, २००९ च्या शासन निर्णयातील तरतुदीनुसार पदांचा आढावा पूर्ण होवून उच्चस्तर सचिव समितीकडून आकृतिबंध निश्चित झालेल्या कार्यालये/विभागातील आकृतिबंधानुसार रिक्त पदे भरण्यासाठी पुन्हा शासनाची मान्यता घेण्याची आवश्यकता राहणार नाही. त्यामुळे संबंधित नियुक्ती अधिकारी मंजूर आकृतिबंधाच्या मर्यादेतील वर्ग-३ व

वर्ग-४ ची रिक्त पदे वरील परिच्छेदातील निदेशानुसार संबंधित प्राधिकाऱ्यांकडे मागणी करून भरू शकतील.

५. वरील परिच्छेद १ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे सर्व हजेरी सहाय्यकांचे समावेशन पूर्ण झाल्यावर तसेच परिच्छेद २ मध्ये नमूद केलेल्या अतिरिक्त संवर्ग आणि इतर प्रवर्गात नियुक्तीसाठी अर्हताधारक पात्र उमेदवार उपलब्ध नसल्यास वर्ग-३ व वर्ग-४ ची अशी पदे खुल्या स्पर्धेतून भरण्याकरिता संदर्भाधीन क्रमांक ७ येथील दिनांक १९ नोव्हेंबर, २००३ च्या आदेशातील निदेशांप्रमाणे कार्यवाही करावी.

६. सर्व नियुक्ती अधिकाऱ्यांनी वरील सुचनांचे काटेकोर पालन करून त्यांचेकडील रिक्त पदांवर सर्व प्रथम सर्व हजेरी सहाय्यकांना सामावून घ्यावे त्यानंतर अतिरिक्त संवर्ग; अनुकंपा, जनगणना कर्मचारी, अंशकालीन कर्मचारी याप्रमाणे सुयोग्य खुल्या प्रवर्गातील उमेदवारांच्या नियुक्त्या कराव्यात. मात्र हजेरी सहाय्यकांचे समावेशन पूर्ण झाल्याशिवाय इतर प्रवर्गातील उमेदवारांच्या नियुक्त्या करता येणार नाहीत. त्यामुळे मा. उच्च न्यायालयाच्या औरंगाबाद खंडपीठाच्या निर्देशांची अवमानना होणार नाही याची संबंधितांनी दक्षता घ्यावी..

७. सर्व विभागीय आयुक्त, जिल्हाधिकारी, जिल्हापरिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांनी उपरोक्त निदेश त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील सर्व नियुक्ती अधिकाऱ्यांच्या निदर्शनास आणून देवून या निदेशांचे काटेकोर पालन होत असल्याची खात्री करावी.

८. हे आदेश वित्त विभागाच्या अनौपचारिक संदर्भ क्रमांक-२९/०४/विसु-१, दिनांक १६ जानेवारी, २००४ अनुसार दिलेल्या सहमतनुसार निर्गमित करण्यात येत आहेत.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

प्र. कृ. लोखंडे
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई,
मुख्य मंत्री यांचे प्रधान सचिव,
उप मुख्य मंत्री यांचे प्रधान सचिव,
सर्व मंत्री/राज्य मंत्री यांचे खाजगी सचिव,

- * प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मूळ शाखा, मुंबई,
- * प्रबंधक, उच्च न्यायालय, अपील शाखा, मुंबई,
- * प्रबंधक, लोकायुक्त व उप लोकायुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,
- * प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
- * सचिव, महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय (विधान परिषद) मुंबई,
- * राज्य निवडणूक आयुक्त, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मंत्रालयासमोर, मुंबई,
महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा), महाराष्ट्र, मुंबई,
महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा), महाराष्ट्र, नागपूर,
महालेखापाल-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,

महालेखापाल-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, नागपूर,
मुख्य सचिव,
शासनाचे सर्व अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे) कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त,
सर्व जिल्हाधिकारी,
सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
सर्व मंत्रालयीन विभाग,
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.

राज्यशासन सेवेतील अनुकंपा नियुक्तीची
योजना.

प्रचलित कार्यपध्दती व योजनेच्या तरतुदीत
सुधारणा करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक: अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ
मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२
दिनांक: २२ ऑगस्ट, २००५

- संदर्भ:- १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,
दिनांक: २६ ऑक्टोबर, १९९४
२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,
दिनांक १२ मार्च, १९९७
३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ,
दिनांक २८ ऑगस्ट, २००१
४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१००३/प्र.क्र.५९/२००३/आठ,
दिनांक ३० जानेवारी, २००४

शासकीय कर्मचारी सेवेत असतांना दिवंगत झाल्यास किंवा गंभीर आजारामुळे/अपघातामुळे
शासकीय सेवा करण्यास वैद्यकीयदृष्ट्या कायमचे असमर्थ ठरून रुग्णता निवृत्त झाल्यास त्यांच्या कुटुंबावर
ओढवणाऱ्या आपत्तीत कुटुंबियांना त्वरीत सहाय्य व्हावे ह्या उद्देशाने प्रथम १९७६ मध्ये अनुकंपा नियुक्तीची
योजना सुरु करण्यात आली. या योजनेचा वेळोवेळी आढावा घेवून मार्च, १९८५ तसेच ऑक्टोबर, १९९४ मध्ये
योजनेत सुधारणा करण्यात आल्या.

संदर्भाधीन क्रमांक: १ येथील दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४ च्या शासन निर्णयान्वये अनुकंपा
नियुक्तीची सुधारीत योजना अमलात आली. त्यानुसार अनुकंपा धारकांना नियुक्ती देण्याचे अधिकार
संबंधित नियुक्ती प्राधिकार्यांना देण्यात आले होते. त्यामुळे नियुक्ती अधिकाऱ्यांकडेच गट 'क' व 'ड'
मधील पदांवर नियुक्तीसाठी प्रतिकासूची ठेवण्यात येत होत्या. मात्र सर्वच कार्यालयांमध्ये रिक्त पदे उपलब्ध
होण्याचे प्रमाण त्याप्रमाणात नव्हते. तसेच त्यात सुसूत्रता नव्हती. त्यामुळे जिल्ह्यातील सर्व शासकीय
कार्यालयांतील अनुकंपा नियुक्त्यांचे सुसूत्रीकरण करण्यासाठी तसेच सर्वच अनुकंपा धारकांस नियुक्तीच्या
समान संधी मिळाव्यात, त्यास विलंब होवू नये या कारणासाठी जिल्हाधिकार्यांकडे जिल्ह्यातील सर्व
कार्यालयांतील अनुकंपाधारकांची गट 'क' व 'ड' ची स्थिति परंतु सामायिक प्रतिकासूची ठेवावी व
जिल्ह्यातील सर्व कार्यालयात उपलब्ध होणाऱ्या पदांवर संबंधित नियुक्ती अधिकाऱ्यांच्या मागणीनुसार या
सामायिक सूचीतील अनुकंपाधारकांची शिफारस करावी अशा स्वरूपाची कार्यपध्दती संदर्भाधीन क्रमांक: २
येथील दिनांक १२ मार्च, १९९७ च्या शासन निर्णयान्वये विहित केली होती. तथापि, या कार्यपध्दतीतही
नियुक्त्यांना विलंब होतो तसेच उपलब्ध होणाऱ्या पदांची मर्यादा इत्यादी कारणास्तव या कार्यपध्दतीत बदल
करण्याचे शासनाच्या विचाराधीन होते.

मा.सर्वोच्च न्यायालयांनी दिलेल्या विविध निर्णयानुसार अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती हा
कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबाचा "वारसा हक्क" होत नाही. कुटुंबाची अंत्यत हलाखीची स्थिती असल्यास अगदी
अपवादात्मक परिस्थितीतच विहित कार्यपध्दतीशिवाय अनुकंपा नियुक्ती करता येईल तसेच काही कालावधी
उलटून गेल्यावर अनुकंपा नियुक्ती अनुज्ञेय राहत नाही अशा आशयाचे सर्वोच्च न्यायालयाचे निर्णय
विचारात घेवून अनुकंपा नियुक्तीच्या प्रचलित पध्दतीत काही सुधारणा करण्याचे शासनाच्या विचाराधीन
होते. संदर्भाधीन क्रमांक: १ येथील दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४ च्या शासन निर्णयप्रमाणेच संदर्भाधीन
क्रमांक: ३ येथील दिनांक २८ मार्च, २००१ च्या शासन निर्णयानुसार विहित अटीचे पुनरावलोकन करून

सुधारणा करण्याचे देखील शासनाच्या विचाराधीन होते. या सर्व दार्बीया विचार करून शासन आता पुढीलप्रमाणे आदेश देत आहे:-

शासन निर्णय

१. संदर्भाधीन क्रमांक:२ येथील शासन निर्णय,दिनांक १२ मार्च,१९९७ अन्वये विहित केलेल्या, जिल्ह्यात सर्व शासकीय कार्यालयांतील पात्र उमेदवारांची अनुकंपा नियुक्त्यांसाठी संबंधित सर्व जिल्हाधिकाऱ्यांकडे गट 'क' व 'ड' साठी आणि बृहन्मुंबईतील कार्यालयांसाठी गट 'क' करिता सामान्य प्रशासन विभागाकडे सामायिक प्रतिक्षासूची ठेवण्याच्या सध्याच्या विहित कार्यपध्दतीत अंशतः सुधारणा करून जिल्हाधिकाऱ्यांकडील अशा सामायिक प्रतिक्षासूचीबरोबरच संबंधित नियुक्ती प्राधिकार्यांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्राकरिता गट 'क' व 'ड' करिता प्रतिक्षासूची ठेवण्याची दहेरी प्रतिक्षासूचीची कार्यपध्दती अंमलात आणण्याचा निर्णय शासनाने घेतला आहे. त्यासंबंधी कार्यवाही खालीलप्रमाणे करण्यात यावी:-

(अ) जिल्हाधिकाऱ्यांकडे/सामान्य प्रशासन विभागाकडे असलेल्या सध्याच्या सामायिक प्रतिक्षासूची ह्या अनुकंपा नियुक्त्यांच्या समन्वयासाठी आणि आढाव्यासाठी यापुढेही ताशाच चालू ठेवाव्यात. मात्र सामायिक प्रतिक्षा सूचीत समाविष्ट असलेले उमेदवार मूळ ज्या ज्या कार्यालय/विभागाकडून आले होते त्यांची नावे त्या त्या संबंधित मूळ कार्यालय/विभाग यांना त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील गट 'क' आणि 'ड' मधील पदांवर नियुक्तीसाठी स्वतंत्र प्रतिक्षासूची ठेवण्यासाठी कळवावीत. ही नावे मूळ कार्यालयांना परत कळवितांना त्यांचा परस्पर क्रम हा मूळ प्रतिक्षासूचीनुसार असावा. उदा: सामायिक सूचीत क्र.७,१३,२१ येथील उमेदवार एकाच कार्यालयाचे असतील तर त्या कार्यालयास नावे परत कळवितांना क्र.७ येथील उमेदवार पहिला; क्रमांक १३ येथील उमेदवार दुसरा व क्रमांक २१ येथील उमेदवार तिसरा याप्रमाणे यादी करून ती मूळ विभागास कळवावी.

सर्व जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभाग यांनी सदर कार्यवाही एक महिन्याच्या कालावधीत पूर्ण करावी.

(आ) गट 'क' तसेच गट 'ड' मधील पदांवर नियुक्तीसाठीच्या सामायिक प्रतिक्षासूचीतील उमेदवारांच्या वरीलप्रमाणे दोन वेगवेगळ्या याद्या करून मूळ विभाग/कार्यालयांना कळवाव्यात.

(इ) मूळ विभाग/कार्यालयास जिल्हाधिकाऱ्यांकडून अशा याद्या प्राप्त आल्यावर गट 'क' व 'ड' मधील पदांवरील नियुक्तीसाठी सक्षम नियुक्ती प्राधिकारी (कार्यालय किंवा विभाग प्रमुख इत्यादी) त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील उपलब्ध गट 'क' व 'ड' च्या रिक्त पदांवर पदासाठी विहित अटी व शर्ती पूर्ण करण्याच्या उमेदवारांना या यादीतील क्रमानुसार नियुक्त करू शकतील. मात्र उमेदवारांच्या नियुक्त्या केल्यानंतर त्या उमेदवारांची नावे जिल्हाधिकाऱ्यांकडील सामायिक प्रतिक्षासूचीतून वगळण्यासाठी संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांना लगेच कळवावीत.

बृहन्मुंबईतील गट 'क' मधील नियुक्ती प्राधिकारी यांनी त्यांचेकडील निपुट्यांबाबतची माहिती सामान्य प्रशासन विभागाच्या कार्यासन १४-अ ला कळवावी.

(उ) सापुढे अनुकंपाची प्रकरणे ज्या कार्यालयात/विभागात होतील त्या प्रकरणांच्या छाननीनंतर पात्र उमेदवारांची नावे संबंधित नियुक्ती अधिकाऱ्यांकडील गट 'क' व 'ड' प्रतिक्षासूचीत समाविष्ट करण्यात यावीत. त्याचप्रमाणे ज्या तारखेस अशी नावे कार्यालयाच्या प्रतिक्षासूचीवर घेण्यात येतील त्याच तारखेपासून त्यांची नावे संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांकडील सामायिक प्रतिक्षासूचीत समाविष्ट करण्यासाठी जिल्हाधिकाऱ्यांकडे पाठवावीत.

बृहन्मुंबईतील नियुक्ती प्राधिकारी यांनी त्यांचेकडील गट 'क' च्या प्रतिक्षासूची/नियुक्त्यांबाबत वरीलप्रमाणे सामान्य प्रशासन विभागाच्या कार्यासन १४-अ ला कळवावे.

(ए) जिल्हाधिकार्यांकडे/सामान्य प्रशासन विभागाकडे वरीलप्रमाणे समन्वयाचे कामासाठी ठेवलेल्या सामायिक सूचीत याप्रमाणे जिल्हातील विविध कार्यालयांकडून येणारी मदीन नावे नूळ कार्यालयांच्या प्रतिसासूचीत समाविष्ट केलेल्या दिनांकांनुसार गट 'क' व 'ड' च्या सामायिक प्रतिसासूचीत समाविष्ट करावीत.

(ओ) ज्या कार्यालयात अनुकंपाधारक नियुक्तीच्या प्रतिकेव नहीत, परंतु गट 'क' किंवा 'ड' मध्ये रिक्त पदे उपलब्ध आहेत त्यांनी त्यांचेकडे वर्षात रिक्त झालेल्या/होणाऱ्या गट 'क' व 'ड' मधील पदांपैकी ५% पदे अनुकंपा धारकांनी भरण्यासाठी जिल्हाधिकार्यांकडे मागणीपत्र पाठवावे. अशी मागणीपत्रे पाठवितांना संबंधित कार्यालयाने त्यांचेकडे संबंधित पदांवर नियुक्ती देण्यासाठी अनुकंपाधारक त्या कार्यालयात उपलब्ध नहीत असे प्रमाणित करावे.

अनुकंपा नियुक्तीसाठी आता वरीलप्रमाणे गट 'क' आणि 'ड' मध्ये प्रतिवर्षी रिक्त होणाऱ्या पदांपैकी ५% पदांची मर्यादा विहित केली असल्याने संदर्भाधीन क्रमांक ४ येथील दिनांक ३० जानेवारी, २००४ च्या आदेशातील परिच्छेद ३ मधील निदेश आता वरीलप्रमाणे सुधारीत झाल्याचे समजण्यात यावे.

(क) हे आदेश निर्गमित होण्यापूर्वी पूर्वीच्या कार्यपध्दतीनुसार जिल्हाधिकार्यांनी सामायिक प्रतिसासूचीतून जर काही उमेदवारांची शिफारस केली असेल आणि त्यांच्या नेमणुका अद्याप व्हायच्या असतील तर त्यात कोणताही बदल न करता अशा उमेदवारांच्या नियुक्तीची प्रक्रिया संबंधित नियुक्ती अधिकार्यांनी पूर्ण करावी.

(ख) या आदेशाच्या पूर्वी जिल्हाधिकार्यांकडे काही रिक्त पदांची मागणी प्राप्त झाली असल्यास अशा प्रकरणात जिल्हाधिकार्यांनी प्रथम सामायिक सूचीतून सुयोग्य उमेदवारांची शिफारस करावी व त्यानंतर उर्वरित प्रतिसासूचीतील उमेदवारांची नावे संबंधित नियुक्ती अधिकार्यांना पाठवावीत.

(ग) वरील (क) तसेच (ख) बाबत जिल्हाधिकारी त्यांचेकडील सामायिक सूचीतील पात्र उमेदवारांची त्या कार्यालयात नियुक्तीसाठी शिफारस करील व अशा उमेदवारांचे नाव कळविणाऱ्या नूळ कार्यालयास त्याचे नाव त्या कार्यालयाच्या प्रतिसासूचीतून वगळण्यास कळविले.

वृहन्मुंबईतील कार्यालयांवायत वरीलप्रमाणे कार्यवाही सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ) यांचेकडून करण्यात यावी

सर्व जिल्हाधिकारी तसेच सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ) यांनी प्रत्येक ६ महिन्यांनी जानेवारी आणि जुलै मध्ये त्यांचेकडील सामायिक प्रतिसासूचीचा आढावा घेवून दरम्यानच्या कालावधीत नियुक्ती मिळालेल्या उमेदवारांची नावे वगळून त्यांचेकडील सामायिक प्रतिसासूची अद्ययावत करतील. यासाठी त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील सर्व कार्यालयातील प्रतिसासूच्यांचा आढावा घेवून समन्वयाचे काम करतील.

२. याशिवाय अनुकंपा योजनेच्या सध्याच्या प्रचलित तरतुदीत खालीलप्रमाणे सुधारणा सदर आदेश निर्गमित झाल्याच्या दिनांकापासून करण्यात येत आहेत:-

(१) गट 'क' व 'ड' मधील कर्मचारी कर्करोग, पक्षाघात किंवा अपघात यामुळे सेवेसाठी कायमचा असमर्थ ठरून रुग्णता निवृत्त झाल्यास त्यांच्या कुटुंबियांना गट 'क' व 'ड' मधील पदांवर नियुक्ती देण्याची सवलत रद्द करण्यात येत आहे. यापुढे केवळ सेवेत असतांना दिवंगत झालेल्या गट 'क' व 'ड' च्या कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांनाच अनुकंपा नियुक्ती अनुज्ञेय राहिल.

(२) यापुढे वयाच्या ४० वर्षांपर्यंतच्याच उमेदवारांना अनुकंपा नियुक्ती अनुज्ञेय असेल. त्यामुळे प्रतिसासूचीत नव्याने समाविष्ट होणाऱ्या उमेदवारांना वयाच्या ४० वर्षांपर्यंत नियुक्ती न मिळाल्यास त्यांची नावे वयाची ४० वर्षे पूर्ण होताच आवश्यक ती नोंद घेवून सूचीतून काढून टाकण्यात यावीत.

(३) अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र कुटुंबियांकडून संबंधित नियुक्ती प्राधिकार्याकडे अर्ज करण्याची सध्याची ५ वर्षांची मुदत कमी करून कर्मचारी दिवंगत झाल्याच्या दिनांकापासून एक वर्षाच्या मुदतीत अर्ज करणे आवश्यक राहिल.

३. वरील सुधारणांव्यतिरिक्त अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेतील प्रचलित इतर तरतुदी यापुढेही कार्यात राहतील.

४. सर्व नियुक्ती अधिकार्यांनी/जिल्हाधिकार्यांनी अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेतील वरील बदल लक्षात घेवून अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र कुटुंबियांच्या त्यांचेकडील प्रतिकासूचीत समावेश करताना योग्य उमेदवारांच्या सूचीत समावेश होईल याची दक्षता घ्यावी. तसेच त्यांचेकडील अनुकंपा नियुक्तीची प्रकरणे निकाली काढावीत.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने

न. कुमार

(नविन कुमार)

अपर मुख्य सचिव (सेवा)

सामान्य प्रशासन विभाग

प्रति,

राज्यपालांचे सचिव, राजभवन, मलबारहिल, मुंबई.
मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
उप मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
सर्व मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
मुख्य सचिव,
सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव /प्रधान सचिव/सचिव,
सर्व मंत्रालयीन विभाग,
*प्रबंधक, मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
*प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
*सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,
*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधानपरिषद) मुंबई,
*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, नागपूर,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा परीक्षा), मुंबई
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा परीक्षा), महाराष्ट्र, नागपूर,
अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे) कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त
सर्व जिल्हा कोमागार अधिकारी,
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.

* पत्राव्वारे

नक्षलवाद्यांच्या हल्ल्यांत जायबंदी/मृत्यू झालेल्या
शासकीय सेवेतील व्यक्तीच्या कुटुंबियांना शासन सेवेत
सामावून घेण्याबाबत.
अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक :- अकंपा-१००६/प्र.क्र.१७४/०६/आठ
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२
दिनांक :- १७.७.२००७

- संदर्भ :- १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,
दिनांक २६ ऑगस्ट, १९९४
२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,
दिनांक १२ मार्च, १९९७
३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ,
दिनांक २८ मार्च, २००१
४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१००३/प्र.क्र.५९/२००३/आठ,
दिनांक ३० जानेवारी, २००४
५) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ,
दिनांक २२ ऑगस्ट, २००५

नक्षलवाद्यांनी केलेल्या हल्ल्यात जायबंदी/ठार झालेल्या शासकीय सेवेतील कुटुंबियांस शासन नोकरीत सामावून घेण्याबाबत व प्रचलित तरतूदीत काही सुधारणा करण्याचा प्रश्न शासनाच्या विचाराधीन होता. त्यामध्ये नक्षलवाद्यांच्या हल्ल्यात जायबंदी/ठार झालेल्या शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना शासकीय सेवेत सामावून घेण्यासाठी वेगळी आरक्षण श्रेणी निर्माण करावी काय, तसेच गट 'अ' व गट 'ब' मधील कर्मचाऱ्यांचा सेवेत मृत्यू झाल्यास त्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्तीचा लाभ द्यावा काय, प्रचलित पध्दतीप्रमाणे अनुकंपा नियुक्तीसाठी गट 'क' व 'ड' मधील प्रतिवर्षी रिक्त होणाऱ्या पदांपैकी ५ टक्के विहित केलेली पदांची मर्यादा वाढवावी काय, अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविलेल्या कुटुंबियांमध्ये अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविलेल्या कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांमध्ये घटस्फोटीत/परित्यक्ता/विधवा मुलींना/बहिणींना पात्र कुटुंबिय म्हणून समाविष्ट करावे काय, प्रचलित तरतूदीनुसार वयाची ४० वर्षे झालेल्या कुटुंबियांस अनुकंपा नियुक्तीसाठी अपात्र ठरविण्यासाठी अट कर्मचाऱ्यांच्या विधवा तसेच घटस्फोटीत/परित्यक्ता/विधवा मुलगी/बहिणी यांच्याकरीता शिथिल करावी काय. याबाबतचे प्रश्न शासनाच्या विचाराधीन होते. यासर्व बाबींचा विचार करून शासन आता पुढीलप्रमाणे आदेश देत आहे.

कृ.मा.प.

शासन निर्णय :

यासंदर्भात आता सांगोपांग विचार करून शासनाने प्रचलित अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याचा निर्णय घेतला असून त्यानुसार खालील सुधारणा प्रचलित योजनेत समाविष्ट करण्यात येत आहेत :-

१) गट अ/ब/क/ड मधील शासकीय अधिकारी अथवा कर्मचाऱ्यांना नक्षलवादी/आतंकवादी/दरोडेखोर/समाजविघातक यांच्या हल्ल्यात/कारवाईत मृत्यू आल्यास अशा अधिकारी अथवा कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांतील एका व्यक्तीस अनुकंपा नियुक्ती अनुज्ञेय राहिल व या प्रयोजनार्थ प्रचलित योजनेत विहित केलेल्या ५ टक्के मर्यादेमध्ये त्यांना प्राधान्याने नियुक्ती देण्यात यावी.

२) गट अ/ब/क/ड मधील जे शासकीय अधिकारी अथवा कर्मचारी नक्षलवादी/आतंकवादी/दरोडेखोर/समाजविघातक यांच्या हल्ल्यात/कारवाईमध्ये कायम स्वरूपी जायबंदी झाले आहेत व त्यांनी स्वतःहून शासकीय सेवा सोडून देण्याची लेखी अनुमती दिली आहे अशा अधिकारी/कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांतील एका व्यक्तीस वर विहित केलेल्या ५ टक्के मर्यादेमध्ये प्राधान्याने नियुक्ती देण्यात यावी.

३) अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविलेल्या कुटुंबियांच्या व्याख्येची व्याप्ती वाढवून त्यामध्ये घटस्फोटित/परीत्यक्ता/विधवा मुलींना/बहिणींना पात्र कुटुंबिय म्हणून समाविष्ट करण्यात यावे. मात्र, याबाबत मृत अधिकारी/कर्मचाऱ्यांच्या पत्नी/पति ने कोणाची अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती करावी याबाबत नामांकन देणे आवश्यक राहिल. मृत अधिकारी/कर्मचाऱ्यांचे पति/पत्नी हयात नसल्यास त्याच्या/तिच्या सर्व पात्र कुटुंबियांनी एकत्रित येऊन कोणाची नियुक्ती करावी याबाबत नामांकन करावे.

वरील सुधारणा त्वरीत परीणामाने शासन निर्णयाच्या दिनांकापासून अंमलात येत असून वरील सुधारणांव्यतिरिक्त अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेतील प्रचलित इतर तरतुदी यापुढेही कायम राहतील. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करून देण्यात आला असून त्याचा संगणक संकेतांक २००७०७१७१५३४४१००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने

सही /-

(श्री. प्र. पाटील)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

मा.राज्यपालांचे सचिव,मलबार हिल मुंबई,

मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,

मुख्य सचिव,

सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,

सर्व मंत्रालयीन विभाग,

*प्रबंधक, मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
*प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई
*सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,
*महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,
अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.

***पत्राद्वारे**

**राज्यशासन सेवेतील अनुकंपा नियुक्तीची योजना.
प्रचलित कार्यपध्दती व योजनेच्या तरतूदीत
सुधारणा करण्याबाबत**

**महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग**

**शासन निर्णय क्रमांक :- अकंपा-१००७/प्र.क्र. १८१/०७/आठ
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२
दिनांक :- १ जानेवारी, २००८**

जिल्हाधिकारी कार्यालय रत्नागिरी

वाचा :- १) शासन निर्णय, सा.प्र.वि. क्र. अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,

दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४

२) शासन निर्णय, सा.प्र.वि., क्र.अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,

दिनांक १२ मार्च, १९९७

३) शासन निर्णय, सा.प्र.वि., क्र.अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ,

दिनांक २४ मार्च, २००१

४) शासन निर्णय सा.प्र.वि.-अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ, दिनांक २२.८.२००५

अधिकार नं.: ६९५
४३६६

2 23 JAN 2008

विशेष नोंद घेई नं.:-

कार्य दिवरण नं.:-

प्र.लि.

नि. उ. जि.

प्र.लि. नि. उ. जि.

राज्यशासन सेवेत असताना अचानक दिवंगत झालेल्या अथवा रूग्णतेच्या कारणास्तव (वर्जीत प्रयोजने) रूग्णता सेवा निवृत्त झालेल्या शासकीय कर्मचाऱ्यांचे कुटूंब उघडयावर पडू नये यासाठी एक विशेष सवलत म्हणून अनुकंपा नियुक्ती देण्याच्या तत्कालीन प्रचलित योजनेत सुधारणा करून सुधारित योजना दि.२६.१०.१९९४ च्या शासन निर्णयाद्वारे कार्यान्वित करण्यात आली. त्यानुसार अनुकंपाधारकांना नियुक्ती देण्याचे अधिकार संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना देण्यात आले होते. नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडेच गट 'क' व 'ड' मधील पदांवर नियुक्तीसाठी प्रतिक्षासूची ठेवण्यात येत होती मात्र सर्वच कार्यालयात रिक्त पदे उपलब्ध होण्याचे प्रमाण आवश्यक त्या प्रमाणात नव्हते तसेच त्यात सुसूत्रता नव्हती, त्यामुळे जिल्हयातील सर्व कार्यालयातील अनुकंपा धारकांना नियुक्तीची संधी मिळण्यास विलंब होऊ नये, या कारणासाठी जिल्हाधिकाऱ्यांकडे जिल्हयातील सर्व कार्यालयातील अनुकंपा धारकांची गट 'क' व 'ड' ची स्वतंत्र परंतु सामायिक प्रतिक्षासूची ठेवावी व जिल्हयातील सर्व कार्यालयात उपलब्ध होणाऱ्या पदांवर संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांच्या मागणीनुसार या सामायिक सूचीतील अनुकंपा धारकांची नियुक्ती करावी, अशा स्वरूपाची कार्यपध्दती दि.१२.३.१९९७ च्या शासन निर्णयाद्वारे विहित केली होती. त्यानंतर दि.२८.३.२००१ च्या शासन निर्णयानुसार गट 'क' व 'ड' मधील सेवेत असतांना दिवंगत झालेल्या शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटूंबातील एका पात्र व्यक्तीस त्याच्या शैक्षणिक अर्हतेनुसार गट 'क' व 'ड' मधील पदांवर नियुक्ती देण्याची तरतूद अस्तित्वात आली.

तदनंतर सदर योजनेसंदर्भात सर्वांगीण विचार करून दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयान्वये गट 'क' व 'ड' मधील प्रतिवर्षी रिक्त होणाऱ्या पदांपैकी ५% पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरण्याचा निर्णय शासनाने जाणीवपूर्वक घेतला आहे.

प्रचलित योजनेनुसार अनुकंपा नियुक्ती ही रिक्त पदांच्या उपलब्धतेवर अवलंबून असते व रिक्त पदांच्या उपलब्धतेअभावी पुरेशाप्रमाणात अनुकंपा नियुक्त्या करणे शक्य होत नाही. अनुकंपा नियुक्तीचे अधिकार नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना असून ज्या कार्यालयांच्या आस्थापना लहान आहेत, अशा आस्थापनांवर प्रतिवर्षी गट 'क' व 'ड' मध्ये १० पेक्षा कमी संख्येने पदे रिक्त होतात व अशा कार्यालयात पुरेशा रिक्त पदांच्या अभावी अनुकंपा नियुक्त्या करणे शक्य होत नाही, कारण गट 'क' व 'ड' मधील रिक्त पदांच्या ५% पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरण्याच्या तरतूदीचे पालन करण्यासाठी त्यांच्या आस्थापनेवर गट 'क' व 'ड' मध्ये २० पदे रिक्त झाल्यास ०१ पद अनुकंपा नियुक्तीसाठी उपलब्ध होते. त्यामुळे ज्या आस्थापनांवर वर्षात २० पेक्षा कमी रिक्त पदे उपलब्ध होतील त्या आस्थापनांवर

६९५-१
३०/१

83

K.V. 50-File

अनुकंपा नियुक्ती करणे शक्य होत नाही, परिणामी ५% मर्यादेतही अनुकंपा तत्वावर नियुक्त्या मिळत नसल्यामुळे अनुकंपानियुक्ती दिर्घ काळ प्रलंबीत राहून प्रतिक्षासूचीतील पात्र उमेदवारांवर अन्याय होत असल्याचे विविध व्यक्ती/संघटना तसेच काही प्रशासकीय विभाग यांनी शासनाच्या निदर्शनास आणले आहे. अनुकंपा नियुक्तीसाठी प्रतिक्षासूचीत असलेल्या पात्र उमेदवारांवरील अन्याय दूर होऊन योजनेचा मूळ उद्देश सफल व्हावा या दृष्टीने सर्वकष विचार करून प्रचलित कार्यपध्दतीत पुढीलप्रमाणे सुधारणा करून, त्यानुसार योजनेची अंमलबजावणी करण्यात यावी असा निर्णय शासनाने घेतला आहे.

शासन निर्णय

१. प्रचलित योजनेची अंमलबजावणी करताना नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे त्याच्या नियंत्रणाखालील कार्यालयात गट 'क' व गट 'ड' मध्ये प्रतिवर्षी २० किंवा त्या पटीत किंवा त्यापेक्षा अधिक पदे रिक्त होत असतील, तर त्यांनी प्रचलित नियमाप्रमाणे ५% पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरावीत. मात्र, ज्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे वर्षात १० पेक्षा कमी रिक्तपदे उपलब्ध होणार असतील, तर त्यांनी त्यावर्षी उपलब्ध होणाऱ्या सदर रिक्त पदांची संख्या संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांना/बृहन्मुंबईच्या बाबतीत सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ) यांना कळवावी. तसेच रिक्त पदे उपलब्ध होणार नसल्यासही कळविण्याची कार्यवाही करावी. संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांनी त्यांच्या जिल्हयातील (गट 'क' व 'ड') व सामान्य प्रशासन विभाग, का.१४-अ यांनी (फक्त गट 'क') बृहन्मुंबईतील अशा नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडून प्राप्त झालेल्या रिक्त पदांची संख्या एकत्रित करून त्या एकूण रिक्त पदांच्या ५% पदांची परिगणना करून, त्यानुसार ती पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरण्यासाठी जिल्हाधिकाऱ्यांनी/सामान्य प्रशासन विभागाने (कार्यासन १४-अ) त्यांचेकडील सामायिक प्रतिक्षासूचीतील उमेदवारांच्या नावांची शिफारस जेष्ठतेनुसार नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना करण्याची कार्यवाही करावी. या नव्याने समाविष्ट केलेल्या तरतूदीचे काटेकोर पालन करण्याची जबाबदारी संबंधित जिल्हयाच्या जिल्हाधिकाऱ्यांची तसेच बृहन्मुंबईसाठी सामान्य प्रशासन विभागाची (कार्यासन १४-अ) राहिल.

२. वरील तरतूदीची अंमलबजावणी करताना कॅलेंडर वर्षात (जानेवारी ते डिसेंबर) रिक्त झालेली पदे विचारात घ्यावीत व त्यानुसार सामान्य प्रशासन विभाग/जिल्हाधिकारी यांचेकडून अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी विभाग/कार्यालयात उपलब्ध असलेल्या पदांवर अनुकंपा नियुक्तीसाठीच्या उमेदवारांची शिफारस प्राप्त झाल्यावर सात दिवसांचे आत नियुक्ती करण्याची जबाबदारी संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्याची राहिल. नियुक्ती केल्यानंतर तसे केल्याचे सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन १४-अ)/जिल्हाधिकारी यांना संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी विनाविलंब कळविणे बंधनकारक आहे.

त्याखेरीज बृहन्मुंबईतील 'ड' वर्गाच्या अनुकंपा नियुक्तीसाठी पद उपलब्ध नसेल तर अशा आस्थापनांच्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी अनुकंपा नियुक्ती योजनेखाली प्राप्त झालेली नावे व वरील परिच्छेद एक मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे रिक्त पदांची माहिती जिल्हाधिकारी, मुंबई जिल्हा, ओल्ड कस्टम हाऊस, मुंबई यांचेकडे पाठवावीत. जिल्हाधिकारी, मुंबई जिल्हा यांनी गट 'ड' करीता स्वतंत्र सामायिक प्रतिक्षासूची ठेऊन त्यामधून ज्येष्ठतेनुसार उमेदवारांच्या नावाची शिफारस ज्या ठिकाणी अनुकंपा नियुक्तीसाठी पद उपलब्ध आहे, अशा आस्थापनांच्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना करावी.

३. वरील सुधारणाव्यतिरिक्त अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेतील इतर प्रचलित तरतूदी यापुढेही कायम राहतील.

४. सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी / जिल्हाधिकाऱ्यांनी अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेतील वरील सुधारणा लक्षात घेऊन त्यानुसार कार्यवाही करण्याबाबतची दक्षता घ्यावी व त्यानुसार त्यांच्याकडील अनुकंपा नियुक्तीची प्रकरणे निकाली काढावीत.

५. सदर सुधारणा हया केवळ शासकीय कर्मचाऱ्यांपुरत्याच सीमित असून त्या हे आदेश निर्गमित झाल्याच्या दिनांकापासुन लागू होतील.

सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करून देण्यात आला असून त्याचा संकेतांक क्र.२००८०१०११६५७४२००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने


(सतीश त्रिपाठी)
अपर मुख्य सचिव (सेवा)
सामान्य प्रशासन विभाग

प्रति,

मा.राज्यपालांचे सचिव,मलबार हिल मुंबई,

मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

मा.उपमुख्यमंत्री यांचे सचिव,

मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,

मा. मुख्य सचिव,

सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,

सर्व मंत्रालयीन विभाग,

*प्रबंधक, मूळ शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,

*प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,

*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय,मुंबई

*सचिव,महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग,मुंबई,

*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,

*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,

*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,

*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र,मुंबई,

*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,

*महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,

*महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,

अधिदान व लेखा अधिकारी,मुंबई,

निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी,मुंबई,

मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,

सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,

सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,

निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,

सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,

निवड नस्ती.

*पत्राद्वारे

शासन सेवेत दिवंगत झालेल्या कर्मचा-यांच्या
कुटुंबियांच्या अनुकंपा तत्वावर गट क व गट ड
वरील पदावर नियुक्ती देण्याबाबत

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक : अकंपा-१००८/अनौ.१७/०८/प्र.क्र.३५/०८/आठ,
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२.
दिनांक :- ३१.३.२००८

पहा :- (२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ,
दि.२२.८.२००५

प्रस्तावना :-

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक. अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ,
दि.२२.८.२००५ अन्वये शासन सेवेत दिवंगत झालेल्या कर्मचा-यांच्या कुटुंबियांच्या अनुकंपा तत्वावर गट क व
गट ड मधील पदावर नियुक्ती व प्रतीक्षा यादीच्या कार्यपध्दतीत अंशतः बदल करण्यात आला असून
जिल्हाधिकारी कार्यालयातील सामायिक प्रतीक्षा सूचीबरोबरच संबंधित नियुक्ती प्राधिका-यांनी त्यांच्या
कार्यक्षेत्रातील गट 'क' व गट 'ड' मधील पदासाठी प्रतीक्षा यादी ठेवण्याची दुहेरी पध्दत अंमलात आणण्याचा
निर्णय शासनाने घेतला आहे. त्यानुसार जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडून सैनिक कल्याण विभाग, पुणे व सैनिकी
सेवापूर्व शिक्षण संस्था, औरंगाबाद या कार्यालयातील दिवंगत कर्मचा-यांच्या पात्र कुटुंबियांस शासन सेवेत
अनुकंपा नियुक्तीसाठी जिल्हाधिकारी कार्यालयात सादर केलेले अर्ज विभागात परत करण्यात आले होते.

२. सदर दोन्ही कार्यालयातील पदे ही त्या पदांच्या सेवाप्रवेश नियमानुसार तसेच केंद्र शासनाच्या
मार्गदर्शक सूचनांनुसार केवळ माजी सैनिकांमधून भरण्याची तरतूद जाणीवपूर्वक करण्यात आली आहे. त्यामुळे
वरील कार्यालयातील अनुकंपा तत्वावरील नियुक्त्यांबाबतच्या प्रकरणे पात्र उमेदवारांना या कार्यालयात
अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देता येत नसल्यामुळे त्यांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यात यावी याबाबतचा
प्रस्ताव शासनाच्या विचाराधीन होता.

शासन निर्णय :-

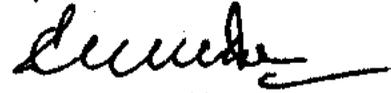
आता दिवंगत शासकीय कर्मचा-यांच्या पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी
दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयान्वये आसित्वात आलेल्या प्रचलित योजनेमध्ये सैनिक कल्याण विभाग,
पुणे व सैनिक सेवापूर्व शिक्षण संस्था, औरंगाबाद या दोन आस्थापनांचा, प्रस्तावनेत नमूद केलेल्या कारणास्तव
अपवाद करण्यास या शासन निर्णयान्वये मंजूरी देण्यात येत असून त्या कार्यालयातील दिवंगत कर्मचा-यांच्या
पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्ती देण्याची कार्यवाही दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयामधील तरतुदीनुसार न

करता, ही कार्यवाही या पूर्वी अस्तित्वात असलेल्या शासन निर्णयामधील तरतूदीनुसार संबंधित जिल्हाधिकारी यांचेकडूनच करण्यात यावी, असे आदेश शासन देत आहे.

२. शासन असेही आदेश देत आहे की, सैनिक कल्याण विभाग, पुणे व त्यांच्या अधिपत्याखालील जिल्हा सैनिक कल्याण कार्यालये तसेच सैनिकी सेवापूर्व शिक्षण संस्था, औरंगाबाद या कार्यालयातील गट 'क' व 'ड' मधील दिवंगत कर्मचा-यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीबाबतचा अर्ज स्विकृत करणे, अर्जांची छाननी करणे व नियमांची पूर्तता होत असलेला अर्ज प्रतीक्षासूचीत समाविष्ट करण्यावरील जिल्हाधिकारी कार्यालयास पाठविण्याबाबतची प्राथमिक कार्यवाही ही संबंधित कार्यालयांमार्फत करण्यात यावी. त्यानंतर उच्च अर्जदाराचे नाव संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांनी त्यांच्याकडे ठेवण्यात आलेल्या सामायिक प्रतीक्षासूचीमध्ये कोण ठिकाणी समाविष्ट करावे व या सामायिक प्रतीक्षासूचीनुसार ज्येष्ठतेने त्यांचा क्रम अनुकंपातत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी आल्यास त्यांच्या जिल्ह्यातील कोणत्याही क्षेत्रिय कार्यालयात (अनुकंपातत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी रिक्त पदे असल्यास) नियुक्ती देण्यासंदर्भातील कार्यवाही जिल्हाधिकारी कार्यालयांमार्फतच करण्यात यावी.

३. हा शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संगणक सांकेतांक २००८०३३११२१९२५००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,



(श्री. प्र. पाटील)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

राज्यपाल यांचे सचिव,

सर्व मंत्री, राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,

सर्व विभागीय आयुक्त,

* प्रबंधक, उच्च न्यायालय, अपील शाखा/मूळ शाखा, मुंबई,

* आयुक्त, राज्य निवडणूक आयोग, मुंबई,

* सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,

महालेखापाल, नागपूर-२ महाराष्ट्र,

संचालक, सैनिक कल्याण विभाग, सैनिक कल्याण विभाग, महाराष्ट्र राज्य यांचे कार्यालय, रायगड,

राष्ट्रीय युद्ध स्मारकांसमोर, सोलापूर रस्ता, धोरपडी, पुणे - ४११ ००१,

संचालक, सैनिकी सेवापूर्व शिक्षण संस्था, सिडको, ए-१२, सेक्टर ३, मौलाना आझाद कॉलेजच्यामगे,

नविन औरंगाबाद - ४३१ ००३,

सर्व जिल्हा सैनिक कल्याण अधिकारी, जिल्हा सैनिक कल्याण कार्यालये,

सर्व मंत्रालयीन विभाग व विभागाच्या अधिपत्याखालील सर्व विभाग प्रमुख आणि कार्यालय प्रमुख,

सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,

निवड नस्ती (२ प्रती),

* पत्राने.

राज्यशासन सेवेतील अनुकंपा नियुक्तीची योजना.
प्रचलित कार्यपध्दती व योजनेच्या तरतूदीत
सुधारणा करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक :- अकंपा-१००७/१२९५/प्र.क्र.१८१/०७/आठ

मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२

दिनांक :- २३.४.२००८

- वाचा :- १) शासन निर्णय , सा.प्र.वि. क्र. अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,
दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४
२) शासन निर्णय, सा.प्र.वि., क्र.अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ,
दिनांक १२ मार्च, १९९७
३) शासन निर्णय, सा.प्र.वि., क्र.अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ,
दिनांक २८ मार्च, २००१
४) शासन निर्णय सा.प्र.वि., क्र.अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ,
दिनांक २२.८.२००५
५) शासन निर्णय, सा.प्र.वि., क्र.अकंपा-१००७/प्र.क्र.१८१/०७/आठ,
दिनांक १.१.२००८

प्रस्तावना :-

दिनांक २२.८.२००५ चा शासन निर्णय निर्गमित करण्यापूर्वी अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासंदर्भात कोणतीही मर्यादा नव्हती. त्यामुळे अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याकरिता तयार करण्यात आलेल्या प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांना पद रिक्त असल्यास प्रतीक्षासूचीवरील ज्येष्ठतेनुसार अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याची कार्यवाही संबंधित नियुक्ती प्राधिकार्यांकडून करण्यात येत होती. परंतु दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयान्वये गट 'क' व गट 'ड' मध्ये प्रतीवर्षी रिक्त होणाऱ्या पदांपैकी ५% पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरण्याचा जाणीवपूर्वक निर्णय शासनाने घेतला.

या निर्णयाची अंमलबजावणी करताना असे दिसून आले की, अनेक कार्यालयात एका वर्षात २० किंवा त्यापेक्षा कमी पदे रिक्त होत असल्यामुळे ५% च्या मर्यादेत अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देणे शक्य होत नाही. परिणामी प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांची संख्या कमी होत नाही व उमेदवारांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती मिळण्याकरिता दीर्घ काळ प्रतीक्षासूचीवरच रहावे लागते.

दिनांक २२.८.२००५ पूर्वी अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती करिता कोणतीही मर्यादा नसल्या कारणाने किमान दिनांक २२.८.२००५ पूर्वीच्या प्रतीक्षासूचीतील उमेदवारांना, अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीकरिता विहित केलेली ५% ची मर्यादा लागू करू नये, अशी विनंती विविध व्यक्ती/संघटना यांनी शासनाकडे केली होती. तसेच, विविध प्रशासकीय विभागांकडून ५% ची मर्यादा शिथिल करून अनुकंपा नियुक्ती देण्यासंदर्भात प्रस्ताव सामान्य प्रशासन विभागाकडे प्राप्त होत होते. यासर्व बाबींचा साकल्याने विचार करून अनुकंपा नियुक्तीसाठी

प्रतीक्षासूचीवर असलेल्या दि.२२.८.२००५ पूर्वीच्या पात्र उमेदवारांना ५% ची मर्यादा लागू न करता शासन सेवेत नियुक्ती देण्याचा प्रस्ताव शासनाच्या विचाराधीन होता.

शासन निर्णय

अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी दिनांक २२.८.२००५ पूर्वी प्रतीक्षासूचीत असलेल्या पात्र उमेदवारांना शासन सेवेत नियुक्ती देण्यासंदर्भात शासनाने आता खालीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे.

अ) शासकीय कार्यालयातील आस्थापनेवर गट 'क' व 'ड' मध्ये अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीकरिता तयार करण्यात आलेल्या प्रतीक्षासूचीमधील, दि.२२.८.२००५ पूर्वीच्या उमेदवारांना दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद १ (ओ) मध्ये विहित केलेली रिक्त पदांच्या ५% ची मर्यादा लागू राहणार नाही.

ब) प्रतीक्षासूचीवर असलेल्या दि.२२.८.२००५ पूर्वीच्या उमेदवारांना शासकीय कार्यालयात रिक्त असलेल्या/होणाऱ्या पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती, या आदेशाच्या दिनांकापासून तीन वर्षात टप्प्याटप्प्याने देण्यात यावी. तीन वर्षात टप्प्या-टप्प्याने नियुक्ती करताना दि.२२.८.२००५ पूर्वीच्या प्रतीक्षायादीतील उमेदवारांपैकी ५०% उमेदवारांची नियुक्ती पहिल्यावर्षी, २५% उमेदवारांची नियुक्ती दुस-या वर्षी व उर्वरित २५% उमेदवारांची नियुक्ती तिसऱ्या वर्षी करण्यात यावी.

क) दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयातील परिच्छेद २(२) मध्ये नियुक्तीकरिता विहित केलेली ४० वर्षांच्या कमाल वयोमर्यादेची तरतूद ही आता प्रतीक्षासूचीतील दि.२२.८.२००५ च्या पूर्वीच्या उमेदवारांसह सर्वांना लागू राहिल.

२. अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी उपरोक्त आदेशाची अंमलबजावणी करताना दिनांक २२.८.२००५ पूर्वीच्या उमेदवारांना तीन वर्षात टप्प्या-टप्प्याने नियुक्ती देण्याकरिता नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे तितकी पदे उपलब्ध नसल्यास, त्यांनी अशा उमेदवारांना, सामायिक प्रतीक्षासूचीतून अन्य कार्यालयात नियुक्ती देण्याची विनंती संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांकडे करावी. बृहन्मुंबईतील गट 'क' च्या पदावरील नियुक्तीसंदर्भात अशी कार्यवाही बृहन्मुंबईतील नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी, सामान्य प्रशासन विभाग, (का.क्र.१४-अ) यांच्याकडे करावी व बृहन्मुंबईतील, गट 'ड' च्या बाबतीत अशी कार्यवाही बृहन्मुंबईतील नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी जिल्हाधिकारी, मुंबई जिल्हा, जुने जकात घर, मुंबई यांच्याकडे करावी. जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभाग, (का.क्र.१४-अ) यांना रिक्तपदावर अनुकंपा नियुक्तीकरिता शिफारस करणे शक्य व्हावे म्हणून सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्रातील गट 'क' व 'ड' मधील रिक्त पदांची संख्या त्यांना कळवावी.

ही प्रक्रिया संपूर्णपणे सुयोग्य रित्या पार पाडण्याची जबाबदारी संबंधित जिल्हाधिकारी/सामान्य प्रशासन विभाग, का.क्र.१४-अ यांची राहिल. त्यांनी ह्या संदर्भात वेळोवेळी आढावा घेऊन अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती योग्य रित्या होते, याची खात्री करावी.

३. वरील सुधारणांव्यतिरिक्त अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेतील इतर प्रचलित तरतुदी यापुढेही कायम राहतील.

४. सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी/जिल्हाधिकाऱ्यांनी अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेतील वरील सुधारणा लक्षात घेऊन त्यानुसार कार्यवाही करण्याबाबतची दक्षता घ्यावी व त्यानुसार त्यांच्याकडील अनुकंपा नियुक्तीची प्रकरणे निकाली काढावीत.

५. सदर सुधारणा ह्या केवळ शासकीय कर्मचाऱ्यांपुरत्याच सीमित राहतील.

६. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करून देण्यात आला असून त्याचा संकेतांक क्र.२००८०४२३१५५९३९००९ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने


(सतीश त्रिपाठी)

अपर मुख्य सचिव (सेवा)
सामान्य प्रशासन विभाग

प्रति,

मा.राज्यपालांचे सचिव,मलबार हिल मुंबई,
मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.उपमुख्यमंत्री यांचे सचिव,
मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
मा. मुख्य सचिव,
सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
सर्व मंत्रालयीन विभाग,
*प्रबंधक, मूळ शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,
*प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,
*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय,मुंबई
*सचिव,महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग,मुंबई,
*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,
*महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,
अधिदान व लेखा अधिकारी,मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी,मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.
*पत्राद्वारे

दि.२६.११.२००८ ते दि.२९.११.२००८ या कालावधीत मुंबई येथे आतंकवाद्यांच्या हल्ल्यांत शहीद झालेल्या पोलीस सेवेतील व्यक्तींच्या कुटुंबियांपैकी एकास गट 'ब' किंवा 'अ' मधील पदावर शासन सेवेत सामावून घेण्याबाबत.

अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन निर्णय, क्रमांक :- अकंपा-१००८/प्र.क्र.२४८/०८/आठ

मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२

दिनांक :- २०.१.२००९

- संदर्भ :-** १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑगस्ट, १९९४
- २) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक १२ मार्च, १९९७
- ३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१
- ४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ, दिनांक २२ ऑगस्ट, २००५
- ५) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:- अकंपा-१००६/प्र.क्र.१७४/०६/आठ, दिनांक १७ जुलै, २००७
- ६) शासन निर्णय, महसूल व वन विभाग, क्र.डिएमयू-२००८/प्र.क्र.३९९/डीएम-१, दि.१ डिसेंबर, २००८

प्रस्तावना :-

शासन सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या गट 'क' व 'ड' मधील शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना त्यांची शैक्षणिक पात्रता विचारात घेवून गट 'क' व 'ड' मधील पदावर अनुकंपा नियुक्ती देण्याची शासनाची योजना आहे. त्याचप्रमाणे नक्षलवाद्यांनी केलेल्या हल्ल्यात/ अतिरेकी कारवाईमध्ये जायबंदी/मृत्यू झालेल्या शासकीय सेवेतील गट 'अ' व 'ब' च्या कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांनाही शासन सेवेत गट 'क' व 'ड' च्या पदावर प्राधान्याने नियुक्ती देण्याचे शासनाचे संदर्भ क्र.(५) येथील निर्णयान्वये निदेश आहेत. तथापि दि.२६.११.२००८ ते दि.२९.११.२००८ या कालावधीत मुंबई येथे आतंकवादी हल्ल्यात शहीद झालेल्या पोलीस अधिकारी/कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांचे पुनर्वसन करण्यासाठी खास बाब म्हणून त्यांच्या शैक्षणिक अर्हता व पात्रतेनुसार गट 'अ' व 'ब' च्या पदावर शासन सेवेत सामावून घेण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन निर्णय :-

आता प्रचलित अनुकंपा नियुक्ती योजनेतील अटी व शर्ती तसेच पात्रतेचे निकष शिथिल करून एक खास बाब म्हणून दि.२६.११.२००८ ते २९.११.२००८ या कालावधीत शहीद झालेल्या पोलीस अधिकारी/ कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांपैकी एकाच व्यक्तीस त्यांची शैक्षणिक पात्रता विचारात घेवून गट 'क' व 'ड' प्रमाणेच शासन सेवेतील गट "ब" किंवा "अ" मधील सरळसेवेच्या कोट्यातील प्रथम टप्प्यावरील पदांवर नियुक्ती देण्यास शासन मान्यता देत आहे. प्रचलित अनुकंपा योजनेतील अटी व शर्ती शिथिल करून वरील पोलीस कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यास दिलेली मान्यता ही तत्कालीन विशिष्ट परिस्थितीचे गांभीर्य लक्षात घेवून देण्यात आली आहे. त्यामुळे या प्रकरणी घेतलेला निर्णय पूर्वादाहरण म्हणून धरता येणार नाही.

२. अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती संदर्भातील इतर तरतूदी कायम राहतील. त्यामुळे शहीद झालेल्या अधिकारी / कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबातील पात्र व्यक्ती सज्ञान असल्यास त्यांनी पोलीस अधिकारी/कर्मचारी शहीद झाल्याच्या दिनांकापासून एका वर्षात अर्ज करणे आवश्यक राहिल. तसेच त्यांच्या पात्र कुटुंबियांपैकी कोणीही व्यक्ती सज्ञान नसल्यास त्या कुटुंबियांमधील पात्र व्यक्तीने सज्ञान झाल्यानंतर एका वर्षाच्या आत अर्ज करणे आवश्यक राहिल.

३. प्रस्तुत प्रकरणी अनुकंपा तत्वावर प्राधान्याने नियुक्ती द्यावयाची असल्याने शासन निर्णय क्र.अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ, दि.२२ ऑगस्ट, २००५ मधील तरतूदीनुसार नियुक्ती करिता रिक्त होणाऱ्या पदांच्या ५% ची मर्यादा या प्रकरणी शिथिल करण्यात येत आहे. त्यामुळे अनुकंपा नियुक्तीसाठी अर्ज प्राप्त झाल्यानंतर विहित सर्व बाबींची पूर्तता झाल्यानंतर संबंधितांना प्राधान्याने नियुक्ती देण्यात यावी.

४. तथापि, आयोगाच्या कक्षेतील गट 'ब' किंवा गट 'अ' पदावर नियुक्ती देण्यापूर्वी अशा प्रकरणी महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाची पूर्वमान्यता घेणे आवश्यक राहिल.

५. अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासंदर्भातील संपूर्ण कार्यवाहीवर म्हणजेच अर्ज स्वीकृतीपासून ते नियुक्ती देईपर्यंतच्या कार्यवाहीवर नियंत्रण गृह विभागाचे राहिल.

६. सदर शासन निर्णय शासनाच्या वेबसाईट क्र. www.maharashtra.gov.in वर उपलब्ध असून त्यांचा संगणक संकेतांक क्र. २००९०११९१६२८१४००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

सही /-
(श्री. प्र. पाटील)
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
मा.मुख्य सचिव यांचे स्वीय सहायक,
सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
सर्व मंत्रालयीन विभाग,
*प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई
*सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,
*महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,
पोलीस महासंचालक, महाराष्ट्र राज्य.

पोलीस आयुक्त, बृहन्मुंबई, मुंबई
महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, मुंबई
अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व
विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.
***पत्राद्वारे**

अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक :- अकंपा-१००/११४२/प्र.क्र.१६६/०८/आठ
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२
दिनांक :- १०.७.२००९

संदर्भ :- शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/
आठ, दिनांक २६, ऑक्टोबर, १९९४

प्रस्तावना :- अनुकंपा नियुक्ती योजनेअंतर्गत कोणत्या शासकीय कर्मचाऱ्यांचे नातेवाईक नियमानुसार अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरतात याची तरतूद संदर्भाधीन दि.२६.१०.१९९४ च्या शासन निर्णयात केली आहे. सेवा नियमित असलेल्या परंतु अधिसंख्य पदावर कार्यरत असलेल्या शासन सेवेतील कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांना अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविण्यात आले नसल्याने अशा पदावर कार्यरत असणाऱ्या कर्मचाऱ्यांचे पात्र नातेवाईक अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती मिळण्यापासून वंचित राहिलेले आहेत. त्यामुळे अशा कर्मचाऱ्यांचा सहानुभूतीपूर्वक विचार करून व नैसर्गिक न्यायाचे तत्त्व विचारात घेऊन त्या कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांनाही अनुकंपा नियुक्ती योजनेचा लाभ देण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन निर्णय

या संदर्भात सर्वकष विचार करून आता, सेवानियमित केलेल्या परंतु अधिसंख्य पदावर कार्यरत असलेल्या कर्मचाऱ्यांच्या पात्र नातेवाईकांनाही अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविण्याचा शासनाने निर्णय घेतला आहे.

वरील सुधारणेव्यतिरिक्त अनुकंपा नियुक्तीच्या प्रचलित योजनेतील इतर तरतूदी यापुढेही कायम राहिल्या जाणवतील. शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करून देण्यात आला असून त्याचा संगणक संकेतांक २०१०७०६१२१९२५००१ असा आहे.

शाखा:-
उपसंचालक नं.:-
ज्या. नं.:-
123 JUL 2009
महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने
श्री. प्र. पाटील
उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
मुख्य सचिव,

आदेशापत्र शाखा

उपरोक्त आदेशाच्या दिनांक 201713
संकलन - आस्थापना - III
कार्यविधरण क्रमांक - 209

सही:-

ROTAHS-1143 (5000-0M-09) 1

अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय, क्रमांक :- अकंपा-१००८/११४२/प्र.क्र.१६६/०८/आठ
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२
दिनांक :- १०.७.२००९

संदर्भ :- शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/
आठ, दिनांक २६, ऑक्टोबर, १९९४

प्रस्तावना :- अनुकंपा नियुक्ती योजनेअंतर्गत कोणत्या शासकीय कर्मचाऱ्यांचे नातेवाईक नियमानुसार अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरतात याची तरतूद संदर्भाधीन दि.२६.१०.१९९४ च्या शासन निर्णयात केली आहे. सेवा नियमित असलेल्या परंतु अधिसंख्य पदावर कार्यरत असलेल्या शासन सेवेतील कर्मचाऱ्यांच्या नातेवाईकांना अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविण्यात आले नसल्याने अशा पदावर कार्यरत असणाऱ्या कर्मचाऱ्यांचे पात्र नातेवाईक अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती मिळण्यापासून वंचित राहिलेले आहेत. त्यामुळे अशा कर्मचाऱ्यांचा सहानभूतीपूर्वक विचार करून व नैसर्गिक न्यायाचे तत्व विचारात घेऊन त्या कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांनाही अनुकंपा नियुक्ती योजनेचा लाभ देण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन निर्णय

या संदर्भात सर्वंकष विचार करून आता, सेवानियमित केलेल्या परंतु अधिसंख्य पदावर कार्यरत असलेल्या कर्मचाऱ्यांच्या पात्र नातेवाईकांनाही अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविण्याचा शासनाने निर्णय घेतला आहे.

वरील सुधारणेव्यतिरिक्त अनुकंपा नियुक्तीच्या प्रचलित योजनेतील इतर तरतूदी यापुढेही कायम राहिल्या आहेत. शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करून देण्यात आला असून त्याचा संगणक संकेतांक २०१०७०६१२१९२५००१ असा आहे.

जिल्हाधिकारी महाराष्ट्र शासन
संगणक संकेतांक २०१०७०६१२१९२५००१ असा आहे.
क्र. नं. :- २२६४९०
123 JUL 2009
उप जिल्हाधिकारी जिल्हाधिकारी
पति,

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने



(श्री. प्र. पाटील)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
मुख्य सचिव,

आस्थापना शाखा

उपलब्ध झाल्याचा दिनांक 20/7/09

संकलन - आस्थापना :- III
कार्यविहरण क्रमांक :- २०७

सही :-

परिपत्रक मंत्रि

अभि



जिल्हाधिकारी

२४०

ROTAHS-1149 (5000-0M-08) 1

वि.२६.११.२००८ ते दि.२९.११.२००८ या कालावधीत मुंबई येथे आतंकवाद्यांच्या हत्येलात शहीद झालेल्या पोलीस सेवेतील व्यक्तींच्या कुटुंबियांपैकी एकास गट-'ब' किंवा 'अ' मधील पदावर शासन सेवेत साभावून घेण्याबाबत.

अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेत सुधारणा करण्याबाबत

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन निर्णय, क्रमांक :- अकंपा-१००८/प्र.क्र.२४८/०८/आठ

मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२

दिनांक :- १३.११.२००९

संदर्भ :- शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१००८/प्र.क्र.२४८/०८/आठ, दिनांक २० जानेवारी, २००९.

प्रस्तावना :- दि.२६.११.२००८ ते २९.११.२००८ या कालावधीत शहीद झालेल्या पोलीस कर्मचाऱ्यांचे नातेवाईकांना संदर्भाधीन दि.२०.१.२००९ च्या शासन निर्णयान्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविण्यात आले आहे. अशा कर्मचाऱ्यांचे पात्र नातेवाईकांना त्यांची शैक्षणिक पात्रता विचारात घेवून गट 'क' व 'ड' प्रमाणेच शासन सेवेतील गट 'ब' किंवा 'अ' मधील सरळसेवेच्या कोट्यातील प्रथम टप्प्यावरील पदावर नियुक्ती देण्यासही शासनाने मान्यता दिलेली आहे. गट 'ब' किंवा 'अ' मध्ये सरळ सेवेच्या कोट्यातील प्रथम टप्प्यावरील नियुक्तीसाठी आवश्यक शैक्षणिक अर्हता प्राप्त करावयाची झाल्यास ती १८ व्या वर्षी प्राप्त करणे शक्य नाही. दि.२०.१.२००९ च्या शासन निर्णयामधील परिच्छेद-२ मधील तरतुदीमुळे शहीद कर्मचाऱ्यांच्या पात्र नातेवाईकांना गट 'ब' किंवा 'अ' मधील पदांवर नियुक्ती मिळण्याच्या तरतुदीचा फायदा घेता येणार नाही, हे विचारात घेवून दि.२०.१.२००९ च्या शासन निर्णयामधील परिच्छेद-२ मधील तरतुदीत सुधारणा करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन निर्णय

या संदर्भात सर्वकष विचार करून आता दि.२६.११.२००८ ते दि.२९.११.२००८ या कालावधीत

| | |
|------------------------|--|
| जिल्हाधिकारी रत्नागिरी | शहीद झालेल्या पोलीस अधिकारी/कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा लाभ देण्यासाठी संदर्भाधीन |
| आवक नं.:- | शासन निर्णय दि.२०.१.२००९ मधील परिच्छेद दोनच्या शेवटी पुढील वाक्य समाविष्ट करण्यात यावे. |
| आ. नं.:- | |
| EST - 7 DEC 2009 | आख्यापना शाखा |
| ११ | दरमजल प्रमुखालयाचा दिनांक 11-12-09 |
| ११ | संयोजक (अ) शाखापना:- ११ |
| ११ | कार्यदेखरेखा क्रमांक:- |
| ११ | [कु.मा.प.] |

सही:-

अनुकंपा नियुक्तीकरिता येणाऱ्या अडचणीबाबत

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन परिपत्रक, क्रमांक :- अकंपा-१००९/८२६/प्र.क्र.२०१/०९/आठ

मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२

दिनांक :- ५.२.२०१०

- संदर्भ :- १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४.
- २) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक १२ मार्च, १९९७.
- ३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च, २००१.
- ४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ, दिनांक २२ ऑगस्ट, २००५.
- ५) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:- अकंपा-१००७/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दिनांक १ जानेवारी, २००८.
- ६) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, अकंपा-१००७/१२९५/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दि.२३ एप्रिल, २००८.

प्रस्तावना :-

शासन सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या अथवा रूग्णतेच्या कारणास्तव (वर्जित प्रयोजने) रूग्णता सेवा निवृत्त झालेल्या शासकीय कर्मचाऱ्यांचे कुटूंब उघडयावर पडू नये यासाठी एक विशेष सवलत म्हणून अनुकंपा नियुक्ती देण्याच्या तत्कालीन प्रचलित योजनेत सुधारणा करून सुधारित योजना दि.२६.१०.१९९४ च्या शासन निर्णयाद्वारे कार्यान्वित करण्यात आली. त्यानुसार अनुकंपा धारकांना नियुक्ती देण्याचे अधिकार संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना देण्यात आले होते. जिल्हाधिकाऱ्यांकडे जिल्ह्यातील सर्व कार्यालयातील अनुकंपा धारकांची गट 'क' व 'ड' ची स्वतंत्र सामायिक प्रतिक्षासूची ठेवावी व जिल्ह्यातील सर्व कार्यालयात उपलब्ध होणाऱ्या पदांवर संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांच्या मागणीनुसार या सामायिक सूचीतील अनुकंपा धारकांची नियुक्ती करावी, अशा स्वरूपाची कार्यपध्दती दि.१२.३.१९९७ च्या शासन निर्णयाद्वारे विहित केली होती. त्यानंतर दि.२२.८.२००५ च्या शासन निर्णयानुसार गट 'क' व 'ड' मधील सेवेत असतांना केवळ दिवंगत झालेल्या शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटूंबातील एका पात्र व्यक्तीस त्याच्या शैक्षणिक अर्हतेनुसार गट 'क' व 'ड' मधील पदांवर नियुक्ती देण्याची तरतूद अस्तित्वात आली.

अनुकंपा नियुक्ती योजनेनुसार अनुकंपा नियुक्ती ही रिक्त पदांच्या उपलब्धतेवर अवलंबून असते व रिक्त पदांच्या उपलब्धतेअभावी पुरेशाप्रमाणात अनुकंपा नियुक्त्या करणे शक्य होत नाही. हे विचारात घेता शासन निर्णय दि.१२.३.१९९७, दि.२२.८.२००५ व दि.२३.४.२००८ अन्वये रिक्त पदांच्या उपलब्धतेनुसार प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांना नियुक्ती देण्यासंदर्भात आदेश निर्गमित केले आहेत. या आदेशासंदर्भात अद्यापही बऱ्याच विभागीय कार्यालयांकडून शंका अथवा मुद्दे उपस्थित करण्यात येत आहेत.

अनुकंपा नियुक्तीसंदर्भात शासनाच्या असे निदर्शनास आले आहे की, नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी स्वतःच्या कार्यालयात मूळ प्रतीक्षासूची कशी ठेवावी व जिल्हाधिकारी कार्यालयातील सामायिक प्रतीक्षासूचीमध्ये नावे समाविष्ट करण्यासाठी काय कार्यवाही करावी, प्रतीक्षासूचीवर उमेदवाराचे नाव दाखल करून घेताना कोणती दक्षता घेण्यात यावी, अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देताना नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी कोणती काळजी घेणे आवश्यक आहे, दिवंगत कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा योजनेची माहिती देताना होणारा विलंब कसा टाळावा तसेच शासनाच्या दि.२३.४.२००८ च्या शासन निर्णयामधील सूचनांची अंमलबजावणी करणे सुलभ कसे होईल, नियुक्ती प्राधिकारी एक असेल व त्याच्या अखत्यारित एकापेक्षा अधिक जिल्हे येत असतील तर मूळ प्रतीक्षासूची व सामायिक प्रतीक्षासूची याबाबत कशी कार्यवाही करावी, यासारख्या मुद्द्यांबाबत क्षेत्रीय कार्यालयांना/नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना येणाऱ्या अडचणी विचारात घेवून अनुकंपा नियुक्तीकरिता प्रतीक्षासूचीवर असलेल्या उमेदवारांची रिक्त पदांच्या उपलब्धतेनुसार नियुक्तीकरिता शिफारस करताना खालील प्रमाणे कार्यवाही करावी.

परिपत्रक :-

शासन निर्णय दि.२२.८.२००५ नुसार अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी स्वतःकडे प्रतीक्षासूची ठेवावी व त्या प्रतीक्षासूचीतील नावे संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांकडे सामायिक प्रतीक्षासूचीमध्ये समाविष्ट करण्यासाठी त्याचवेळी पाठवावीत. त्यानुसार जिल्हाधिकाऱ्यांनी त्यांची नावे सामायिक प्रतीक्षासूचीमध्ये समाविष्ट करावीत. म्हणजेच एका वेळी एका उमेदवाराचे नाव दोन प्रतीक्षासूचीमध्ये असणे गरजेचे आहे. यापैकी कोणत्याही प्रतीक्षासूचीतील उमेदवारास अनुकंपातत्वावर नियुक्ती दिल्यास त्याची माहिती त्या अधिकाऱ्याने अन्य प्रतीक्षासूचीमधील नाव वगळण्यासाठी संबंधितांना कळवावे. परंतु, याप्रमाणे कार्यवाही संबंधित नियुक्ती प्राधिकारी/जिल्हाधिकारी कार्यालय यांचेकडून केली जात नसल्याचे शासनाच्या निदर्शनास आले आहे. तरी सर्व संबंधितांनी याप्रमाणे कार्यवाही करावी.

त्याचप्रमाणे दिवंगत शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याच्या योजनेची माहिती देणे व त्यासाठी आवश्यक असलेली औपचारिकता/कागदपत्रांची पूर्तता करण्यासाठी काय कार्यवाही करावी, त्यासाठी विहित कालमर्यादा काय आहे, याची माहिती वेळेतच संबंधित आस्थापना अधिकाऱ्यांकडून दिवंगत कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना दिली जात नसल्याने, त्या पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्ती योजनेचा लाभ मिळू शकत नाही व गुंतागुंत उद्भवते हे टाळण्यासाठी दि.२३.८.१९९६ च्या शासन निर्णयातील तरतूदीनुसार प्रत्येक आस्थापना अधिकाऱ्याने त्याच्या आस्थापनेवरील दिवंगत शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्ती योजनेची सविस्तर माहिती (कागदपत्रांच्या पूर्ततेसह) मृत्यूच्या दिनांकापासून १५ दिवसानंतर लागलीच अथवा कुटुंबिनवृत्ती वेतनाची कागदपत्रे पाठविताना देण्याची काटेकोर दक्षता घ्यावी.

२. अनेक प्रकरणी असे आढळून येते की, कोणतीही कागदपत्रे सादर केलेली नसताना/अपूर्ण कागदपत्रे असतांना उमेदवारांची नावे प्रतीक्षासूचीत अंतर्भूत केली जातात. सदर कार्यवाही योग्य नाही तेव्हा नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी लक्षात ठेवावे की, जो पर्यंत अनुकंपा नियुक्तीकरता आवश्यक असलेली सर्व कागदपत्रे उमेदवारांकडून प्राप्त होत नाहीत, तो पर्यंत त्यांचे नाव प्रतीक्षासूचीमध्ये समाविष्ट करू नये. ज्या दिवशी संपूर्ण कागदपत्रे प्राप्त होतील त्या दिवशीच त्यांचे नाव प्रतीक्षासूचीमध्ये समाविष्ट करावे. जिल्हयातील सर्व कार्यालयात उपलब्ध होणाऱ्या पदांवर नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांच्या मागणीनुसार सामायिक प्रतीक्षासूचीतील अनुकंपाधारकांची नियुक्तीसाठी शिफारस करावी. तसेच शिफारस प्राप्त झाल्यानंतर नियुक्ती करण्याची जबाबदारी संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्याची राहिल.

३. शासन निर्णय दि.२२.८.२००५ नुसार प्रतिवर्षी रिक्त होणाऱ्या पदांच्या ५% पदे अनुकंपा नियुक्तीने भरावयाची आहेत. नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे असलेल्या विभागाच्या/कार्यालयाच्या प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांसाठी अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी रिक्त जागा उपलब्ध असल्यास त्यानुसार नियुक्ती करावी. तसेच रिक्त पदांची माहिती वेळोवेळी संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांकडे सादर करावी.

४. दि.२२.८.२००५ पूर्वी प्रतीक्षासूचीवर असलेल्या उमेदवारांपैकी ५०% उमेदवारांना पहिल्या वर्षी, २५% उमेदवारांना दुस-या वर्षी व उर्वरित २५% उमेदवारांना तिसऱ्या वर्षी शासन सेवेत अनुकंपा तत्वावर सामावून घ्यावयाचे आहे. ही कार्यवाही करताना प्रतीक्षासूचीमध्ये उमेदवार आहेत, परंतु, नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे नियुक्ती देण्यासाठी गट 'क' व 'ड' मध्ये सरळसेवेची पदे रिक्त नाहीत. तसेच ज्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे रिक्त पदे आहेत, परंतु अनुकंपातत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी दि.२२.८.२००५ पूर्वीचे उमेदवार प्रतीक्षासूचीवर नाहीत, अशी परिस्थिती केव्हा केव्हा उद्भवते. परिणामी अशा वेळी अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देणे शक्य होत नाही. त्याचप्रमाणे जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडून सामायिक प्रतीक्षासूचीतून अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी जिल्ह्यांतील अन्य कार्यालयांकडे शिफारशी केल्यानंतरही त्या उमेदवारांना संबंधित कार्यालयात पद रिक्त असूनही नियुक्ती दिली जात नाही, असे काही जिल्हाधिकाऱ्यांनी शासनाच्या निदर्शनास आणले आहे. अनुकंपा नियुक्तीसंदर्भात शासनाने जो धोरणात्मक निर्णय दि.२३.४.२००८ च्या आदेशान्वये घेतला आहे, त्याची काटेकोर अंमलबजावणी करणे बंधनकारक असल्याने ज्या नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे/ज्यांच्या नियंत्रणाखालील कार्यालयामध्ये गट 'क' व 'ड' ची सरळसेवेची पदे रिक्त आहेत, त्यांनी जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडून अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी प्राप्त झालेल्या शिफारशीच्या अनुषंगाने विहित अटी व शर्ती पूर्ण करणाऱ्या व पूर्ण कागदपत्रे असणाऱ्या उमेदवारांना अनुकंपातत्वावर नियुक्ती देण्याची कार्यवाही विनाविलंब पूर्ण करावी.

त्याचप्रमाणे या आदेशांची प्रभावीपणे अंमलबजावणी करण्याकरिता नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्यांच्या नियंत्रणाखालील कार्यालयांमध्ये सरळसेवेच्या गट 'क' व 'ड' च्या रिक्त पदांची माहिती संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांना न चुकता वेळोवेळी कळवावी. तसेच, सरळसेवेने गट 'क' व 'ड' ची रिक्त पदे भरण्यासंदर्भात जाहिरात देण्यापूर्वी दि.१.१.२००८ व दि.२३.४.२००८ च्या शासन निर्णयाची अंमलबजावणी करण्याकरिता अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यात आल्याची खात्री करून उर्वरित पदांकरिता जाहिरात देण्यापूर्वी संबंधित जिल्हाधिकारी यांची संमती मिळविणे आवश्यक राहिल.

जाहिरातीसाठी संमती मिळविण्याचा प्रस्ताव जिल्हाधिकाऱ्यांकडे पाठविताना नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्यांच्या अखत्यारीतील कोणत्या जिल्ह्यात, कोणत्या संवर्गाची किती पदे रिक्त आहेत याची माहिती त्या त्या जिल्हाधिकाऱ्यांना कळविणे आवश्यक राहिल. जाहिरात देण्याकरिता प्रस्ताव जिल्हाधिकाऱ्यांकडे प्राप्त झाल्यावर दि.२२.८.२००५, दि.१.१.२००८ व दि.२३.४.२००८ च्या शासन निर्णयातील तरतूदींची पूर्तता करण्यासाठी आवश्यक असलेल्या उमेदवारांना अनुकंपा नियुक्तीकरिता त्यांच्या जिल्ह्यात रिक्त असलेली पदे भरण्याकरिता जिल्हाधिकारी शिफारस करतील व अशा शिफारशीनुसार अनुकंपा नियुक्ती देणे संबंधित विभाग प्रमुख/कार्यालय प्रमुखांना बंधनकारक राहिल. अनुकंपा नियुक्तीकरिता जिल्हाधिकाऱ्यांच्या शिफारसीनुसार नियुक्ती केल्यानंतर/दिल्यानंतर जी रिक्त पदे उरतील ती पदे जाहिरातीद्वारे विहितमार्गाने व विहित कार्यपध्दतीने भरण्यासाठी, जिल्हाधिकारी संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांना परवानगी/ना हरकत प्रमाणपत्र देतील.

५. ज्या ठिकाणी विभाग प्रमुख हा नियुक्ती प्राधिकारी असेल व त्याचे कार्यक्षेत्र एका पेक्षा अनेक जिल्ह्यांमध्ये असेल तर विभाग प्रमुखाने नियुक्ती प्राधिकारी या नात्याने त्याच्या अधिकारक्षेत्रातील जिल्ह्यातील कार्यालयांसाठी एकत्रित प्रतीक्षासूची ठेवावी. तसेच दिवंगत कर्मचारी ज्या जिल्ह्यातील

कार्यालयामधील असेल त्या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकाऱ्यांकडे सामायिक प्रतीक्षासूचीवर घेण्यास त्या दिवंगत कर्मचाऱ्याच्या वारसाचे नाव पाठविण्यात यावे.

उदा. एखाद्या प्रशासकीय विभागाचे नियंत्रणाखालील विभाग प्रमुखाचे कार्यालय, अमरावती येथे आहे. विभाग प्रमुख हा गट 'क' साठी नियुक्ती प्राधिकारी असून त्याचे "अमरावती, अकोला, वाशिम, यवतमाळ, बुलढाणा" या जिल्ह्यांत कार्यक्षेत्र आहे. अशावेळी अनुकंपा नियुक्तीकरिता गट 'क' साठी मूळ प्रतीक्षासूची नियुक्ती प्राधिकारी म्हणून अमरावती येथील विभाग प्रमुखाच्या कार्यालयात ठेवण्यात यावी व या प्रतीक्षासूचीतील सदर उमेदवारांची नावे सरसकट जिल्हाधिकारी, अमरावती यांचेकडे न पाठविता दिवंगत कर्मचारी हा ज्या जिल्ह्यांतर्गत कार्यालयातील असेल त्या जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडे संबंधित उमेदवाराचे नाव त्याच्या सामायिक प्रतीक्षासूचीत दाखल करण्यासाठी पाठविण्यात यावे व अशा प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारास नियुक्ती दिल्यानंतर त्याचे नाव दोन्ही प्रतीक्षासूचीतून वगळण्यात यावे.

६. गट 'ड' करिता नियुक्ती प्राधिकाऱ्याचे कार्यक्षेत्र एकापेक्षा अनेक जिल्ह्यात असल्यास वरील प्रमाणेच कार्यपध्दती अनुसरण्यात यावी.

७. त्याखेरीज वरील सर्व कार्यपध्दती अनुसरताना शासनाने यापूर्वी वेळोवेळी निर्गमित केलेले शासन निर्णय दि. २२.०८.२००५, ०१.०१.२००८ व दि. २३.०४.२००८ मधील तरतूदी/निदेशही विचारात घेण्यात यावेत.

तसेच सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी/जिल्हाधिकाऱ्यांनी अनुकंपा नियुक्तीच्या योजनेची अंमलबजावणी करताना वरील सूचना लक्षात घेऊन त्यानुसार कार्यवाही करण्याबाबतची दक्षता घ्यावी व त्यानुसार त्यांच्याकडील अनुकंपा नियुक्तीची प्रकरणे निकाली काढावीत.

उपरोक्त तरतूदी ह्या केवळ शासकीय कर्मचाऱ्यांपुरत्या सीमित आहेत.

सदर शासन परिपत्रक शासनाच्या वेबसाईट क्र. www.maharashtra.gov.in वर उपलब्ध असून त्यांचा संगणक संकेतांक क्र. २०१००२०५१५०३५९००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

(वि. द. आठवले)

अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रती,

मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
मा.मुख्य सचिव यांचे स्वीय सहायक,
सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
सर्व मंत्रालयीन विभाग,
*प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई
*सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
*महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,
*महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,
पोलीस महासंचालक, महाराष्ट्र राज्य

पोलीस आयुक्त, बृहन्मुंबई, मुंबई
महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, मुंबई
अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व
विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती.
***पत्राव्दारे**

**अनुकंपा नियुक्तीकरिता ठेवण्यात येणारी
प्रतीक्षासूची वेबसाईटवर प्रसिध्द करणेबाबत**

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन परिपत्रक, क्रमांक :- अकंपा-१०१०/६७ /प्र.क्र.४१/१०/आठ

मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२

दिनांक :- १५.०५.२०१०

- संदर्भ :-** १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/ प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक २६ ऑक्टोबर, १९९४.
- २) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दिनांक १२ मार्च, १९९७.
- ३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१०००/प्र.क्र.२०/२०००/आठ, दिनांक २८ मार्च; २००१.
- ४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक: अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/२००४/आठ, दिनांक २२ ऑगस्ट, २००५.
- ५) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:- अकंपा-१००७/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दिनांक १ जानेवारी, २००८.
- ६) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, अकंपा-१००७/१२९५/प्र.क्र.१८१/०७/आठ, दि.२३ एप्रिल, २००८.
- ७) शासन परिपत्रक, क्रमांक :- अकंपा-१००९/८२६/प्र.क्र.२०१/०९/आठ, दिनांक ५.२.२०१०

परिपत्रक :-

अनुकंपा नियुक्ती योजनेसंदर्भात शासनाने वेळोवेळी निर्गमित केलेले आदेश लक्षात घेऊन अनुकंपा नियुक्ती योजनेची अंमलबजावणी करण्याची जबाबदारी संबंधित नियुक्ती प्राधिकारी/जिल्हाधिकारी यांची आहे. तथापि, या योजनेची अंमलबजावणी त्यांच्याकडून योग्य प्रकारे व पारदर्शकतेने होत नाही, त्यांच्या कार्यालयात अनुकंपा नियुक्तीसंदर्भात चौकशीकरिता गेलेल्या नागरिकांना/उमेदवारांना/लोकप्रतिनिधींना आवश्यक माहिती त्या कार्यालयाकडून दिली जात नाही, विशेषतः अनुकंपा नियुक्तीकरिता तयार करण्यात आलेली प्रतीक्षासूची/सामायिक प्रतीक्षासूची दाखविली जात नाही, प्रतीक्षासूची कार्यालयाच्या सूचना फलकावर लावली जात नाही, प्रतीक्षासूचीनुसार अनुकंपा नियुक्त्या देण्यात आल्या किंवा कसे, याची माहिती दिली जात नाही. कोणाला केव्हा व कोणत्या कार्यालयात नियुक्ती दिली याची माहिती दिली जात नाही, तसेच प्रतीक्षासूची डावलून अनुकंपा नियुक्त्या दिल्या जातात अशा अनेक स्वरूपाच्या तक्रारी संबंधित प्रतीक्षासूचीतील उमेदवार, संघटना व लोकप्रतिनिधी यांच्याकडून शासनास प्राप्त होत आहेत. त्यामुळे अशा प्रकारच्या तक्रारींना वाव राहू नये तसेच अनुकंपा नियुक्ती योजनेत पारदर्शकता राहावी व आवश्यक ती माहिती संबंधितांना सहज उपलब्ध व्हावी याकरिता सर्व जिल्हाधिकारी/नियुक्ती प्राधिकारी यांनी पुढीलप्रमाणे कार्यवाही करावी असे सूचित करण्यात येत आहे.

१) सर्व जिल्हाधिकारी/नियुक्ती प्राधिकारी व सामान्य प्रशासन विभाग, का.१४-अ, यांनी त्यांच्या कार्यालयातील अनुकंपा नियुक्तीसाठी प्रतीक्षासूचीवर (सामायिक/स्वतंत्र) असलेल्या उमेदवारांची नावे व इतर माहिती सोबत जोडलेल्या प्रपत्र 'अ' मधील नमुन्यात कार्यालयाच्या वेबसाईटवर प्रसिध्द करावी व सदर माहिती ही प्रत्येक महिन्यास अद्ययावत करण्यात यावी.

२) सर्व जिल्हाधिकारी व नियुक्ती प्राधिकारी व सामान्य प्रशासन विभाग, का.१४-अ, यांनी प्रतीक्षासूचीतील उमेदवारांना महिन्याभरात अनुकंपा नियुक्ती दिलेल्या उमेदवारांची नावे व माहिती प्रत्येक

पोलीस महासंचालक, महाराष्ट्र राज्य मुंबई
 पोलीस आयुक्त, बृहन्मुंबई, मुंबई
 महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, मुंबई
 मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
 सर्व मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
 सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
 निवड मस्ती.

*पत्राव्दारे

प्रपत्र 'अ'

(शासन परिपत्रक क्र.अकंपा-१००९/६७/प्र.क्र.४१/१०/आठ, दि. १५.०५.२०१० सोबतचे प्रपत्र)

| अ.क्र. | प्रतीक्षा सूचीतील उमेदवाराचे नाव व पत्ता | उमेदवाराशी संबंधित मूळ कार्यालयाचा पत्ता | प्रतीक्षा सूचीतील क्रमांक | प्रतीक्षासूचीत नाव दाखल झाल्याचा दिनांक | जन्म तारीख | शैक्षणिक अर्हता | मागास वर्गीय (प्रवर्गाचे नाव)/ खुला | नियुक्तीसाठी शिफारस केल्याचा दिनांक व क्रमांक | नियुक्ती साठी शिफारस कोणत्या कार्यालयात केली |
|--------|--|--|---------------------------|---|------------|-----------------|-------------------------------------|---|--|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |

H-1022-2

महिन्याच्या अखेरीस कार्यालयाच्या वेबसाईटवर प्रसिध्द करावी व त्याची प्रत शासनास सामान्य प्रशासन विभाग, का.८ कडे सादर करावी.

त्याखेरीज सर्व जिल्हाधिकारी व नियुक्ती प्राधिकारी व सामान्य प्रशासन विभाग, का.१४-अ, यांनी उपरोक्त माहिती महिन्याच्या शेवटच्या दिवशी अद्ययावत केली जाईल याची काटेकोर दक्षता घ्यावी.

वरील सर्व कार्यपध्दती अनुसरताना शासनाने निर्गमित केलेले शासन निर्णय दि. २२.०८.२००५, ०१.०१.२००८ व दि.२३.०४.२००८ मधील तरतूदी/निदेश व दि.५.२.२०१० च्या परिपत्रकातील मार्गदर्शक सूचनाही विचारात घेऊन त्यानुसार त्यांच्याकडील अनुकंपा नियुक्तीची प्रकरणे निकाली काढावीत. सर्व मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागांनी त्यांच्या अखत्यारितील मंत्रालय खुद व क्षेत्रीय नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडून वरील सूचनांची अंमलबजावणी केली जाईल याची दक्षता घ्यावी. तसेच त्यांच्या अखत्यारितील नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांच्या वेबसाईटचे पत्ते व दूरध्वनी क्रमांक कार्यासन क्र.८, सामान्य प्रशासन विभाग यांच्याकडे पाठवावेत.

उपरोक्त सूचना ह्या केवळ शासकीय कर्मचाऱ्यांपुरत्या सिमीत आहेत. तथापि, सदरहू सूचना महानगर पालिका/नगर पालिका/नगर परिषदा तसेच जिल्हा परिषदा यांना लागू करण्यासंदर्भात नगर विकास विभाग तसेच ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग यांनी आवश्यकतेनुसार स्वतंत्रपणे निर्णय घ्यावा, व निर्णय घेतल्यानंतर सामान्य प्रशासन विभागास अवगत करावे.

सदर शासन परिपत्रक शासनाच्या वेबसाईट क्र. www.maharashtra.gov.in वर उपलब्ध असून त्यांचा संगणक संकेतांक क्र.२०१००५१७१३४१४५००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

(18)

(वि. द. आठवले)

अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रती,

- मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई
- मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
- मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
- सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
- *प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
- *प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई
- *सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
- *प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
- *सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
- *सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,
- *महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
- *महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
- *महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,
- *महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर
- मा.मुख्य सचिव यांचे स्वीय सहायक
- निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
- अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
- मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
- सर्व मंत्रालयीन विभाग
- सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,

मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित ठेवलेल्या
पदांवर अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देतांना
करावयाच्या कार्यवाहीबाबत

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग,

शासन परिपत्रक क्रमांक : अकंपा-१०१०/प्र.क्र.२४४/आठ,

मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२,

दिनांक : १३.१०.२०१०

- वाचा :** शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/आठ,
दिनांक २२.०८.२००५,
शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१००७/प्र.क्र.१८१/०७/आठ,
दिनांक ०१.०१.२००८,
शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१००७/१२९५/
प्र.क्र.१८१/आठ, दिनांक २३.०४.२००८,
शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१००९/८२६/
प्र.क्र.२०१/आठ, दिनांक ०५.०२.२०१०,
शासन परिपत्रक, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : अकंपा-१०१०/६७/
प्र.क्र.४१/१०/आठ, दिनांक १५.०५.२०१०.

परिपत्रक :

शासन सेवेत असताना दिवंगत झालेल्या गट 'क' व गट 'ड' च्या पात्र कुटुंबियांना गट 'क' व 'ड' मधील पदांवर त्यांची शैक्षणिक अर्हता विचारात घेऊन अनुकंपा नियुक्ती देण्याची तरतूद दि. २२.०८.२००५ च्या शासन निर्णयान्वये अंमलात आली आहे. तसेच अशी नियुक्ती देण्यासाठी संबंधित नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडे व संबंधित जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकाऱ्यांकडे अशी दुहेरी प्रतीक्षासूची ठेवण्याचे निर्देशही वरील शासन निर्णयान्वये देण्यात आले आहेत. शासनाचा दि. २२.०८.२००५ चा शासन निर्णय अंमलात येण्यापूर्वी म्हणजेच दि. २२.०८.२००५ पूर्वीच्या प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांची मोठी संख्या व अनुकंपा नियुक्तीस होणारा प्रशासकीय विलंब विचारात घेऊन दि.२३.०४.२००८ च्या शासन निर्णयान्वये दि. २२.०८.२००५ पूर्वीच्या प्रतीक्षासूचीवरील सर्व उमेदवारांना पहिल्या वर्षी ५०%, दुसऱ्या वर्षी २५% व तिसऱ्या वर्षी २५% याप्रमाणे तीन टप्प्यांत नियुक्ती देण्याचे शासनाचे आदेश आहेत.

अनुकंपा नियुक्ती देण्यासाठी वर्षभरात रिक्त होणाऱ्या पदांच्या ५% पदे अनुज्ञेय असून, शासनाच्या दि.१३.०६.२००३ च्या शासन निर्णयान्वये अनुकंपा नियुक्ती करताना मागास वर्ग / अमागासवर्ग असा भेदाभेद न करता प्रतीक्षासूचीवरील ज्येष्ठतेनुसार नियुक्ती देण्याचे निर्देश देण्यात आले आहेत. सामान्य प्रशासन विभागाच्या दि. २३.०४.२००८ च्या शासन निर्णयान्वये दि. २२.०८.२००५ पूर्वीच्या प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांना अनुकंपा नियुक्ती देण्यासाठी ५% ची अट नसल्याने, रिक्त पदांची माहिती पाठविणाऱ्या कार्यालयास, जिल्हाधिकाऱ्यांकडून प्रतीक्षासूचीवर उमेदवार उपलब्ध असल्यास रिक्त पदांइतक्याच उमेदवारांची शिफारस केली जाते. नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांकडून उपलब्ध सर्व रिक्त पदांची संख्या कळविली जात असल्याने त्यामध्ये काही पदे मागासवर्गीय प्रवर्गासाठी आरक्षित असण्याची शक्यता असते व अशा पदांसाठी जिल्हाधिकाऱ्यांकडून खुल्या प्रवर्गातील उमेदवारांची शिफारस केली गेल्यास नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांपुढे आरक्षित पदांवर खुल्या प्रवर्गातील उमेदवारांची नियुक्ती करणे नियमानुकूल होईल किंवा कसे, असा प्रश्न उद्भवत असल्याचे शासनाच्या निदर्शनास आले आहे. या संदर्भात महाराष्ट्र राज्य लोकसेवा [अनुसूचित-जाती/अनुसूचित जमाती, निरधिसूचित जमाती (विमुक्त जाती), भटक्या जमाती, विशेष मागास प्रवर्ग आणि इतर मागासवर्गीयांसाठी आरक्षण] अधिनियम, २००१ मधील कलम ४ (१) मध्ये " अनुसूचित जाती/अनुसूचित जमाती, निरधिसूचित

जमाती (विमुक्त जाती), भटक्या जमाती, विशेष मागास प्रवर्ग आणि इतर मागासवर्ग यांच्या साठी राखून ठेवलेल्या जागा अशा जातीतील, जमातीतील, प्रवर्गातील किंवा वर्गातील नसलेल्या उमेदवारांद्वारे भरण्यात येणार नाहीत." अशी स्पष्ट तरतूद करण्यात आली आहे.

त्यामुळे वरील अधिनियमातील तरतूद तसेच अनुकंपा नियुक्ती देताना ती प्रतीक्षासूचीवरील ज्येष्ठताक्रमानुसारच देण्याची प्रचलित कार्यपद्धती इ. सर्व बाबींचा साकल्याने विचार करून आता अनुकंपा नियुक्तीसाठी असलेल्या प्रतीक्षासूचीवरील अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यासाठी उमेदवारांची शिफारस करतांना जिल्हाधिकाऱ्यांनी तसेच नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी खालीलप्रमाणे कार्यवाही करावी, असे सूचित करण्यात येत आहे :-

(अ) मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित असलेल्या पदावर खुल्या प्रवर्गाच्या उमेदवाराची नियुक्ती करता येत नसल्याने, जिल्हाधिकाऱ्यांनी त्यांच्या अधिकारक्षेत्रातील नियुक्ती प्राधिकाऱ्याकडून रिक्त पदांची माहिती घेताना प्रत्येक रिक्त पद कोणत्या प्रवर्गासाठी आरक्षित आहे / अनारक्षित आहे याचीही माहिती घ्यावी. तदनंतर संबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांनी / शिफारस करणाऱ्या सक्षम प्राधिकाऱ्यांनी अशा पदावर अनुकंपा उमेदवारांची शिफारस करताना मागासवर्गीयांसाठी आरक्षित असलेल्या रिक्त पदावर खुल्या प्रवर्गाच्या उमेदवाराची शिफारस केली जाणार नाही, याची दक्षता घ्यावी व असे आरक्षित पद आरक्षित प्रवर्गाचा उमेदवार उपलब्ध होईपर्यंत रिक्त ठेवावे.

(ब) प्रतीक्षासूचीत कनिष्ठ क्रमांकावर मागास प्रवर्गाचा उमेदवार असला तरी त्यास ज्येष्ठता क्रम डावलून खुल्या प्रवर्गाच्या ज्येष्ठ उमेदवारांना नियुक्ती देण्यापूर्वी आरक्षित पदावर नियुक्ती देता येणार नाही. खुल्या प्रवर्गाच्या उमेदवारांना नियुक्ती दिल्यानंतर जेव्हा आरक्षित प्रवर्गाच्या उमेदवाराचा प्रतीक्षासूचीतील ज्येष्ठतेनुसार नियुक्तीसाठी क्रम येईल तेव्हाच त्याची नियुक्ती आरक्षित पदावर करणे आवश्यक आहे. तथापि, मागासवर्गीय उमेदवारास प्रतीक्षासूचीवरील ज्येष्ठताक्रमानुसार अनुकंपा नियुक्ती देण्याच्या वेळी त्या उमेदवारांच्या मागासवर्ग प्रवर्गाचे पद उपलब्ध नसले तरी त्यांना खुल्या प्रवर्गाच्या उपलब्ध पदावर नियुक्ती देण्यात यावी.

(क) सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांनी त्यांच्या आस्थापनेवरील रिक्त पदांची माहिती जिल्हाधिकाऱ्यांना कळविताना त्यामधील आरक्षित पदे किती आहेत व ती कोणत्या प्रवर्गासाठी आरक्षित आहेत, याचा स्पष्ट उल्लेख करावा. त्याचप्रमाणे जिल्हाधिकाऱ्यांकडे त्यांच्या प्रतीक्षासूचीवर दाखल करण्यासाठी अनुकंपा उमेदवारांची नांवे पाठविताना त्यांचा प्रवर्ग न चुकता नमूद करावा.

सर्व मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागांनी उपरोक्त निदेश त्यांच्या क्षेत्रीय स्तरावरील सर्व विभागप्रमुख / कार्यालय प्रमुख व सर्व नियुक्ती प्राधिकाऱ्यांच्या निदर्शनास आणून त्याची काटेकोर अंमलबजावणी केली जाईल, याची दक्षता घ्यावी.

सदर शासन परिपत्रक शासनाच्या वेबसाईट क्र. www.maharashtra.gov.in. वर उपलब्ध असून त्याचा संगणक संकेतांक क्र. २०१०१०१३१५५६३१००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,



(श्री. प्र. पाटील)

सह सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रती,

मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,

मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,

मा.मुख्य सचिव

सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,

सर्व मंत्रालयीन विभाग,

*प्रबंधक मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,

*प्रबंधक अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,

*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई

*सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),

*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,

*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,

*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,

*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,

*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,

*महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,

*महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,

अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,

निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,

मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,

सर्व विभागीय आयुक्त

सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,

निर्निराळया मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख

कार्यासन १६- ब / सा.प्र.वि.

सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,

निवड नस्ती.

*पत्राद्वारे

आरक्षण शाखा
दिनांक ११/१२/२०११
संख्या-
सहाय्यक क्रमांक-

सही:-
०५/१०/११

शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांना
अनुकंपा नियुक्ती देण्यासाठी कमाल
वयोमर्यादेचा व टंकलेखन परीक्षा उत्तीर्ण
होण्याचा निकष सुधारित करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग,
शासन निर्णय क्रमांक :- अकंपा-१०१०/प्र.क्र. ३०८/१०/आठ,
मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२,
दिनांक :- ६.१२.२०१०

- वाचा :
१. शासन निर्णय सा.प्र.वि.क्र.अकंपा-१०९५/प्र.क्र.३४-अ/आठ, दि.२३.८.१९९६
 २. शासन निर्णय सा.प्र.वि.क्र.अकंपा-१०९८/प्र.क्र.०५/९८/आठ, दि.१०.३.१९९८
 ३. शासन निर्णय सा.प्र.वि.क्र.अकंपा-१००४/प्र.क्र.५१/आठ, दि.२२.८.२००५
 ४. शासन निर्णय सा.प्र.वि.क्र.अकंपा-१००७/१२९५/प्र.क्र.१८१/आठ, दि.२३.४.२००८
 ५. शासन निर्णय सा.प्र.वि.क्र. निवक-१०१०/प्र.क्र.०८/१६-अ, दि.६.१०.२०१०

प्रस्तावना :- शासकीय कर्मचाऱ्यांसाठी असलेल्या प्रचलित अनुकंपा नियुक्ती योजनेमध्ये शा.नि.दि.२२.८.२००५ व दि.२३.४.२००८ अन्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी कमाल वयोमर्यादा ४० वर्षे इतकी विहित करण्यात आलेली आहे. या कमाल वयोमर्यादेच्या अटीमुळे प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवारांची नावे नियुक्ती मिळण्यापूर्वीच वयोधिक्यामुळे वगळली जात असल्याने सदर वयोमर्यादेत वाढ करण्याचा प्रस्ताव शासनाच्या विचाराधीन होता. याबाबतच्या प्रस्तावावर सर्वंकष विचार करून अनुकंपा नियुक्तीच्या प्रचलित योजनेमधील नियुक्तीसाठी असलेल्या कमाल वयोमर्यादेची व टंकलेखन परीक्षा उत्तीर्ण होण्यासंबंधातील सद्यःस्थितीत अस्तित्वात असलेल्या तरतूदी अधिक्रमित करून खालीलप्रमाणे सुधारित तरतूदी लागू करण्याचा निर्णय शासनाने घेतला आहे.

शासन निर्णय :-

- १) शासकीय कर्मचाऱ्यांच्या पात्र कुटुंबियांना अनुकंपा नियुक्ती देण्यासाठी या आधी असलेल्या ४० वर्षे या कमाल वयोमर्यादेत वाढ करण्यात येत असून ती आता वयाची ४५ वर्षे इतकी राहिल.
- २) अनुकंपा तत्त्वावर लिपीक- टंकलेखक पदावर नियुक्ती देण्यात आलेल्या उमेदवारांना टंकलेखनाचे विहित वेगमर्यादेचे शासकीय वाणिज्य प्रमाणपत्र प्राप्त करून घेण्यासाठी सध्या असलेली २ वर्षे ही मुदत कमी करून ती आता नियुक्तीच्या दिनांकापासून ०६ महिने इतकी करण्यात येत आहे.

३) हे आदेश दि.६.१०.२०१० पासून लागू राहतील.

अध्यक्ष :-

अनुकंपा नियुक्ती योजनेसंदर्भातील यापूर्वी वेळोवेळी काढलेल्या शासन निर्णयामध्ये उल्लेख केल्याप्रमाणे
२ उपरीक्त सुधारित तरतूदी या केवळ शासकीय कर्मचाऱ्यांपूरत्याच सीमित आहेत. सदर तरतूदी या

जिल्हा परिषदा / नगर पालिका / महानगर पालिका / महामंडळे / प्राधिकरणे / व्यापारी उपक्रम व इतर तत्सम आस्थापनांवरील कर्मचाऱ्यांना थेट लागू होणार नाहीत. त्यासाठी संबंधित प्रशासकीय विभागाने स्वतंत्रपणे निर्णय घेणे आवश्यक राहिल.

सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करण्यात आला असून, त्याचा संगणक सांकेतांक क्र. २०१०१२०६१६४०२९००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने


(के.पी.बक्षी)

प्रधान सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रती,

- मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई.
- मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
- मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
- मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
- मा.मुख्य सचिव
- सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
- *प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मूळ न्याय शाखा / अपील शाखा, मुंबई,
- *प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मुंबई / खंडपीठ औरंगाबाद / नागपूर
- *प्रबंधक, महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण, मुंबई/ खंडपीठ औरंगाबाद / नागपूर
- *प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई
- *सरकारी वकील, उच्च न्यायालय, (मूळ शाखा / अपील शाखा), मुंबई / खंडपीठ औरंगाबाद / नागपूर
- *सादरकर्ता अधिकारी, महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण, मुंबई/ खंडपीठ औरंगाबाद / नागपूर
- *प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
- *सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
- *प्राथेनेटरी अँड सिनियर मास्टर, हायकोर्ट, मुंबई
- *सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई,
- *सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई.
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
- महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, नागपूर.
- महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा), महाराष्ट्र, मुंबई,
- महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर.
- अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
- निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.
- मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
- महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क संचालनालय, मंत्रालय, मुंबई,
- सर्व विभागीय आयुक्त
- सर्व जिल्हाधिकारी
- सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
- सर्व मंत्रालयीन विभाग,
- निर्निराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख
- सामान्य प्रशासन विभाग / कार्यासन क्र.१६-अ, मंत्रालय, मुंबई.
- सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने.
- निवड नस्ती.
- *पत्राने

नक्षलवादी/आतंकवादी/दरोडेखोर/समाज
विघातक/जीव धोक्यात घालून प्रत्यक्ष कर्तव्य
बजावताना मृत्युमुखी पडलेल्या अधिकारी/
कर्मचा-याच्या पात्र कुटुंबीयास प्राधान्याने
अनुकंपा नियुक्ती देण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
शुध्दीपत्रक : क्र. अकंपा-१०१२/प्र.क्र. २०४/आठ
मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२.
दिनांक : १७ सप्टेंबर, २०१२

संदर्भ-शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१००६/प्र.क्र. १७४/०६/आठ, दिनांक १७/७/२००७

शुध्दीपत्रक:

संदर्भाधीन शासन निर्णयातील अनुक्रमांक १ येथील तरतूद खालील प्रमाणे वाचावी,

१) "गट अ/ब/क/ड मधील शासकीय अधिकारी अथवा कर्मचा-यास नक्षलवादी/ आतंकवादी/
दरोडेखोर/समाज विघातक यांच्या हत्यात/कारवाईत मृत्यू आल्यास अथवा शासन सेवेत कार्यरत असतांना
स्वतःचा जीव धोक्यात घालून प्रत्यक्ष कर्तव्य बजावत असताना मृत्युमुखी पडल्यास, अशा अधिका-यांच्या व
कर्मचा-यांच्या कुटुंबीयातील पात्र व्यक्तीस, अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देताना, त्यांचे नांव अनुकंपाधारकांच्या
सामान्य प्रतीक्षासूचीमध्ये न घेता, त्यांची वेगळी यादी करून पद उपलब्ध असल्यास, रिक्त पदांच्या ५ टक्के
मर्यादेची अट शिथिल करून त्यांना सर्व प्राथम्याने अनुकंपा नियुक्ती देण्यात यावी."

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

4732
19 OCT 2012

Krishna

अ. द. जोशी

(अ. द. जोशी)

अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,

१५३

D:Corregendam.lwp

आस्थापना संस्था

उपलब्ध असलेल्या क्रमांक
संस्थापना- आस्थापना-
कार्यालय क्रमांक-

23/90/2012

III

सही- १७

मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,

मा.मुख्य सचिव

सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,

सर्व मंत्रालयीन विभाग,

*प्रबंधक मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,

*प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,

*प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई

*सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),

*प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,

*सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,

*सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,

*महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,

*महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,

*महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,

*महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,

अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,

निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,

मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,

सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,

सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,

निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख

(संबंधीत प्रशासकीय विभागांमार्फत)

सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,

निवड नस्ती

अनुकंपा नियुक्ती धोरणातील तरतूदीमध्ये
सुधारणा--विवाहित मुलीस अनुकंपा
नियुक्तीस पात्र ठरविणेबाबत

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक: अकंपा १०१३/प्र.क्र.८/आठ

हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा रोड, मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.

तारीख: २६ फेब्रुवारी, २०१३.

वाचा —

- १) शासन निर्णय क्रमांक: सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१३/२३३५/ प्र.क्र.१० / १३/आठ, दिनांक २६/१०/१९९४
- २) शासन निर्णय क्रमांक: सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१५/ प्र.क्र.३४अ/आठ, दिनांक २३/८/१९९६
- ३) शासन निर्णय क्रमांक: सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००६/ प्र.क्र. १७४/०६/आठ, दिनांक १७/७/२००७

प्रस्तावना —

संदर्भाधिन क्र.१ च्या शासन निर्णयान्वये अनुकंपा नियुक्तीची सुधारित योजना अंमलात आली. अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र कुटुंबीयांमध्ये दिवंगत राज्य शासकीय कर्मचा-याची पती/पत्नी, मुलगा किंवा अविवाहित मुलगी अथवा मृत्युपूर्वी कायदेशीररीत्या दत्तक घेतलेला/घेतलेली मुलगा/अविवाहित मुलगी, दिवंगत शासकीय कर्मचा-याचा मुलगा हयात नसेल व त्याच्या कुटुंबातील पात्र नातेवाईका व्यतिरिक्त अन्य कोणीही अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र नसेल तर त्याची सून, केवळ अविवाहित शासकीय कर्मचा-यांच्या बाबतीत त्यांच्यावर सर्वस्वी अवलंबून असणारा भाऊ किंवा अविवाहित बहीण, घटस्फोटीत/परित्यक्ता/विधवा मुलगी/बहीण ही नियमानुसार नेमणुकीस पात्र नातेवाईक मानण्यात

येतात. यानुसार कर्मचा-याची विवाहित मुलगी ही अनुकंपा नियुक्तीसाठी अपात्र समजण्यात येत होती. या संदर्भात श्रीमती अपर्णा झांबरे विरुद्ध सहायक अधिक्षक अभियंता, कृष्णा कोयना उपसा सिंचन प्रकल्प मंडळ व इतर प्रकरणी मा. उच्च न्यायालय, मुंबई / मा. सर्वोच्च न्यायालयाने दिलेल्या निर्णयाच्या पार्श्वभूमीवर अनुकंपा नियुक्तीसाठी विवाहित मुलीला पात्र ठरविण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. या अनुषंगाने शासनाने पुढीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे.

शासन निर्णय—

दिवंगत राज्य शासकीय कर्मचा-याच्या कुटुंबामध्ये फक्त विवाहित मुलगी हे एकमेव आपत्य असल्यास किंवा त्यांचे कुटुंब फक्त विवाहित मुलीवर अवलंबून असेल अशा प्रकरणी दिवंगत शासकीय कर्मचा-याची विवाहित मुलगी ही अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र राहिल.

२) अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देताना त्या उमेदवाराकडून (विवाहित मुलीच्या बाबतीत तिच्यासह तिच्या पतिकडूनही) दिवंगत शासकीय कर्मचा-याच्या कुटुंबीयांचा तो/ती सांभाळ करील असे प्रतिज्ञापत्र सादर करणे आवश्यक राहिल. मात्र अनुकंपा तत्वावर एकदा नियुक्ती मिळाल्यानंतर तो/ती (उमेदवार) कुटुंबीयांचा सांभाळ करित नसल्याचे आढळल्यास त्याची/तीची शासन सेवा तात्काळ समाप्त करण्यात यावी. तरी यासंदर्भात आवश्यक हमीपत्र (undertaking) नियुक्तीपूर्वी यापुढे उमेदवारांकडून स्टॅप पेपरवर घेण्यात यावे.

अविवाहित मुलीला अनुकंपा नियुक्ती मिळाल्यानंतर तिचा विवाह झाल्यास विवाहाच्या दिनांकापासून सहा महिन्यांच्या आत तिच्या पतिकडूनही तसे हमीपत्र घेण्यात यावे.

सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१३०२२६१६३३०६५३०७ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

PATIL
SHRIKANT P

Digitally signed by PATIL SHRIKANT
P
DN: c=IN, o=Government of
Maharashtra, ou=GAD,
postalCode=400032,
st=Maharashtra, cn=PATIL
SHRIKANT P
Date: 2013.02.27 17:26:59 +05'30'

(श्री. प्र. पाटील)

सह सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रत,

१. मा.राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
२. मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
३. मा.उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
४. मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
५. सर्व विधान सभा सदस्य/विधान परिषद सदस्य.
६. मा.मुख्य सचिव
७. सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
८. सर्व मंत्रालयीन विभाग,
९. प्रबंधक मूल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
१०. प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
११. प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई
१२. सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
१३. प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
१४. सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
१५. सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई,

१६. महालेखापाल, महाराष्ट्र-१ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
१७. महालेखापाल, महाराष्ट्र-२ (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई,
१८. महालेखापाल-१ (लेखा परीक्षा) मुंबई,
१९. महालेखापाल-२ (लेखा परीक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर,
२०. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
२१. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
२२. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
२३. सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
२४. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
२५. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख
२६. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
२७. निवड नस्ती

अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेल्या
पदांच्या मर्यादेत वाढ.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
शासन निर्णय क्रमांक: अकंपा -१०१४/प्र.क्र. ३४/आठ
हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा रोड,
मंत्रालय, मंबई ४०० ०३२.
दिनांक: १ मार्च, २०१४

वाचा :-

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१००४/प्र.क्र. ५१/ २००४/आठ, दिनांक २२/८/२००५.

प्रस्तावना :-

संदर्भाधीन शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, दिनांक २२/८/२००५ अन्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी गट 'क' आणि 'ड' मध्ये प्रतिवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या ५ % पदांची मर्यादा विहित करण्यात आली आहे. या मर्यादेमुळे अनुकंपाधारकांना प्रत्यक्ष नियुक्ती मिळण्यासाठी प्रदीर्घकाळ प्रतीक्षा करावी लागत असल्याचे आढळून आल्याने प्रती वर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या ५ % पदांच्या मर्यादेत सुधारणा करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. या बाबीचा साकल्याने विचार करुन शासनाने पुढीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे.

शासन निर्णय :-

संदर्भाधीन शासन निर्णय दिनांक २२/८/२००५ अन्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी गट 'क' आणि 'ड' मध्ये प्रती वर्षी रिक्त होणा-या ५ % मर्यादेमध्ये वाढ करुन ती गट 'क' आणि 'ड' मधील प्रती वर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १० % इतकी करण्याचा निर्णय शासनाने घेतला आहे. या वाढीव मर्यादेचा एक वर्षानंतर फेर आढावा घेण्यात यावा.

सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१४०३०११८१२२९९२०७ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करुन काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

JOSHI
ANIL D
Digitally signed by JOSHI ANIL D
DN: c=IN, o=Government of
Maharashtra, ou=GAD,
postalCode=400032,
st=Maharashtra, cn=JOSHI ANIL
D
Date: 2014.03.01 18:19:38
+05'30'

अ. द. जोशी

अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

१. मा. राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल, मुंबई.

२. मा. मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव.
३. मा. उप मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव.
४. मा. मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव.
५. सर्व विधानसभा सदस्य/ विधानपरिषद सदस्य.
६. मा. मुख्य सचिव.
७. सर्व मंत्रालयीन विभागाचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव.
८. सर्व मंत्रालयीन विभाग.
९. प्रबंधक, मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई.
१०. प्रबंधक, अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई.
११. प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोकआयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई.
१२. सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने)
१३. प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा), मुंबई.
१४. सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधान परिषद), मुंबई.
१५. सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासकीय भवन, मुंबई.
१६. महालेखापाल, महाराष्ट्र-१, (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई.
१७. महालेखापाल, महाराष्ट्र-२, (लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र, मुंबई.
१८. महालेखापाल-१ (लेखा परिक्षा) मुंबई.
१९. महालेखापाल-२ (लेखा परिक्षा) महाराष्ट्र, नागपूर.
२०. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई.
२१. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.
२२. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई.
२३. सर्व विभागीय आयुक्त/ सर्व जिल्हाधिकारी.
२४. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी.
२५. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख.
२६. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने.
२७. निवडनस्ती.

अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेल्या पदांच्या
मर्यादेत वाढ.

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

पूरक पत्र क्रमांक: अकंपा-१०१४/प्र.क्र.३४/आठ

हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा रोड,

मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२

तारीख: २ मे, २०१४

वाचा-

१) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक. अकंपा-१०१४/प्र.क्र.३४/आठ, दिनांक १/३/२०१४

शासन पूरक पत्र :

संदर्भाधीन शासन निर्णयातील पहिल्या परिच्छेदातील “या वाढीव मर्यादेचा एक वर्षानंतर फेरआढावा घेण्यात यावा” या वाक्यानंतर पुढील परिच्छेद वाचावा :

“अनुकंपा तत्वावरील पदे सन २०१२ या भरती वर्षापासून गट ‘क’ आणि ‘ड’ मधील प्रती वर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १० % मर्यादेत भरण्याची कार्यवाही सर्व नियुक्ती प्राधिका-यांनी तात्काळ करावी.”

सदर शासन पूरक पत्र महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१४०५०२१६२८५२७८०७ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करुन काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

**JOSHI
ANIL D**

Digitally signed by JOSHI ANIL D
DN: c=IN, o=Government of
Maharashtra, ou=GAD,
postalCode=400032,
st=Maharashtra, cn=JOSHI ANIL
D
Date: 2014.05.02 17:15:34 +05'30'

(अ. द. जोशी)

अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

१. मा. राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
२. मा. मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
३. मा. उपमुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
४. मा. मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,

५. सर्व विधान सभा सदस्य/विधान परिषद सदस्य.
६. मा.मुख्य सचिव
७. सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
८. सर्व मंत्रालयीन विभाग,
९. *प्रबंधक मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
१०. *प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
११. *प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई
१२. *सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
१३. *प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
१४. *सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
१५. *सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासन भवन, मुंबई,
१६. *महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१७. *महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-२, महाराष्ट्र, मुंबई,
१८. *महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१९. *महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-२, महाराष्ट्र, नागपूर,
२०. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
२१. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
२२. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
२३. सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
२४. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
२५. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख
२६. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
२७. निवड नस्ती.

अनुकंपा तत्वावर लिपीक-टंकलेखक पदावर नियुक्ती करतांना उमेदवाराने टंकलेखन अर्हता प्रमाणपत्र सादर करण्याच्या मुदतीमध्ये वाढ करणे व काही अधिकार मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागप्रमुखांना देणे.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक : अकंपा -१०१४/प्र.क्र. १६४ /आठ
हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा रोड, मंत्रालय, मंबई ४०० ०३२.
दिनांक : २० मे, २०१५.

- वाचा :**
१. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/ आठ, दिनांक २६/१०/१९९४
 २. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०९५/ प्र.क्र. ३४-अ /आठ, दिनांक २३/८/१९९६
 ३. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००४/प्र.क्र. ५१/ २००४/आठ, दिनांक २२/८/२००५
 ४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१०/प्र.क्र.३०८/१०/ आठ, दिनांक ६/१२/२०१०

प्रस्तावना :

शासकीय सेवेत असताना दिवंगत झाल्यास किंवा गंभीर आजार, अपघात यामुळे शासकीय सेवा करण्यास वैद्यकीय दृष्ट्या कायमचा असमर्थ ठरल्यामुळे रुग्णता निवृत्त झाल्यास त्याच्या कुटुंबावर ओढवणा-या आर्थिक आपत्तीत कुटुंबियांना तातडीने मदत मिळण्याच्या उद्देशाने सुरु केलेल्या अनुकंपा नियुक्ती योजनेत दिनांक २६/१०/९४ व त्यानंतर वेळोवेळी सुधारणा करण्यात आल्या. सध्या गट -क व -ड मध्ये कार्यरत असताना दिवंगत झालेल्या राज्य शासकीय कर्मचा-यांच्या पात्र कुटुंबीयांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती दिली जाते. अनुकंपा तत्वावर लिपीक - टंकलेखक पदावर नियुक्ती दिलेल्या उमेदवारांना सध्या नियुक्तीपासून ६ महिन्यांच्या कालावधीत विहित टंकलेखन अर्हता प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक आहे. काही न्यायालयीन प्रकरणी मा. न्यायाधिकरणाने दिलेल्या निर्णयानुसार ही मुदत वाढविण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती तसेच दि. ७/१०/२०१४ रोजी मा. मुख्य सचिव यांच्या अध्यक्षतेखाली झालेल्या वरिष्ठ सचिव समितीच्या बैठकीदरम्यान मा. मुख्य सचिव यांनी दिलेल्या निदेशानुसार काही अधिकार संबंधीत मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागाच्या विभागप्रमुखांना देण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. यानुसार शासन आता पुढील प्रमाणे आदेश देत आहे.

शासन निर्णय :

१. अ) टंकलेखन अर्हता प्रमाणपत्र सादर करण्यास मुदतवाढ देणे :-

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, दिनांक ६/१२/२०१० नुसार अनुकंपा तत्वावर लिपिक-टंकलेखक पदावर नियुक्ती मिळाल्यानंतर ६ महिन्यांच्या आत विहित वेगमर्यादेचे टंकलेखन प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक आहे. परंतु महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषदेकडून एका वर्षातून २ वेळा (मे व नोव्हेंबर) टंकलेखन परीक्षा आयोजित केली जाते. सदर परीक्षेस पात्र होण्यासाठी ४ महिन्यांचे प्रशिक्षण पूर्ण करावे लागते. त्यामुळे ६ महिन्यांच्या आत काही उमेदवार असे प्रमाणपत्र सादर करू शकत नाहीत. सबब **अनुकंपा तत्वावर लिपिक-टंकलेखक पदावर नियुक्त झालेल्या उमेदवारांना विहित वेगमर्यादेचे टंकलेखन अर्हता प्रमाणपत्र सादर करण्यासाठी ६ महिने असलेली मुदत वाढवून २ वर्षे इतकी करण्यात येत आहे.**

अनुकंपा तत्वावर लिपिक-टंकलेखक पदावर नियुक्ती दिलेल्या व शासन निर्णयाच्या दिनांकापर्यंत नियुक्तीपासून २ वर्षे पूर्ण न झालेल्या उमेदवारांनाही सदर प्रमाणपत्र सादर करण्यासाठी उमेदवारांच्या नियुक्तीपासून २ वर्षे इतकी मुदत देण्यात येत आहे.

६ महिन्यांच्या कालावधीत सदर प्रमाणपत्र सादर न केल्याने ज्या उमेदवारांच्या लिपिक-टंकलेखक पदावरील सेवा समाप्त केल्या आहेत त्यांनाही लिपिक - टंकलेखक पदावरील नियुक्तीच्या दिनांकापासून २ वर्षात सदर प्रमाणपत्र सादर करण्याची मुभा द्यावी. अशा उमेदवारांनी सदर प्रमाणपत्र सादर केल्यानंतर लिपिक - टंकलेखक पदावरील अनुपस्थित कालावधीचे कोणतेही वेतन विषयक लाभ न देता सेवा सातत्यासह लिपिक - टंकलेखक पदावर पुनःस्थापित करण्यात यावे.

ब) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, दि. २३.०८.१९९६ मध्ये नमूद केल्यानुसार आस्थापना अधिका-याने अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीच्या योजनेची माहिती शासकीय कर्मचा-यांच्या मृत्यूनंतर १५ दिवसानंतर किंवा कुटुंब निवृत्तीवेतनाची कागदपत्रे पाठविताना शासकीय कर्मचा-यांच्या कुटुंबियांना त्वरीत उपलब्ध करून देणे आवश्यक आहे तसेच दिवंगत शासकीय कर्मचा-याचा पात्र वारसदार सज्जान नसेल तर तो सज्जान झाल्यानंतर एक वर्षाच्या आत अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी अर्ज करू शकेल मात्र तो सज्जान झाल्यावर त्याने असा अर्ज करणे अपेक्षित आहे हे देखील कुटुंब निवृत्तीवेतन धारकाला कुटुंब निवृत्तीवेतनविषयक कागदपत्रांची पूर्तता करतेवेळी लेखी कळविणे संबंधित आस्थापना अधिका-यावर बंधनकारक राहिल.

क) अनुकंपा तत्वावरील प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवाराचे निधन झाल्यास त्याऐवजी कुटुंबातील अन्य पात्र वारसदाराचा समावेश अनुकंपा नियुक्तीच्या प्रतीक्षासूचीत करणे:-

कर्मचा-यांच्या मृत्यूनंतर त्याच्या पात्र कुटुंबीयांचे नांव अनुकंपाधारकांच्या प्रतीक्षासूचीमध्ये घेतल्यानंतर त्याच्याऐवजी अन्य पात्र वारसदाराचे नांव प्रतीक्षासूचीमध्ये घेतले जात नाही. म्हणजेच प्रतीक्षासूचीमधील नांव बदलण्याची तरतूद सध्याच्या धोरणात नाही.

परंतु प्रतीक्षासूचीवरील उमेदवाराचेच निधन झाल्यास प्रतीक्षासूचीतील उमेदवाराऐवजी त्याच्या कुटुंबातील अन्य पात्र उमेदवाराचे नांव अनुकंपाधारकांच्या प्रतीक्षासूचीमध्ये मूळ उमेदवाराच्या प्रतीक्षासूचीतील दिनांकाला घेतले जाईल. मात्र नव्या उमेदवाराचे वय सदर दिनांकाला १८ वर्षांपेक्षा जास्त

असावे. जर नव्या उमेदवाराचे वय मूळ उमेदवाराच्या प्रतीक्षासूचीतील दिनांकास १८ वर्षापेक्षा कमी असेल तर, नव्या उमेदवाराचे नांव त्याला ज्या दिवशी १८ वर्षे पूर्ण होतील त्या दिनांकास घेण्यात यावे.

ड) अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र वारसदाराला अर्ज सादर करण्यास २ वर्षापर्यंतचा विलंब क्षमापित करण्याबाबत:-

शासकीय कर्मचा-याच्या मृत्यूनंतर १ वर्षाच्या आत अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र वारसदाराने अर्ज सादर करणे आवश्यक आहे. तथापि १ वर्षानंतर २ वर्षे इतक्या कालावधीपर्यंत (मृत्यूच्या दिनांकापासून ३ वर्षापर्यंत) अर्ज सादर करण्यास विलंब झाल्यास असा विलंब क्षमापित करण्याचे अधिकार संबंधीत मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागांच्या विभागप्रमुखांना देण्यात येत आहेत.

दिवंगत शासकीय कर्मचा-यांच्या अज्ञान उमेदवाराच्या बाबतीत तो उमेदवार सज्ञान झाल्यावर त्याला अनुकंपा नियुक्तीसाठी अर्ज सादर करण्यास १ वर्षापेक्षा अधिक २ वर्षापर्यंत (सज्ञान झाल्याच्या दिनांकापासून ३ वर्षापर्यंत) इतका विलंब झाल्यास असा विलंब क्षमापित करण्याचे अधिकार संबंधीत मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागांच्या विभागप्रमुखांना देण्यात येत आहेत.

२. अनुकंपा नियुक्ती धोरणातील याशिवाय अन्य कोणत्याही अटी/शर्ती शिथिल करण्याचे अधिकार मंत्रालयीन प्रशासकीय विभागप्रमुखांना राहणार नाहीत.

३. सदर शासन निर्णय हा महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१५०५२०१६४०३११४०७ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने सांक्षाकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,

Surve Rajendra
K

Digitally signed by Surve Rajendra K
DN: CN = Surve Rajendra K, C = IN,
S = Maharashtra, O = Mantralaya
Canteen, OU = Mantralaya Canteen
Date: 2015.05.20 16:43:42 +05'30'

(राजेंद्र सुर्वे)

सह सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

१. मा. राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
२. मा. मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
३. मा. मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
४. सर्व विधान सभा सदस्य/विधान परिषद सदस्य.
५. मा. मुख्य सचिव
६. सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
७. सर्व मंत्रालयीन विभाग,
८. प्रबंधक मूळ शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
९. प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
१०. प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई.

११. सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
१२. प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
१३. सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
१४. सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासन भवन, मुंबई,
१५. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१६. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-२, महाराष्ट्र, मुंबई,
१७. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१८. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-२, महाराष्ट्र, नागपूर,
१९. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
२०. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
२१. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
२२. सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
२३. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
२४. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
२५. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
२६. निवड नस्ती.

अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेल्या
पदांच्या मर्यादेत वाढ करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
शासन निर्णय क्रमांक: अकंपा-१२१५/प्र.क्र. ४७/आठ
हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा मार्ग,
मंत्रालय, मंबई ४०० ०३२.
तारीख: २८ ऑक्टोबर, २०१५.

वाचा -

१. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००४/प्र.क्र. ५१/ २००४/आठ,
दिनांक २२/८/२००५
२. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र. ३४/ आठ,
दिनांक १/३/२०१४
३. शासन पूरक पत्र, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.३४/ आठ,
दिनांक २/५/२०१४
४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.१२७/ आठ,
दिनांक २०/६/२०१५
५. शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्र.संकिर्ण-१०१५/प्र.क्र.४१/ अर्थ-१,
दिनांक २/६/२०१५
६. शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्र.संकिर्ण-१०१५/प्र.क्र.४१/ अर्थ-१,
दिनांक २३/९/२०१५

प्रस्तावना -

अनुकंपा नियुक्ती साठी गट- क आणि गट- ड मध्ये प्रतीवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या ५% पदांची मर्यादा वाढवून ती एक वर्षासाठी १०% इतकी संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील दिनांक ०१.०३.२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये, करण्यात आली. सदर शासन निर्णयात नमूद केल्यानुसार दिनांक २८.०२.२०१५ रोजी एक वर्षे पूर्ण झाल्याने या मर्यादेचा फेरआढावा घेण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. उपरोक्त संदर्भाधीन क्र. (५) व (६) येथील शासन निर्णयान्वये पद भरतीवरील निर्बंध दरम्यानच्या कालावधीत आले. ह्या सर्व बाबी विचारात घेऊन शासनाने पुढीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे.

शासन निर्णय-

संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील दिनांक ०१.०३.२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी प्रतीवर्षी रिक्त होणा-या पदाच्या १०% ची असलेली मर्यादा दिनांक ०१.०३.२०१५ पासून पुढे २ वर्षे (दिनांक २८.०२.२०१७ पर्यंत) चालू राहिल.

तथापि संदर्भाधीन क्र. (५) व (६) येथील शासन निर्णयानुसार पदभरतीवरील असलेले निर्बंध विचारात घेता प्रस्तुत निर्बंध असेपर्यन्त गट-क व गट-ड संवर्गातील एका वर्षात भरण्यास मान्यता असलेल्या रिक्त पदांच्या १०% पदे ही अनुकंपा नियुक्तीने भरण्यात यावीत

२. सदर शासन निर्णय हा वित्त विभागाने अनौपचारिक संदर्भ क्र. २६४/२०१५/विसु-१, वर दि. ३०.०९.२०१५ अन्वये दिलेले अभिप्राय विचारात घेऊन निर्गमित करण्यात येत आहे. .

३. सदर शासन निर्णय हा महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१५१०२८१७३७५६६६०७ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने सांक्षातिक करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,

Sanjay Dhananjay
Tavarej

Digitally signed by Sanjay Dhananjay Tavarej
DN: c=IN, o=Government Of Maharashtra,
ou=DEPUTY SECRETARY, postalCode=400032,
st=Maharashtra,
2.5.4.20=3aa0457256d1492696e8751c12e2206cc3
54b97121be5c1e55042e70e6f7e4f7, cn=Sanjay
Dhananjay Tavarej
Date: 2015.10.28 17:41:21 +05'30'

(सं.ध तवरेज)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रत,

१. मा. राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
२. मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
३. मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
४. सर्व सन्माननीय विधान सभा सदस्य/विधान परिषद सदस्य.
५. मा. मुख्य सचिव
६. सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
- ७.सर्व मंत्रालयीन विभाग,
८. प्रबंधक मूळ शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,
९. प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,
१०. प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय,मुंबई.

पृष्ठ ३ पैकी २

११. सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
१२. प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
१३. सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
१४. सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासन भवन, मुंबई,
१५. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१६. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-२, महाराष्ट्र, मुंबई,
१७. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१८. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-२, महाराष्ट्र, नागपूर,
१९. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
२०. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
२१. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
२२. सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
२३. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
२४. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
२५. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
२६. निवड नस्ती. (कार्यासन-८)

महाराष्ट्र शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

शासन निर्णय क्रमांक: अकंपा-१०१४/प्र.क्र.१५५/आठ

हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा मार्ग,

मंत्रालय, मुंबई- ४०० ०३२

तारीख: १७ नोव्हेंबर, २०१६

वाचा

- १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१०९३/२३३५/प्र.क्र.९०/९३/आठ, दि. २६.१०.१९९४
- २) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१०९५/प्र.क्र.३४अ/आठ, दि. २३.०८.१९९६
- ३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१००६/प्र.क्र.१७४/०६/आठ, दि. १७.०७.२००७
- ४) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र. अकंपा-१०१३/प्र.क्र.८/आठ, दि. २६.०२.२०१३

प्रस्तावना :-

राज्य शासकीय कर्मचारी सेवेत असतांना दिवंगत झाल्यास त्याच्या कुटुंबावर ओढवणाऱ्या आर्थिक आपत्तीत कुटुंबियांना सहाय्य व्हावे व त्यांना आर्थिक मदत मिळावी यासाठी अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याचे शासनाचे धोरण आहे. न्यायालयीन प्रक्रियांमध्ये मुलगा व मुलगी यांच्या मधील लिंग भेद दूर व्हावा तसेच मुलगा व मुलगी यांना समान गणले जावे याकरीता मुलाप्रमाणेच विवाहीत अथवा अविवाहीत मुलीस अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र ठरविण्याबाबत शासनाचे धोरण होते. त्यानुसार शासन निर्णय दि. २६.०२.२०१३ अन्वये शासनाने विवाहीत मुलीस देखील अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविले. परंतु सदर शासन निर्णयात काही त्रुटी उद्भवल्याने व अस्पष्ट तरतूदी असल्याचे दिसून आल्या. या संबंधी मा. प्रशासकीय न्यायाधीकरण व मा. उच्च न्यायालय यांचे आदेश तसेच मा. उच्च न्यायालयाची मार्गदर्शक तत्वे विचारात घेवून अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र नातेवाईकांसंबंधी सुस्पष्ट आदेश काढण्याचे शासनाच्या विचाराधीन आहे. संदर्भाधीन शासन निर्णय क्र.१, २ व ३ अन्वये अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र कुटुंबियांमध्ये दिवंगत राज्य शासकीय कर्मचा-याची पत्नी/पत्नी, मुलगा किंवा अविवाहीत मुलगी अथवा मृत्युपूर्वी कायदेशीररीत्या दत्तक घेतला/घेतलेली मुलगा/अविवाहीत मुलगी, दिवंगत शासकीय कर्मचा-याचा मुलगा हयात नसेल व त्याच्या कुटुंबातील पात्र नातेवाईकांव्यतिरिक्त अन्य कोणीही अनुकंपा तत्वावर नियुक्तीसाठी पात्र नसेल तर त्याची सून, केवळ अविवाहीत शासकीय कर्मचा-यांच्या बाबतीत त्यांच्यावर सर्वस्वी अवलंबून असणारा भाऊ किंवा अविवाहीत बहिण तसेच घटस्फोटित/परित्यक्ता/विधवा मुलगी/बहीण ही नियमानुसार पात्र नातेवाईक मानण्यात आले

आहेत. संदर्भाधीन क्र. ४ च्या शासन निर्णयान्वये दिवंगत राज्य शासकीय कर्मचा-यांच्या कुटुंबामध्ये फक्त विवाहीत मुलगी हे एकमेव अपत्य असल्यास किंवा त्यांचे कुटुंब फक्त विवाहीत मुलीवर अवलंबून असेल अशा प्रकरणी दिवंगत शासकीय कर्मचा-याची विवाहीत मुलगी ही अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र ठरविण्यात आली होती. संदर्भाधीन शासन निर्णय क्र. ४ मधील तरतुदींची अंमलबजावणी करताना येणा-या अडचणी तसेच मूळ अर्ज क्र. १५५/२०१२, अर्जदार कु. सुजाता दिनकर नेवसे प्रकरणी महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण, मुंबई यांनी दि. २१.०७.२०१४ रोजी दिलेला निर्णयान्वये शासन निर्णय, सा.प्र.वि., क्र. अकंपा-१०१३/प्र.क्र.८/आठ, दि. २६.०२.२०१३ हा रद्द झालेला आहे. तसेच या प्रकरणातील रिट याचिका क्र. ११३१/२०१६, महाराष्ट्र शासन विरुद्ध श्रीमती सुजाता दिनकर नेवसे प्रकरणी मा. उच्च न्यायालयात उपस्थित झालेले मुद्दे विचारात घेवून उपरोक्त संदर्भ क्र. १, २ व ३ मध्ये नमूद पात्र नातेवाईकांच्या यादीमध्ये सुधारणा करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. त्या अनुषंगाने शासन पुढीलप्रमाणे निर्णय घेत आहे:-

शासन निर्णय:-

१. शासन निर्णय क्र. अकंपा-१०१३/प्र.क्र.८/आठ, दि. २६.०२.२०१३ रद्द झाल्याने त्यानुषंगाने तसेच उपरोक्त संदर्भ क्र. १, २ व ३ अन्वये विहित केलेल्या अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीसाठी दिवंगत शासकीय कर्मचा-यांच्या पात्र नातेवाईकांच्या यादीमध्ये सुधारणा करण्यात येत असून खालील नमूद केलेले नातेवाईक हे अनुकंपा नियुक्तीसाठी पात्र राहतील व त्यापैकी एका पात्र नातेवाईकास नियुक्ती अनुज्ञेय राहिल.

१) पती/पत्नी,

२) मुलगा/मुलगी (अविवाहीत/विवाहीत), मृत्युपूर्वी कायदेशीररित्या दत्तक घेतलेला मुलगा/मुलगी (अविवाहीत/विवाहीत)

३) दिवंगत शासकीय कर्मचा-याचा मुलगा हयात नसेल किंवा तो नियुक्तीसाठी पात्र नसेल तर त्याची सून

४) घटस्फोटित मुलगी किंवा बहीण, परित्यक्ता मुलगी किंवा बहीण, विधवा मुलगी किंवा बहीण,

५) केवळ दिवंगत अविवाहीत शासकीय कर्मचा-यांच्या बाबतीत त्याच्यावर सर्वस्वी अवलंबून असणारा भाऊ किंवा बहीण .

२. अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्यापूर्वी संबंधितांकडून दिवंगत कर्मचा-यावर अवलंबून असलेल्या कुटुंबातील अन्य व्यक्तींचा सांभाळ करण्याबाबत प्रतिज्ञापत्र घेण्यात यावे. भविष्यामध्ये सदर प्रतिज्ञापत्राचे उल्लंघन झाल्याबाबतची तक्रार संबंधित कुटुंबातील सदस्यांनी केल्यास सदर तक्रारीची चौकशी संबंधित नियुक्ती प्राधिकारी/शिस्तभंग विषयक प्राधिकाऱ्याने करावी. चौकशी अंती अनुकंपा नियुक्तीधारकाने प्रतिज्ञापत्राचे उल्लंघन केल्याचे निष्पन्न झाल्यास त्याला सेवेतून काढून टाकण्याची देखील शिक्षा देता येईल.

३. संदर्भाधीन शासननिर्णय क्र. (१), (२) आणि (३) मधील तरतुदी या आदेशातील उपरोक्त तरतुदींच्या मर्यादेपर्यंत सुधारीत झाल्या आहेत असे समजण्यात यावे.

४. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१६१११८१५१३३५६६०७ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

Subhash
Hanmant
Umaranikar

Digitally signed by Subhash Hanmant Umaranikar
DN: c=IN, o=Government Of Maharashtra,
ou=General Administration, postalCode=400032,
st=Maharashtra,
2.5.4.20=d5ea2bb9565eeb9b02d583f130371941a0
3fc5d98df65d3daafe66960a165024,
serialNumber=596a24adfcfd3ed34245812c0eacce
cdf4de3ec6a308b42a682a980bca4db38,
cn=Subhash Hanmant Umaranikar
Date: 2016.11.18 15:30:16 +05'30'

(सु.ह. उमराणीकर)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

१. मा. राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
२. मा. मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
३. मा. मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
४. सर्व सन्माननीय विधान सभा सदस्य/विधान परिषद सदस्य.
५. मा. मुख्य सचिव,
६. सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रशान सचिव/सचिव,
७. सर्व मंत्रालयीन विभाग,
८. प्रबंधक मूल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
९. प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई,
१०. प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई,
११. सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
१२. प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
१३. सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
१४. सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासन भवन, मुंबई,
१५. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,

१६. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-२, महाराष्ट्र, नागपुर,
१७. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-१, महाराष्ट्र, मुंबई,
१८. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-२, महाराष्ट्र, नागपुर,
१९. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
२०. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
२१. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
२२. सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
२३. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
२४. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
२५. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
२६. निवडनस्ती. (कार्यासन-८).

अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेली प्रतिवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १०% ची मर्यादा चालू ठेवण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
शासन निर्णय क्रमांक : अकंपा -१२१७/प्र.क्र. ४६ /आठ
हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा मार्ग,
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.
दिनांक : ०३ मे, २०१७.

- वाचा :**
१. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१००४/प्र.क्र. ५१/ २००४/आठ, दिनांक २२/८/२००५
 २. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र. ३४/ आठ, दिनांक १/३/२०१४
 ३. शासन पूरक पत्र, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.३४/ आठ, दिनांक २/५/२०१४
 ४. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१०१४/प्र.क्र.१२७/ आठ, दिनांक २०/६/२०१५
 ५. शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्र.संकिर्ण-१०१५/प्र.क्र.४१/ अर्थ-१, दिनांक २/६/२०१५
 ६. शासन निर्णय, वित्त विभाग, क्र.संकिर्ण-१०१५/प्र.क्र.४१/ अर्थ-१, दिनांक २३/९/२०१५
 ७. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्र.अकंपा-१२१५/प्र.क्र.४७/ आठ, दिनांक २८/१०/२०१५

प्रस्तावना :

अनुकंपा नियुक्ती साठी गट- क आणि गट- ड मध्ये प्रतीवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या ५% पदांची मर्यादा संदर्भाधीन शासन निर्णय क्र. १ अन्वये विहित करण्यात आली होती. सदर ५% ची मर्यादा वाढवून ती एक वर्षासाठी १०% इतकी संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील दिनांक ०१.०३.२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये, करण्यात आली. संदर्भाधीन शासन निर्णय क्र. ७ अन्वये सदर १०% ची मर्यादा दि. २८.०२.२०१७ पर्यंत चालू ठेवण्याबाबतचा निर्णय तसेच संदर्भाधीन शासन निर्णय क्र. ५ व ६ च्या अनुषंगाने पदभरतीवरील निर्बंध असेपर्यंत गट-क व गट-ड संवर्गातील एका वर्षात भरण्यास मान्यता असलेल्या रिक्त पदांच्या १०% पदे ही अनुकंपा नियुक्तीने भरण्याबाबतचा निर्णय घेण्यात आला. अनुकंपा नियुक्तीसाठी विहित केलेली प्रतिवर्षी रिक्त होणा-या पदांच्या १०% ची मर्यादा दि. ०१.०३.२०१७ पासून पुढे चालू ठेवण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. तसेच उपरोक्त संदर्भाधीन क्र. (५) व (६) येथील शासन निर्णयाच्या अनुषंगाने पदभरतीवरील निर्बंध विचारात घेता शासनाने पुढीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे.

शासन निर्णय :

संदर्भाधीन क्रमांक २ येथील दिनांक ०१.०३.२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये अनुकंपा तत्वावरील नियुक्तीसाठी प्रतीवर्षी रिक्त होणा-या पदाच्या १०% ची असलेली मर्यादा दिनांक ०१.०३.२०१७ पासून पुढे २ वर्ष (दिनांक २८.०२.२०१९ पर्यंत) चालू राहिल.

तथापि संदर्भाधीन क्र. (५) व (६) येथील शासन निर्णयानुसार पदभरतीवरील असलेले निर्बंध विचारात घेता प्रस्तुत निर्बंध असेपर्यन्त गट-क व गट-ड संवर्गातील एका वर्षात भरण्यास मान्यता असलेल्या रिक्त पदांच्या १०% पदे ही अनुकंपा नियुक्तीने भरण्यात यावीत.

२. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०१७०५०३१५५२५५०२०७ असा आहे. हा आदेश डिजिटल स्वाक्षरीने सांक्षातिक करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,

**Subhash
Hanmant
Umaranikar**

Digitally signed by Subhash Hanmant Umaranikar
DN: c=IN, o=Government Of Maharashtra, ou=General
Administration, postalCode=400032, st=Maharashtra,
2.5.4.20=d5ea2bb9565eeb9b02d583f130371941a03fc5
d98df65d3daafe66960a165024,
serialNumber=596a24dfcfd3edb4245812c0eacccdf4
de3ec6a308b42a682a980bca4db38, cn=Subhash
Hanmant Umaranikar
Date: 2017.05.03 15:54:11 +05'30'

(सु.ह. उमराणीकर)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

१. मा. राज्यपालांचे सचिव, मलबार हिल मुंबई,
२. मा.मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
३. मा.मंत्री/राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव,
४. सर्व सन्माननीय विधान सभा सदस्य/विधान परिषद सदस्य.
५. मा. मुख्य सचिव
६. सर्व मंत्रालयीन विभागांचे अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव,
- ७.सर्व मंत्रालयीन विभाग,
८. प्रबंधक मूळ शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,
९. प्रबंधक अपिल शाखा, उच्च न्यायालय,मुंबई,
१०. प्रबंधक, लोक आयुक्त व उप लोक आयुक्त यांचे कार्यालय,मुंबई.
११. सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई (पत्राने),
१२. प्रधान सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय (विधानसभा) मुंबई,
१३. सचिव, महाराष्ट्र विधान मंडळ सचिवालय, (विधान परिषद), मुंबई,
१४. सचिव, राज्य निवडणूक आयोग, नवीन प्रशासन भवन, मुंबई,
१५. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-१, महाराष्ट्र,मुंबई,
१६. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-२, महाराष्ट्र, मुंबई,
१७. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-१,महाराष्ट्र, मुंबई,
१८. महालेखापाल (लेखा परीक्षा)-२, महाराष्ट्र, नागपूर,

१९. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
२०. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई,
२१. मुख्य लेखा परीक्षक (निवासी लेखे), कोकण भवन, नवी मुंबई,
२२. सर्व विभागीय आयुक्त/सर्व जिल्हाधिकारी,
२३. सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी,
२४. निरनिराळ्या मंत्रालयीन विभागांच्या नियंत्रणाखालील सर्व विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
२५. सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
२६. निवड नस्ती. (कार्यासन-८).